Four Year Undergraduate Programme (FYUP)

HINDI

चार वर्षीय हिंदी स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

1. Programme's mission and objectives:

The Institute of Distance Education, RGU was established in 2005. Like other open distance learning institutions, the Institute of Distance Education, RGU is providing higher education to the targeted learners. The mission and objectives of the programme are:

- To impart and disseminate quality higher education through distance mode by providing instructional and study materials.
- To provide access to higher education to those people who are not able to pursue higher education through regular mode.
- To improve gross enrollment ratio in higher education.
- To promote research and innovative ideas among the students.

2. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

The aimsof Rajiv Gandhi University are to nurture the talent of learners by promoting intellectual growth to shape their personality and serve humanity as multi-skilled, socially responsible, creative, adaptable, contributing and morally sound global citizens. Also it have a mission to provide opportunities and support students from diverse background and assist them to become well-informed global citizens by developing their intellectual, moral, civic and creative capacities to the fullest through multi-faceted education and sustained engagement with local, national and global communities.

Alike, the mission and goals of the institution are to disseminate and advance quality education through instructions and research, to achieve excellence in higher education. The programme is aimed at providing quality higher education through distance education mode to those people who are interested to pursue higher education but do not get or are not able to take admission in

regular mode of higher education by giving counseling, instruction and study materials. Hence, the programme is relevant to the HEI's mission and goal.

3. Nature of prospective target group of learners:

The target group of learners will be dropout students, who have completed cass XII and are interested to pursue higher education but could not take admission in regular mode due to various social and economic problems. The targeted groups also include in-service, unemployed youth, defense and police personal, working in NGOs and the students who are preparing for competitive examination. This course has been design keeping in mind the growing influence of English and Hindi as Languages for official use. This will ensure that apart from academic experience the students also get competent for applying in administrative jobs.

4. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Learning and/or Online mode to acquire specific skills and competence:

Four Year Undergraduate Programme (FYUP) Hindi Programme through Distance Leaning mode is developed in order to give subject-specific skills including-

i) knowledge about communication skills

ii)) knowledge about Hindi language teaching

iii) knowledge about Hindi Grammar

iv) knowledge about Hindi translations and media skills

v) knowledge about the development in the field of literature so that they can pursue Higher Education

The course would enlighten to the learners about these queries. To do so, the Open and Distance Learning mode would provide quality higher education to the interested learners who are left out by the regular mode. It helps them to acquire competencies and skills in the concerned discipline by providing instruction through counseling, study materials, advice and support. Hence, it is the appropriate mode for acquiring competencies and skills.

5. **Instructional Design:**
   a. **Curriculum activities**
      i) Duration of programme: 04 (Foure) years for Four Year Undergraduate Programme (FYUP)
      ii) The four years course is comprises of Eight semesters.
      iii) Semester examination is conducted after every five months.
      iv) Result is declared after one month.
      v) After the declaration of result, admission process starts
   b. **Detail syllabus**

दूरस्थ शिक्षा विभाग

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय

रोनो हिल्स, दोइमुख

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUP)

हिन्दी

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUP) विवरण :

Four Year Undergraduate Programme (FYUP)

चार वर्षीय हिंदी स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम का संक्षिप्त परिचय

हिन्दी स्नातक प्रतिष्ठा) 4 ,चार (वर्षों की स्नातक उपाधि है ,जिसमें) 8 आठ (सत्र शामिल हैं। पाठ्यक्रम में विविध और अंतर्दृष्टि-उन्मुख पत्रों को सम्मिलित किया गया है जिसमें प्रतिष्ठा के 21)इक्कीस (पत्र ,प्रतिष्ठा के अंतर्गत विभागीय ऐक्छिक के) 3तीन(पत्र ,कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम)Skill Enhancement Course (के) 3तीन (पत्र तथा माइनर के) 2दो (पत्रों] सप्तम एवं अष्टम सत्र के माइनर के पत्रों को हिंदी मेजर के विद्यार्थी पढ़ेंगे।[का अध्यापन हिंदी विभाग में होगा। प्रथम सत्र से षष्ठ सत्र तक हिंदी माइनर के) 6छह (पत्रों को अन्य विषयों के विद्यार्थी पढ़ेंगे। बहुअनुशासनात्मक पाठ्यक्रम (MultidisciplinaryCourse)के) 3तीन (पत्र ,योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम)Ability Enhancement Course (के) 2दो (पत्र, मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम (Added Course-Value)के) 3तीन(पत्र तथा माइनर के) 6छह (पत्रों को विद्यार्थी अन्य विषयों के विभागों में पढ़ेंगे।

1. प्रत्येक पत्र को चार इकाइयों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक पत्र के लिए) 100सौ (अंक निर्धारित हैं जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के लिए)30तीस (अंक और सत्रांत परीक्षा के लिए) 70सत्तर (अंक निर्धारित हैं। हिंदी स्नातक प्रतिष्ठा के विद्यार्थी ,हिंदी) माइनर] (प्रथम सत्र से षष्ठ सत्र तक[के पत्रों को अन्य विषयों के विभागों में पढ़ेंगे। योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम)Ability Enhancement Course (के) 2दो (पत्र, कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम)Skill Enhancement Course (के) 3तीन (पत्र ,बहुअनुशासनात्मक पाठ्यक्रम Multidisciplinary) (Courseतथा मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम (Added Course-Value)आदि पत्रों को अपने विभाग में अथवा अन्य विषयों के विभागों में पढ़ सकते है।

इस पाठ्यक्रम में बहु प्रवेश एवं बहु निकास का प्रावधान रहेगा ,जो इस प्रकार है -

1.1. **उपाधि प्रदान करने का मानदंड**

- **एक वर्षीय स्नातक सर्टिफिकेट** :प्रथम एवं द्वितीय सत्र में 40क्रेडिट अंक प्राप्त करने वाला कोई विद्यार्थी यदि पाठ्यक्रम को छोड़ना चाहे तो उसे उक्त विषय में एक वर्षीय

स्नातक का सर्टिफिकेट दिया जायेगा ,बशर्ते उसे इन दोनों सत्रों में 2क्रेडिट की इंटर्नशिप पूरी करनी होगी।

- **दो वर्षीय स्नातक का डिप्लोमा** :चतुर्थ सत्र के समाप्त होने के पश्चात 80क्रेडिट अंक प्राप्त करने वाला कोई विद्यार्थी यदि पाठ्यक्रम को छोड़ना चाहे तो उसे उक्त विषय में दो वर्षीय स्नातक का डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा ,बशर्ते उसे इन दो वर्षों के दौरान 2 क्रेडिट की इंटर्नशिप पूरी करनी होगी।
- **तीन वर्षीय स्नातक उपाधि** :षष्ठ सत्र अथवा तीन वर्ष की पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात 120 क्रेडिट अंक अर्जित करने वाला कोई छात्र यदि पाठ्यक्रम को छोड़ना चाहे तो उसे तीन वर्षीय स्नातककी उपाधि प्रदान की जायेगी ,बशर्ते उसे इन तीन वर्षों के दौरान 2क्रेडिट की इंटर्नशिप पूरी करनी होगी।
- **चार वर्षीय स्नातक उपाधि** :चार वर्षीय स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले छात्रों को ही हिंदी में प्रतिष्ठा)आनर्स (की उपाधि प्रदान की जाएगी। अष्टम सत्र में हिंदी प्रतिष्ठा के पाठ्यक्रम में 160 क्रेडिट अर्जित करने वाले छात्रों को ही हिंदी स्नातक प्रतिष्ठा की उपाधि प्रदान की जाएगी। ऐसे छात्र यदि परास्नातक कार्यक्रम में प्रवेश लेना चाहे तो वे सीधे परास्नातक के तृतीय सत्र में प्रवेश पा सकते हैं ,बशर्ते वे इस पाठ्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित अपेक्षित क्रेडिट अर्जित कर पाये हों और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हों।

पाठ्यक्रमों के नाम और उनके कूट नाम:

1. हिंदी प्रतिष्ठा (Hindi Major) :**HIN-CC**
2. हिंदी सामान्य (Hindi Minor) :**HIN**-MC
3. अंतर अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम Multidisciplinary Course) :**HIN-MD**
4. योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम)Ability Enhancement Course(:**HIN-AE**
5. कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम) Skill Enhancement Course : **HIN-SE**
6. मूल्यवर्धित पाठ्यक्रमAdded Course-Value) : **VAC**
7. विभागीय ऐक्छिकDepartmental Elective) **DE – HIN :**

तीन वर्षीय स्नातक/चार वर्षीय हिंदी स्नातक)प्रतिष्ठा (के लिए पाठ्यक्रम संरचना

प्रथम सत्र									
पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षाअंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/ प्रयोगात्मक)	कुल अंक
			L	T	P				
IDE-HIN-CC-1110	हिन्दी साहित्य : आदिकाल से भक्तिकाल)इतिहास एवं रचनाएँ (	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-MC-1110	हिंदी सामान्य	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-XXX-MD-1110	राष्ट्रीय चेतना की कविता	3	2	1	0	90	30	70	100
IDE-XXX-AE-1110	लेखन कौशल	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE--XXX SEC- 0010	हिंदी शिक्षण	3	2	1	0	90	30	70	100
IDE-EVS-VA-1110	अन्य विभागों द्वारा तैयार किया जाएगा। विद्यार्थी अपने पसंद के विषय में तैयार पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	2	1	1	0	60	30	70	100

द्वितीय सत्र									
पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल	क्रेडिट			अध्ययय	आतंरि	सत्रांत	कुल
			L	T	P				

कोड		क्रेडिट				न अवधि	क परीक्षाअंक	परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयोगात्मक)	अंक
IDE-HIN-CC-1210	रीतिकाल :इतिहास एवं रचनाएँ	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-MC-1111	गद्य साहित्य :कहानी एवं उपन्यास	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-XXX-MD-1210	साहित्य और सिनेमा	3	2	1	0	90	30	70	100
IDE--XXX 1210-AE	पटकथा तथा संवाद लेखन	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-SE-XXX-0020	सृजनात्मक लेखन	3	2	1	0	90	30	70	100
IDE-EVS-VA-1120	अन्य विभागों द्वारा तैयार की जायेगी। विद्यार्थी अपने पसंद के विषय में तैयार पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	2	1	1	0	60	30	70	100

प्रथम एवं द्वितीय सत्र में 40क्रेडिट अंक प्राप्त करने वाला कोई विद्यार्थी यदि पाठ्यक्रम को छोड़ना चाहे तो उसे उक्त विषय में स्नातक प्रमाण पत्र की उपाधि दी जाएगी ,बशर्ते उसे इन दो सत्रों में संचालित कौशल आधारित पाठ्यक्रम के 6क्रेडिट के अतिरिक्त व्यवसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत संचालित 4क्रेडिट वाला प्रशिक्षण /समर इंटर्नशिप पूरा करना होगा।

तृतीय सत्र

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षांक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयो	कुल अंक
			L	T	P				

								गात्मक)	
IDE-HIN-CC-2110	आधुनिक काल :इतिहास एवं रचनाएँ1 -	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-2120	हिंदी कहानी 1-	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-MC-2110	हिंदी आत्मकथा और जीवनी	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-XXX-MD-1310	कम्प्यूटर-अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण	3	2	1	0	90	30	70	100
IDE–XXX SE-0030	राजभाषा हिंदी : अवधारणा एवं अनुप्रयोग	3	2	1	0	90	30	70	100
IDE-EVS-VA-1130	अन्य विभागों द्वारा तैयार की जायेगी। विद्यार्थी अपने पसंद के विषय में तैयार पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	2	1	1	0	60	30	70	100

चतुर्थ सत्र									
पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षाअंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयोगात्मक)	कुल अंक
			L	T	P				
IDE-HIN-CC-2210	हिंदी भाषा एवं भाषा	4	3	1	0	120	30	70	100

	विज्ञान								
IDE-HIN-CC-2220	हिंदी नाटक	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-2230	कथेतर गद्य साहित्य	4	3	1	0	120	30	70	100
IDEHIN-CC-2240	हिंदी भक्ति काव्य	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-MC-3210	आधुनिक हिंदी कविता	4	3	1	0	120	30	70	100

चतुर्थ सत्र के समाप्त होने के पश्चात 80 क्रेडिट अंक प्राप्त करने वाला कोई विद्यार्थी यदि पाठ्यक्रम को छोड़ना चाहे तो उसे उक्त विषय में स्नातक डिप्लोमा की उपाधि दी जाएगी, बशर्ते उसे इन दो वर्षों में व्यवसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत संचालित 4 क्रेडिट वाला प्रशिक्षण/ समर इंटर्नशिप को पूरा करना होगा।

वे विद्यार्थी जो तीन वर्षीय स्नातक या चार वर्षीय स्नातक उपाधि प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें भी पंचम सत्र तक व्यवसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत संचालित 4 क्रेडिट वाला प्रशिक्षण/ समर इंटर्नशिप को पूरा करना होगा।

पंचम सत्र

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षाअंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/ प्रयोगात्मक)	कुल अंक
			L	T	P				
IDE-HIN-CC-3110	भारतीय काव्यशास्त्र	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-3120	आधुनिक काल :इतिहास एवं रचनाएँ2 -	4	3	1	0	120	30	70	100

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट L	T	P	अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षांक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयोगात्मक)	कुल अंक
IDE-HIN-CC-3130	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-3140	लोक साहित्य	2	1	1	0	60	30	70	100
IDE-HIN-MC-4110	प्रवासी साहित्य	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-IN-5110	प्रशिक्षण /इंटर्नशिप	2	1	1	0	60	30	70	100

षष्ठ सत्र

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षांक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयोगात्मक)	कुल अंक
			L	T	P				
IDE-HIN-CC-3210	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-3220	छायावाद	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-3230	प्रेमचन्द	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-3240	मीडिया के विविध आयाम	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-MC-4210	राष्ट्रीय चेतना का साहित्य	4	3	1	0	120	30	70	100

षष्ठ सत्र अथवा तीन वर्ष की पढ़ाई पूर्ण होने के पश्चात 120क्रेडिट अर्जित करने वाला कोई छात्र यदि पाठ्यक्रम से निकास लेना चाहे तो उसे स्नातक की उपाधि प्रदान की जायेगी।

सप्तम सत्र									
पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षा अंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयोगात्मक)	कुल अंक
			L	T	P				
IDE-HIN-CC-4110	हिन्दी साहित्य का इतिहास)आदिकाल से रीतिकाल तक(	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-4120	आदिकालीन साहित्य एवं निर्गुण भक्ति काव्य	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-4130	भारतीय काव्यशास्त्र	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-4140	कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-MC-4150	भारतीय साहित्य	4	3	1	0	120	30	70	100

अष्टम सत्र									
पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षा अंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयोगात्मक)	कुल अंक
			L	T	P				

IDE-HIN-CC-4210	**हिंदी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल**	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-DE-4220	सगुण भक्ति काव्य एवं रीति काव्य	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-DE-4230	आधुनिक काव्य	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-DE-4240	हिन्दी नाटक एवं निबंध	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-MC-4250	अनुवाद विज्ञान :सिद्धांत एवं प्रविधि	4	3	1	0	120	30	70	100

योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम Ability Enhancement Course (AEC)

सत्र	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरक परीक्षाअंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/ प्रयोगात्मक)	कुल अंक
				L	T	P				
प्रथम	IDE-XXX-AE-1110	लेखन कौशल	4	3	1	0	120	30	70	100
द्वितीय	IDE--XXX 1210-AE	पटकथा तथा संवाद लेखन	4	3	1	0	120	30	70	100

हिंदी सामान्य Hindi Minor (MC)

सत्र	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षाअंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/ प्रयोगात्मक)	कुल अंक
				L	T	P				
प्रथम	IDE-HIN-MC-1110	हिंदी सामान्य	4	3	1	0	120	30	70	100
द्वितीय	IDE-HIN-MC-1111	गद्य साहित्य : कहानी एवं उपन्यास	4	3	1	0	120	30	70	100
तृतीय	IDE-HIN-MC-2110	हिंदी आत्मकथा और जीवनी	4	3	1	0	120	30	70	100
चतुर्थ	IDE-HIN-MC-3210	आधुनिक हिंदी कविता	4	3	1	0	120	30	70	100
पंचम	IDE-HIN-MC-4110	प्रवासी साहित्य	4	3	1	0	120	30	70	100
षष्ट	IDE-HIN-MC-4210	राष्ट्रीय चेतना का साहित्य	4	3	1	0	120	30	70	100
सप्तम	IDE-HIN-RC-5110	शोध प्रविधि	4	3	1	0	120	30	70	100
अष्टम	IDE-HIN-RC- 5210	शोध एवं प्रकाशन नैतिकता	4	3	1	0	120	30	70	100

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम Skill Enhancement Course (SEC)

सत्र	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षा अंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/ प्रयोगात्मक)	कुल अंक
				L	T	P				
प्रथम	IDE-XXX-SE-0010	हिंदी शिक्षण	3	2	1	0	90	30	70	100
द्वितीय	IDE–XXX 0020-SE	सृजनात्मक लेखन	3	2	1	0	90	30	70	100
तृतीय	IDE–XXX 0030-SE	राजभाषा हिंदी : अवधारणा एवं अनुप्रयोग	3	2	1	0	90	30	70	100

अंतर अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम (Multidisciplinary Cours (MD)

सत्र	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षा अंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/ प्रयो	कुल अंक
				L	T	P				

									गात्मक)	
प्रथम	IDE-XXX-MD-1110	राष्ट्रीय चेतना की कविता	3	2	1	0	90	30	70	100
द्वितीय	IDE–XXX 1210-MD	साहित्य और सिनेमा	3	2	1	0	90	30	70	100
तृतीय	IDE–XXX 1310-MD	कंप्यूटर अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण	3	2	1	0	90	30	70	100

प्रथम सत्र

IDE-HIN-CC-1110

हिंदी साहित्य :आदिकाल से भक्तिकाल

)इतिहास एवं रचनाएँ(

उद्देश्य : Learning) Objective L(Os

L .1Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी साहित्य के आदिकाल की युगीन परिस्थितियों , प्रवृत्तियों एवं प्रमुख कवियों के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी चंदबरदाई और अमीर खुसरो की चयनित रचनाओं की व्याख्या ,समीक्षा तथा दोनों रचनाकारों की काव्यगत विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी कबीर और जायसी की काव्य-दृष्टि एवं काव्य-वैभव से परिचित हो सकेंगे। साथ ही कबीर की भक्ति भावना और पद्मावत के सन्दर्भ में सूफी काव्य-परम्परा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

L .4Oविद्यार्थी सूरदास और तुलसीदास की भक्ति-भावना ,वात्सल्य ,समन्वय-भावना तथा अन्य काव्यगत विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

C .1Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों ने हिंदी साहित्य के आदिकाल की युगीन परिस्थितियों , प्रवृत्तियों एवं प्रमुख कवियों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया।

C .2Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों ने चंदबरदाई और अमीर खुसरो की चयनित रचनाओं की व्याख्या ,समीक्षा तथा दोनों रचनाकारों की काव्यगत विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त किया।

C .3Oविद्यार्थी कबीर और जायसी की काव्य-दृष्टि एवं काव्य-वैभव से परिचित हुए। साथ ही कबीर की भक्ति-भावना और पद्मावत के सन्दर्भ में सूफी काव्य-परम्परा का परिचय प्राप्त किया।

C .4Oविद्यार्थी सूरदास और तुलसीदास की भक्ति-भावना ,वात्सल्य ,समन्वय-भावना तथा अन्य काव्यगत विशेषताओं से परिचित हुए।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँ (Course Outcome)
1	**आदिकाल:** साहित्य का इतिहास :काल विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण, आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ। **भक्तिकालः** भक्तिकाल की पृष्ठभूमि; परिस्थितियाँ; वर्गीकरण तथा सामान्य प्रवृत्तियाँ, निर्गुण एवं सगुण काव्यधाराओं की ज्ञानाश्रयी, प्रेमाश्रयी, कृष्णाश्रयी तथा रामाश्रयी काव्यधाराओं का परिचय तथा विशेषताएँ ।	30	1C

2	**क.चन्दबरदाई :** पुस्तक :आदिकालीन काव्य –सं .डॉ .वासुदेव सिंह , विश्वविद्यालय प्रकाशन(अथ पद्मावती समय :प्रारंभ से) 10दस (पद । आलोचना :पृथ्वीराज रासो का काव्य-सौन्दर्य ,रासो की प्रामाणिकता ,अथ पद्मावती समय का काव्य-सौन्दर्य। **ख .अमीर खुसरो**) :पाठ्य पुस्तक :अमीर खुसरो : व्यक्तित्व और कृतित्व –परमानन्द पांचाल(• कव्वाली -घ (1) • दोहे (1) –:गोरी सोवे सेज पर (2)खुसरो रैन सुहाग की (3)देख मैं (4)चकवा-चकवी (5)सेज सुनी	30	2C
3	घ पाठ्य-पुस्तकः प्राचीन काव्य संग्रह; सम्पा -.राजदेव सिंह; वाणी प्रकाशन ,दिल्ली **क.कबीर :** पाठांश :प्रारम्भ के पाँच सबद आलोचना :कबीर की भक्ति ; सामाजिक चेतना ; काव्य रूप **ख.जायसी :** पाठांश :उपसंहार खण्ड आलोचना :सूफी काव्य परम्परा और पद्मावत ;जायसी का काव्य-वैभव	30	3C

4	**क. सूरदासः** पाठ्य पुस्तकः प्राचीन काव्य संग्रह; सम्पा -. राजदेव सिंह; वाणी प्रकाशन ,दिल्ली। पाठांश :विनय के पद -1 ,5 तथा भ्रमरगीत प्रसंग -पद संख्या :3,4,5,6,7 तथा 8 आलोचना :सूर की भक्ति-भावना ; वात्सल्य वर्णन ;भ्रमरगीत काव्य परम्परा **ख. तुलसीदास :** पाठ्यपुस्तक :काव्य-वैभव :सं .दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन पाठांश :समस्त पद । आलोचना :भक्ति-भावना ;काव्यगत विशेषताएँ ;समन्वय -भावना	30	4C
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	2	2	-	3	2	2	-	3
CO2	3	3	2	1	3	3	3	1	3
CO3	3	3	2	2	3	3	3	2	3
CO4	3	3	2	2	3	3	3	2	3
Average	3	2.75	2	1.25	3	2.75	2.75	1.25	3

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श) काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन असाइनमेंट,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट (आदि।

निर्देशः

1 .इकाई 3 ,2तथा इकाई 4से एक-एक व्याख्या पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 6x3 = 18

.2इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे।

13x4= 52

सहायक ग्रन्थः

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास :रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास :सं. डॉ .नगेन्द्र ,डॉ .हरदयाल
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास :डॉ .रामकुमार वर्मा
4. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासः दो खण्ड :डॉ .गणपतिचन्द्र गुप्त
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास :डॉ .रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास :डॉ .बच्चन सिंह
7. हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास :डॉ .हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य :भोलानाथ तिवारी
9. कबीर :हजारीप्रसाद द्विवेदी
10. सूरदास :नंददुलारे वाजपेयी
11. भ्रमरगीत सार :सं .रामचन्द्र शुक्ल
12. जायसी ग्रंथावली :सं .रामचन्द्र शुक्ल
13. गोस्वामी तुलसीदास :रामचन्द्र शुक्ल

प्रथम सत्र

IDE-HIN-MC-1110

सामान्य हिंदी

क्रेडिट 4 :
पूर्णांक 100 :
अभ्यन्तर :3 0
सत्रांत परीक्षा :7 0

उद्देश्य : **Learning) eObjectiv L(Os**

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास के विभिन्न कालों की परिस्थितियों एवं प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी कबीरदास ,सूरदास और तुलसीदास के चयनित काव्यांशों की व्याख्या और समीक्षा का अध्ययन कर सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी प्रेमचंद ,उषा प्रियंवदा और मोहन राकेश की चयनित कहानियों की समीक्षा कर सकेंगे तथा कहानीकारों की कहानी-कला से अवगत हो सकेंगे।

L .4Oविद्यार्थी हिंदी व्याकरण के विभिन्न अवयवों से परिचित हो सकेंगे तथा पत्र लेखन और निबंध लेखन के कौशल से अवगत हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने हिंदी साहित्य के इतिहास के विभिन्न कालों की परिस्थितियों एवं प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय प्राप्त किया।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने कबीरदास ,सूरदास और तुलसीदास के चयनित काव्यांशों की व्याख्या और समीक्षा का अध्ययन किया।

.3COविद्यार्थियों ने प्रेमचंद ,उषा प्रियंवदा और मोहन राकेश की चयनित कहानियों की समीक्षा की तथा कहानीकारों की कहानी-कला से अवगत हुए।

.4CO विद्यार्थियों ने हिंदी व्याकरण के विभिन्न अवयवों से परिचित प्राप्त किया तथा पत्र लेखन और निबंध लेखन के कौशल से अवगत हुए।

इकाई	**विषय**	**अध्ययन अवधि**	**उपलब्धियाँCourse) (Outcome**
1	हिंदी साहित्य का इतिहास :सामान्य परिचय ;आदिकाल , भक्तिकाल ,रीतिकाल और आधुनिक काल का सामान्य परिचय।	30	1C
2	**कविता** • कबीर :पाठ्य पुस्तक :कबीर ग्रंथावली ,संपादक :डॉ. श्यामसुन्दर दास पाठ्य अंश ' :गुरुदेव को अंग 'साखी संख्या 1से 10तक • सूरदास :पाठ्य पुस्तक :सूरसागरसार , संपादक :डॉ .धीरेन्द्र वर्मा	30	2C

	पाठ्य अंश‘ :गोकुल लीला ’पद संख्या ,18 ,7 : 21 ,20 ,19 • तुलसीदास :पाठ्य पुस्तक :कवितावली , गीता प्रेस ,गोरखपुर पाठ्य अंश ‘ :बाल काण्ड ’पद संख्या ,4 ,3 ,1 : 7 ,5		
3	**कहानी** • प्रेमचंद :सवा सेर गेहूँ • उषा प्रियंवदा :वापसी • मोहन राकेश :मलबे का मालिक	30	3C
4	**हिंदी व्याकरण और रचना** : **व्याकरण** :लिंग निर्णय ,वचन ,काल ,वाक्य-शुद्धि , विलोम शब्द ,पर्यायवाची शब्द ,संधि ,समास ,वर्तनी , शुद्धि-अशुद्धि ,मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ। **पत्र-लेखन ,निबंध-लेखन**) *निबंध के लिए विषय : विज्ञान से सम्बंधित विषय ,पर्यावरण से सम्बंधित विषय ,साहित्य से सम्बंधित विषय ,सामाजिक समस्याओं से सम्बंधित विषय तथा अरुणाचल प्रदेश से सम्बंधित विषय(* ।	30	4C
	कुल अध्ययन-अवधि	**120**	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	3	2	3	3	2	2	1	3
CO2	3	3	2	1	3	3	2	2	3
CO3	3	3	2	3	3	3	3	1	3
CO4	1	2	3	3	1	1	1	3	2
Average	2.50	2.75	2.25	2.50	2.50	2.25	2	1.75	2.75

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

.1इकाई 2तथा 3से एक-एक व्याख्या पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे।

7 x2 =1 4

.2इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 1 2x4= 48

.3इकाई 4के व्याकरण वाले भाग से चार-चार अंक के दो प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनके विकल्प भी होंगे। 08=2x4

सहायक ग्रन्थः

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास :रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास :सं डॉ .नगेन्द्र ,डॉ . हरदयाल
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास :डॉ .रामकुमार वर्मा
4. कबीर :हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. सूरदास :रामचन्द्र शुक्ल
6. सुर साहित्य :हजारीप्रसाद द्विवेदी
7. तुलसी और उनका युग :राजपति दीक्षित
8. गोस्वामी तुलसीदास :हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. कहानी नयी कहानी :नामवर सिंह
10. हिंदी कहानी का विकास :मधुरेश
11. हिंदी व्याकरण और रचना :वासुदेव नंदन प्रसाद
12. हिंदी व्याकरण :कामता प्रसाद गुरु

प्रथम सत्र

IDE-HIN-MD-1110

राष्ट्रीय चेतना की कविता

क्रेडिट	:3
पूर्णांक	:100
अभ्यन्तर	:3 0
सत्रांत परीक्षा	: 7 0

उद्देश्य : **Learning) eObjectiv L(Os**

L : .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय चेतना के स्वरूप से अवगत कराया जायेगा। राष्ट्रीय चेतना की कविताओं के तात्त्विक विवेचन तथा उसमें अभिव्यक्त देश प्रेम के विविध आयामों का अध्ययन कराया जायेगा।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध 'तथा मैथिलीशरण गुप्त की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा का अध्ययन कर सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी सुभद्रा कुमारी चौहान और रामनरेश त्रिपाठी विरचित चयनित कविताओं की व्याख्या और आलोचना का अध्ययन कर सकेंगे।

L .4Oविद्यार्थी माखनलाल चतुर्वेदी और जयशंकर प्रसाद की चयनित राष्ट्रीय भावना से सम्बंधित कविताओं की व्याख्या एवं मीमांसा से अवगत हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी राष्ट्रीय चेतना के स्वरूप से अवगत हुए। राष्ट्रीय चेतना की कविताओं के तात्त्विक विवेचन तथा उसमें अभिव्यक्त देश प्रेम के विविध आयामों का अध्ययन किया।

.2COइस पत्र के अध्ययन के द्वारा विद्यार्थियों ने अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध 'तथा मैथिलीशरण गुप्त की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा की।

.3COविद्यार्थियों ने सुभद्रा कुमारी चौहान और रामनरेश त्रिपाठी विरचित चयनित कविताओं की व्याख्या की तथा आलोचना का अध्ययन किया।

.4COविद्यार्थी माखनलाल चतुर्वेदी और जयशंकर प्रसाद की चयनित राष्ट्रीय चेतना की कविताओं की व्याख्या एवं मीमांसा से अवगत हुए।

इकाई	**विषय**	**अध्ययन अवधि**	**उपलब्धियाँourse C) (Outcome**
1	राष्ट्रीय चेतना :परिभाषा और स्वरूप, राष्ट्रीय चेतना की कविता का तात्विक विवेचन, राष्ट्रीय चेतना की कविता में देश प्रेम के विविध आयाम, हिंदी साहित्य के विविध युगों में राष्ट्रीय चेतना का विकास।	18	1C
2	क .अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध : 'कर्मवीर ख .मैथिलीशरण गुप्त :नर हो ना निराश करो मन को	24	2C
3	क .सुभद्रा कुमारी चौहान :झांसी की रानी ख .रामनरेश त्रिपाठी :वह देश कौन सा है	24	3C
4	क .माखनलाल चतुर्वेदी :पुष्प की अभिलाषा ख.जयशंकर प्रसाद :भारत महिमा	24	4C
कुल अध्ययन-अवधि		**90**	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	3	2	3	3	2	3	2	3
CO2	3	3	2	3	3	3	3	1	3
CO3	3	3	2	3	3	3	3	1	3
CO4	3	3	2	3	3	3	3	1	3
Average	3	3	2	3	3	2.75	3	1.25	3

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

.1इकाई 2 3 ,तथा 4से एक-एक व्याख्या पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे।
6x3=18

.2इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे।
13x4= 52

सहायक ग्रंथ -

1. अतीत के हंस	:मैथिलीशरण गुप्त, प्रभाकर श्रोत्रिय
2. जयशंकर प्रसाद	:नंददुलारे वाजपेयी
.3सुभद्रा कुमारी चौहान	:साहित्य अकादमी
4. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त	:रामधारी सिंह दिनकर
5. हरिऔध और उनका साहित्य	:मुकुंददेव शर्मा
6. रामनरेश त्रिपाठी	:इंदरराज वैद 'अधीर'
7. राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य	:वीरभारत तलवार
.8भारतेंदु हरिश्चन्द्र	:मदन गोपाल
.9भारतेंदु हरिश्चन्द्र	:ब्रजरत्न दस
.10माखनलाल चतुर्वेदी	:साहित्य अकादमी
.11अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	:साहित्य अकादमी

प्रथम सत्र

IDE-HIN-AE-1110

लेखन कौशल

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर0	: 30
सत्रांत परीक्षा	: 7 0

उद्देश्य : Learning) Objective L(Os

L : .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी लेखन-कौशल से अवगत हो सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी लेखन के विविध रूपों ,जैसे-गद्य-पद्य, नाटक-एकांकी, समाचार, पत्र लेखन आदि से परिचित हो सकेंगे।

L .3Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी रचनात्मक लेखन के लिए आवश्यक गुणों का अध्ययन कर सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी विविध साहित्यिक विधाओं की आधारभूत संरचनाओं के व्यावहारिक पक्ष से परिचित हो सकेंगे तथा विभिन्न विधाओं में लेखन का अभ्यास कर सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1COइस पत्र के अध्ययन के द्वारा विद्यार्थी लेखन-कौशल की कला से अवगत हुए।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी लेखन के विविध रूपों ,जैसे -गद्य-पद्य, नाटक-एकांकी, समाचार, पत्र-लेखन

आदि से परिचित हुए।

.3COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों ने रचनात्मक लेखन के लिए आवश्यक गुणों का अध्ययन किया तथा व्याकरणिक रूप

से शुद्ध हिन्दी लेखन में कुशलता प्राप्त की।

.4CO इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी विविध साहित्यिक विधाओं की आधारभूत संरचनाओं के व्यावहारिक पक्ष से परिचित हुए तथा विभिन्न विधाओं में लेखन का अभ्यास भी किया।

इकाई	**विषय**	**अध्ययन अवधि**	**उपलब्धियाँ Course) (Outcome**
1	लेखन कौशल :स्वरूप एवं सिद्धांत, लेखन कौशल का महत्व एवं विशेषताएँ।	30	1C
2	लेखन के विविध रूप :मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, नाटक-एकांकी, समाचार, पत्र लेखन।	30	2C
3	लेखन कौशल :भाषा प्रयोग, शब्द चयन, व्याकरणिक कोटियाँ, रचनात्मक लेखन के लिए आवश्यक गुण ।	30	3C
4	प्रशिक्षण :विविध साहित्यिक विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक पक्ष, विभिन्न विधाओं में लेखन का अभ्यास।	30	4C
	कुल अध्ययन-अवधि	**120**	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	1	3	2	3	1	2	2	3	2
CO2	3	3	2	3	1	2	2	3	2
CO3	1	3	2	3	1	2	2	3	2
CO4	2	3	2	3	2	3	2	3	3
Average	1.75	3	2	3	1.25	2.25	2	3	2.25

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे।
   14x4= 56
2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी ,जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा।
   7x2= 1 4

सहायक ग्रंथ :

1. रचनात्मक लेखन :सं .रमेश गौतम
1. हिंदी वाक्य विन्यास :सुधा कश्यप
2. संचार भाषा हिंदी :सूर्यप्रसाद दीक्षित
3. लेखन कला और रचना कौशल :परिकल्पना प्रकाशन

प्रथम सत्र

IDE-HIN-SE-0010

हिंदी शिक्षण

क्रेडिट 3 :
पूर्णांक 100 :
अभ्यन्तर 30 :
सत्रांत परीक्ष : 70

उद्देश्य : **Learning) Objective L ,(Os**

L .1Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी सम्पादक के नाम पत्र, सम्पादकीय लेखन, स्तम्भ लेखन, पत्र-पत्रिकाओं के लिये आलेख रचना, आकाशवाणी एवं दूरदर्शन हेतु वार्ता, साक्षात्कार एवं परिचर्चा तैयार करने की विधियों से अवगत हो सकेंगे।
L .2Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी कार्यालयी पत्राचार के विविध रूपों से परिचित हो सकेंगे।

L .3Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने सोशल मीडिया एवं न्यू-मीडिया लेखन की विभिन्न विधियों तथा हिंदी भाषा के तकनीकी प्रयोगों से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों को सृजनात्मक लेखन की विभिन्न साहित्यिक विधाओं एवं उनके स्वरूप की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी सम्पादक के नाम पत्र, सम्पादकीय लेखन, स्तम्भ लेखन, पत्र-पत्रिकाओं के लिये आलेख रचना, आकाशवाणी एवं दूरदर्शन हेतु वार्ता, साक्षात्कार एवं परिचर्चा तैयार करने की विधियों से अवगत हुए।
.2COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी कार्यालयी पत्राचार के विविध रूपों से परिचित हुए।
.3COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने सोशल मीडिया एवं न्यू-मीडिया लेखन की विभिन्न विधियों तथा हिंदी भाषा के तकनीकी प्रयोगों से परिचय प्राप्त किया।
.4COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों को सृजनात्मक लेखन की विभिन्न साहित्यिक विधाओं एवं उनके स्वरूप की जानकारी प्राप्त हुई।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	**आलेख रचना** सम्पादक के नाम पत्र ,सम्पादकीय लेखन , स्तम्भ लेखन ,पत्र-पत्रिकाओं के लिये आलेख रचना; आकाशवाणी एवं दूरदर्शन हेतु वार्ता , साक्षात्कार एवं परिचर्चा तैयार करने की विधियाँ।	24	1C
2	**व्यावहारिक लेखन** कार्यालयी पत्राचार ;प्रेस विज्ञप्ति ;सूचना ; ज्ञापन; कार्यसूची; कार्यवृत्त; प्रतिवेदन; सम्पादन; संक्षेपण ;आत्मविवरण।	24	2C
3	**सोशल मीडिया लेखन**	18	3C

	सोशल मीडिया की अवधारणा ,संचार के नवमाध्यम ,न्यू मीडिया और समाज, सोशल मीडिया के विविध रूप, लेखन एवं व्यावहारिक प्रकृति।		
4	**सृजनात्मक लेखन** कविता ,कहानी ,नाटक तथा एकांकी ,निबंध , संस्मरण ,यात्रावृत्त का स्वरूप विवेचन।	24	4C
कुल अध्ययन-अवधि		**90**	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	1	2	2	3	1	2	2	3	3
CO2	-	2	-	3	-	-	-	3	2
CO3	3	3	2	3	2	3	2	3	2
CO4	3	2	2	3	3	3	2	3	3
Average	1.75	2.25	1.50	3	1.50	2	1.50	3	2.50

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे।
   14x4= 56
2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी ,जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा।
   7x2= 1 4

सहायक ग्रन्थः

1. अच्छी हिन्दी : रामचन्द्र वर्मा

2. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण और रचना : हरदेव बाहरी
3. हिन्दी भाषा :डॉ .भोलानाथ तिवारी
4. रेडियो लेखन : मधुकर गंगाधर
5. टेलीविजनः सिद्धान्त और टैकनिक :मथुरादत्त शर्मा
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ .दंगल झाल्टे
7. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग : गोपीनाथ श्रीवास्तव , राजकमल ,दिल्ली
8. टेलीविजन लेखन : असगर वजाहत / प्रेमरंजन ; राजकमल , दिल्ली
9. रेडियो नाटक की कला : डॉ .सिद्धनाथ कुमार, राजकमल , दिल्ली
10. रेडियो वार्ता-शिल्प : सिद्धनाथ कुमार, राजकमल ,दिल्ली
11. सूचना प्रौद्योगिकी एवं पत्रकारिता :अशोक मलिक ,हरियाणा साहित्य अकादमी
12. मीडिया और बाज़ार :वर्तिका नंदा ,सामयिक प्रकाशन
13. नए समय में मीडिया :विनीत उत्पल ,अपनी जुबान

द्वितीय सत्र

IDE-HIN-CC-1210

रीतिकाल :इतिहास एवं रचनाएँ

क्रेडिट 4 :
पूर्णांक 100 :
अभ्यन्तर 30 :
सत्रांत परीक्षा 70 :

उद्देश्य : Learning) Objective L-(Os

:.1LOइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, परिस्थितियां एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ, अवधारणा तथा रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

.2LOइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी केशव और मतिराम की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा का अध्ययन करेंगे।

.3LOविद्यार्थी सेनापति और बिहारी विरचित चयनित कविताओं की व्याख्या और आलोचना का अध्ययन करेंगे।

.4LOविद्यार्थी घनानंद और भूषण की चयनित कविताओं की व्याख्या एवं मीमांसा से अवगत हो सकेंगे।

उपलब्धियां –**Course) omeOutcC -(Os**

: .1COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, परिस्थितियां एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ, अवधारणा तथा रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराओं का परिचय प्राप्त किया।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने केशव और मतिराम की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा का अध्ययन किया।

.3COविद्यार्थियों ने सेनापति और बिहारी विरचित चयनित कविताओं की व्याख्या और आलोचना का अध्ययन किया।

.4COविद्यार्थी घनानंद और भूषण की चयनित कविताओं की व्याख्या एवं मीमांसा से अवगत हुए।

इकाई	**विषय**	**अध्ययन अवधि**	**उपलब्धियाँCourse) (Outcome**
1	रीति की अवधारणा और रीति काव्य, रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, परिस्थितियां एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं :सामान्य परिचय, रीतिकालीन रचनाकार एवं रचनाएं, रीतिकालीन काव्य-भाषा।	30	1C
2	)क (केशव : पाठ्य पुस्तक :कविप्रिया –प्रिया प्रकाशन , लाला भगवानदीन	30	2C

	पाठांश :तीसरा प्रभाव ,छंद संख्या 1,2,4तथा 5 आलोचना :कविप्रिया का काव्य सौन्दर्य , केशव की अलंकार-योजना)ख (मतिराम : पाठ्य पुस्तक :रीतिकाव्य संग्रह ,डॉ . विजयपाल सिंह ,लोकभारती प्रकाशन पाठांश :प्रारंभ से पाँच पद आलोचना :रीतिकालीन कवियों में मतिराम का स्थान ,मतिराम की काव्य-कला		
3	)क (सेनापति : पाठ्य पुस्तक :रीतिकाव्य संग्रह ,डॉ . विजयपाल सिंह ,लोकभारती प्रकाशन पाठांश :पद संख्या 1,2,5,9 -:तथा 10 आलोचना :शृंगारिकता ,काव्यगत विशेषताएँ) ख (बिहारी : पाठ्य पुस्तक : बिहारी रत्नाकर ;सम्पादक : जगन्नाथदास रत्नाकर पाठ्य दोहे 21 ,20 ,7,15,19 ,6 ,5 ,2 ,1 -तक आलोचना :बिहारी की बहुज्ञता ,सतसई परम्परा में बिहारी का स्थान	30	3C
4	)क (घनानन्द: पाठ्य पुस्तक :घनानन्द कवित्त ;संपा -. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र पाठांश :पद संख्या 1से 5तक आलोचना :प्रेम वर्णन, भाषा एवं काव्य-कला)ख (भूषण : पाठ्य पुस्तक :रीति काव्य धारा; संपा – रामचन्द्र तिवारी	30	4C

	पाठ्य छंद 9 -, 10, 11, 12, 15, 24 लोचना :वीरता की कविता, भाषा एवं काव्य कला		
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	3	3	2	3	2	3	2	3
CO2	3	3	3	2	3	3	3	2	3
CO3	3	3	3	2	3	3	3	3	3
CO4	3	3	3	2	3	3	3	2	3
Average	3	3	3	2	3	2.75	3	2.25	3

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देश:

.1इकाई 3 ,2तथा 4से एक-एक व्याख्या पूछी जाएगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 6x3 = 18

.2इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे।

13x4= 52

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास :रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास :सं .डॉ .नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास :डॉ .रामकुमार वर्मा
4. रीतिकाव्य की भूमिका :डॉ .नगेन्द्र

5. बिहारी का नया मूल्यांकन :बच्चन सिंह
6. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा :मनोहर लाल गौड़
7. बिहारी सतसई :जगन्नाथ दास रत्नाकर
8. रीतिकालीन काव्य सिद्धांत :डॉ .सूर्यनारायण द्विवेदी
9. भूषण और उनका साहित्य :राजमल बोरा
10. शिवराज-भूषण तथा प्रकीर्ण रचना :विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

द्वितीय सत्र

IDE-HIN-MC-1111

गद्य साहित्य :उपन्यास ,नाटक एवं एकांकी

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	70 :

उद्देश्य : **Learning) Objective L(Os**

L : .1Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों को हिंदी उपन्यास ,नाटक तथा एकांकी के उद्भव और विकास तथा तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी प्रेमचंद के उपन्यास 'निर्मला 'का प्रतिपाद्य जान सकेंगे एवं समीक्षा कर सकेंगे तथा प्रेमचंद की उपन्यास कला से परिचित हो सकेंगे।

L .3Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी भारतेंदु हरिश्चंद की नाट्य-कला से अवगत हो सकेंगे और उनके नाटक 'अंधेर नगरी 'का प्रतिपाद्य जान सकेंगे एवं समीक्षा कर सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी डॉ .रामकुमार वर्मा की एकांकी 'औरंगजेब की आखिरी रात 'का प्रतिपाद्य जान सकेंगे एवं समीक्षा कर सकेंगे।

उपलब्धियां **–Course) OutcomeC(Os**

: .1COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी उपन्यास ,नाटक तथा एकांकी के उद्भव और विकास तथा तत्वों का ज्ञान प्राप्त हुआ।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी प्रेमचंद के उपन्यास 'निर्मला 'का प्रतिपाद्य जान सके एवं समीक्षा भी कर सके तथा प्रेमचंद की उपन्यास-कला से परिचित हुए।

.3COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी भारतेंदु हरिश्चंद की नाट्य-कला से अवगत हुए और उनके नाटक 'अंधेर नगरी 'का प्रतिपाद्य जान सके एवं समीक्षा कर सके।

.4COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी डॉ .रामकुमार वर्मा की एकांकी 'औरंगजेब की आखिरी रात 'का प्रतिपाद्य जान सके एवं समीक्षा कर सके।

इकाई	**विषय**	**अध्ययन अवधि**	**उपलब्धियाँCourse) (Outcome**
1	उपन्यास :उपन्यास के तत्व; हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास। नाटक :नाटक के तत्व; हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास। एकांकी :हिंदी एकांकी का उद्भव और विकास तथा एकांकी के तत्व।	30	1C
2	**उपन्यासः** निर्मला : प्रेमचंद आलोचना :प्रेमचंद की उपन्यास-कला , पठित उपन्यास का प्रतिपाद्य ,पठित उपन्यास की समीक्षा एवं चरित्र चित्रण।	30	2C
3	**नाटक** : अंधेर नगरी :भारतेंदु हरिश्चंद आलोचना :पठित नाटक की समीक्षा ,प्रतिपाद्य एवं भारतेंदु हरिश्चंद की नाट्य-कला।	30	3C
4	**एकांकी** : औरंगजेब की आखिरी रात : डॉ .रामकुमार वर्मा आलोचना :पठित एकांकी की समीक्षा एवं प्रतिपाद्य।	30	4C
कुल अध्ययन- अवधि		**120**	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	3	1	2	3	2	2	1	2
CO2	3	3	2	2	3	3	3	2	3
CO3	3	3	2	2	3	3	3	3	3
CO4	3	3	2	2	3	3	3	3	3
Average	3	3	1.75	2	3	2.75	2.75	2.25	2.75

कार्य-सम्पादन-पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. पाठ्यक्रम की इकाई 3 ,2तथा 4से एक-एक गद्यांश व्याख्या हेतु दिया जायेगा। प्रत्येक के लिये विकल्प भी होंगे ।
   6X 3=18
2. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। चारों प्रश्नों के लिये विकल्प भी होंगे।
   13X4= 52

संदर्भ ग्रन्थः

1. प्रेमचन्द और उनका युग :रामविलास शर्मा
2. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद :डॉ .त्रिभुवन सिंह
3. हिन्दी उपन्यास का विकास :मधुरेश
4. हिन्दी गद्य साहित्य :रामचन्द्र तिवारी
5. हिन्दी गद्यः विन्यास और विकास :रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. उपन्यास का शिल्प :गोपाल राय
7. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा :परमानंद श्रीवास्तव

क्रेडिट 3 :
पूर्णांक : 100
अभ्यन्तर : 30
सत्रांत परीक्षा : 70

द्वितीय सत्र

IDE-HIN-MD-1210

साहित्य और सिनेमा

उद्देश्य : Learning) Objective L-(Os

L : .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी साहित्य की विभिन्न विधाओं ,उनके स्वरूप ,शिल्प और संवेदना का अध्ययन कर सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी सिनेमा के इतिहास एवं हिंदी सिनेमा में प्रमुख पौराणिक, ऐतिहासिक, साहित्यिक कृतियों के उपयोग का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

L .3Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी प्रमुख हिंदी उपन्यासकारों की कृतियों और उन पर बनी फिल्मों की समीक्षा कर सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी प्रमुख हिंदी कहानीकारों की कृतियों और उन पर बनी फिल्मों की समीक्षा कर सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

: .1COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने साहित्य की विभिन्न विधाओं ,उनके स्वरूप ,शिल्प और संवेदना का अध्ययन किया।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने हिंदी सिनेमा के इतिहास एवं हिंदी सिनेमा में प्रमुख पौराणिक, ऐतिहासिक, साहित्यिक कृतियों के उपयोग का ज्ञान प्राप्त किया।

.3COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रमुख हिंदी उपन्यासकारों की कृतियों और उन पर बनी फिल्मों की समीक्षा की।

.4COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रमुख हिंदी कहानीकारों की कृतियों और उन पर बनी फिल्मों की समीक्षा की।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	**साहित्य का अर्थ :क्षेत्र विस्तार** साहित्य की विधाएँ :कहानी, उपन्यास और नाटक, निबंध, आत्मकथा, संस्मरण, यात्रा वृतांत, जीवनी आदि , साहित्य के उपकरण :शिल्प और संवेदना।	24	1C
2	हिंदी सिनेमा का इतिहास, हिंदी सिनेमा में प्रमुख पौराणिक, ऐतिहासिक, साहित्यिक कृतियों का उपयोग।	18	2C
3	भारतीय फिल्मों का विकास और हिंदी उपन्यास ,हिंदी उपन्यास पर बनी फिल्म की समीक्षा।	24	3C
4	ाय फिल्मों का विकास और हिंदी कहानी ,हिंदी कहानियों पर बनी फिल्मों की समीक्षा।	24	4C
कुल अध्ययन-अवधि		**90**	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	3	2	3	3	3	2	3	3
CO2	3	3	3	3	3	3	3	3	3
CO3	3	3	2	3	3	3	2	3	3
CO4	3	3	2	3	3	2	2	3	3
Average	3	3	2.25	3	3	2.75	2.25	3	3

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा।
   14x4= 56
2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी ,जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा।
   7 x2=14

सहायक ग्रंथ -

1. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक	:हर्षदेव
2. जनमाध्यम	:पीटर गोल्डिंग
3. जनमाध्यम सैद्धांतिकी	:जगदीश्वर चतुर्वेदी
4. सिनेमा और साहित्य	:हरीश कुमार
5. 'वसुधा' पत्रिका	:फिल्म विशेषांक
6. सिनेमा और संस्कृति	:राही मासूम रज़ा
.7'हंस' पत्रिका	:फिल्म विशेषांक

द्वितीय सत्र

IDE-HIN-AE-1210

पटकथा तथा संवाद लेखन

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	: 30
सत्रांत परीक्षा	70 :

उद्देश्य : **Learning) Objective L-(Os**

L : .1Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों को पटकथा एवं संवाद लेखन की जानकारी प्राप्त हो सकेगी तथा वे पटकथा लेखन की कला को भली-भांति जान सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों में सृजनात्मक क्षमता तथा कल्पनाशक्ति का विकास होगा।

L .3Oविद्यार्थी को कहानी, कविता, उपन्यास के दृश्य-रूपान्तरण करने की कला का ज्ञान होगा तथा उनमें संवाद-रचना कौशल का विकास हो सकेगा।

L .4Oविद्यार्थियों में आधुनिक तकनीक के साथ पटकथा के संवादों में सामंजस्य स्थापित करने की कला का विकास होगा।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC -(Os

.1COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों को पटकथा एवं संवाद लेखन की जानकारी प्राप्त हुई तथा वे पटकथा लेखन की कला से अवगत हुए।

.2COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों में सृजनात्मक क्षमता तथा कल्पनाशक्ति का विकास हुआ।

.3COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी कहानी, कविता, उपन्यास के दृश्य-रूपान्तरण करने की कला से अवगत हुए तथा उनमें संवाद-रचना कौशल का विकास हुआ।

.4COविद्यार्थियों में आधुनिक तकनीक के साथ पटकथा के संवादों में सामंजस्य स्थापित करने की कला का विकास हुआ।

इकाई	**विषय**	**अध्ययन अवधि**	**उपलब्धियाँ Course) (Outcome**
1	पटकथा का अर्थ और परिभाषा, पटकथा लेखन में प्रतिभा, कल्पना और अभ्यास का महत्व।	30	1C
2	संवाद का अर्थ और पटकथा से संवाद का संबंध, कथा और पटकथा में अन्तर ।	30	2C
3	पटकथा लेखन का स्वरूप :प्रस्तावना, संघर्ष और समाधान। पटकथा लेखन के चरण -प्रारंभ, मध्य-भाग और अंत।	30	3C
4	पटकथा और संवाद लेखन :पटकथा के फिल्मांकन की तकनीक, पटकथा-संवाद और संगीत ध्वनि का अंतर्संबंध।	30	4C
	कुल अध्ययन-अवधि	120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	1	2	2	3	2	3	2	3	3
CO2	1	3	2	3	2	3	2	3	2
CO3	1	3	3	2	1	3	2	3	1
CO4	-	2	2	3	1	3	2	3	2

Average	0.75	2.50	2.25	2.75	1.50	3	2	3	2

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे।
   14x4= 56
2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी ,जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा।
   7x2= 14

सहायक ग्रंथ -

1. पटकथा लेखन :मनोहर श्याम जोशी,
2. पटकथा कैसे लिखें :राजेद्र पाण्डेय
3. कथा पटकथा :मन्नू भंडारी

.4पटकथा लेखन :असगर वजाहत

.5पटकथा लेखन :रामशरण जोशी

द्वितीय सत्र

IDE-HIN-SE-0020

सृजनात्मक लेखन

क्रेडिट	:3
पूर्णांक	:100
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	: 70

उद्देश्य : Learning) Objective L(sO

L : .1Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों में सृजनात्मक लेखन की अवधारणा और सिद्धांत की समझ विकसित हो सकेगी।

L .2Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन के भाषा सन्दर्भ से परिचित हो सकेंगे।

L .3Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी रचना-कौशल विश्लेषण से अवगत हो सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी कविता, कहानी तथा अन्य गद्य विधाओं की आधारभूत संरचना और उसके व्यावसायिक अनुप्रयोग से परिचित हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) meOutcoC(sO

: .1COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों में सृजनात्मक लेखन की अवधारणा और सिद्धांत की समझ विकसित हुई।

.2COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन के भाषा सन्दर्भ से परिचित हुए।

.3COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी रचना-कौशल विश्लेषण से अवगत हुए।

.4COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी कविता ,कहानी तथा अन्य गद्य विधाओं की आधारभूत संरचना और उसके व्यावसायिक अनुप्रयोग से परिचित हुए।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	**सृजनात्मक लेखन: अवधारणा ,स्वरूप एवं सिद्धांत**	30	1C

	भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया : विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्रः साहित्य ,पत्रकारिता ,विज्ञापन , विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ ;संभाषण और लोकप्रिय संस्कृति ।		
2	**सृजनात्मक लेखनः भाषा-संदर्भ** अर्थ निर्मित के आधारः शब्दार्थ-मीमांसा , शब्द के प्राक्-प्रयोग ,नव्य-प्रयोग ,शब्द की व्याकरणिक कोटि ;भाषा की भंगिमाएं , भाषिक संदर्भः क्षेत्रीय ,वर्ग-सापेक्ष ,समूह-सापेक्ष ।	30	2C
3	**सृजनात्मक लेखनः रचना-कौशल विश्लेषण** रचना-सौष्ठवः शब्द-शक्ति ,प्रतीक ,बिम्ब ,अलंकरण और वक्रताएँ ।	30	3C
4	**विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन** (क) कविताः संवेदना ,काव्यरूप ,भाषा-सौष्ठव ,छंद , लय ,गति और तुक (ख) कथा-साहित्यः वस्तु ,पात्र ,परिवेश एवं विमर्श (ग) नाट्य-साहित्यः वस्तु ,पात्र ,परिवेश वं रंगकर्म (घ) विविध गद्य-विधाएँ :निबंध ,संस्मरण ,व्यंग्य , बाल-साहित्य आदि की आधारभूत संरचना	30	4C
	कुल अध्ययन-अवधि	120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	-	3	2	2	2	3	3	3	1
CO2	2	3	2	3	2	3	3	3	1
CO3	1	3	2	3	1	3	3	2	1
CO4	3	3	3	3	2	3	3	3	2
Average	1.50	3	2.25	2.75	1.75	3	3	2.75	1.25

कार्य-सम्पादन-पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे।
14x4= 56

2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी ,जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा।
7x2=14

सहायक ग्रंथ -

1. रचनात्मक लेखन :सं .रमेश गौतम
2. रचनात्मक लेखन :हरीश अरोड़ा, अनिल कुमार सिंह
3. सृजनात्मक लेखन :राजेंद्र मिश्र

तृतीय सत्र

क्रेडिट 4 :
पूर्णांक 100:
अभ्यन्तर 30 :
सत्रांत परीक्षा 70:

IDE-HIN-CC-2110

आधुनिक काल :इतिहास एवं रचनाएँ1 -

उद्देश्य : Learning) Objective L (Os

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक काल की पृष्ठभूमि ,हिंदी नवजागरण की परिस्थितियों ,प्रवृत्तियों तथा भारतेंदु युग से छायावाद तक की काव्यगत विशेषताओं का अध्ययन कर सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी भारतेंदु हरिश्चंद तथा जगन्नाथदास 'रत्नाकर'की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा का अध्ययन कर सकेंगे। भारतेंदु की काव्य-कला तथा जगन्नाथदास 'रत्नाकर 'के काव्य-सौष्ठव से अवगत हो सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी मैथिलीशरण गुप्त और रामनरेश त्रिपाठी की चयनित कविताओं की व्याख्या और आलोचना का अध्ययन कर सकेंगे। मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं और रामनरेश त्रिपाठी के काव्य-सौष्ठव से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

L .4Oविद्यार्थी जयशंकर प्रसाद और सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की चयनित कविताओं की व्याख्या एवं मीमांसा से अवगत हो सकेंगे। जयशंकर प्रसाद और सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की काव्य-कला से अवगत हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC (Os

.1COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने आधुनिक काल की पृष्ठभूमि ,हिंदी नवजागरण की परिस्थितियों ,प्रवृत्तियों तथा भारतेंदु युग से छायावाद तक की काव्यगत विशेषताओं का अध्ययन किया।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतेंदु हरिश्चंद तथा जगन्नाथदास ‘रत्नाकर ’की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा का अध्ययन किया। साथ ही भारतेंदु की काव्य-कला तथा जगन्नाथदास ‘रत्नाकर ’के काव्य-सौष्ठव से अवगत हुए।

.3COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों ने मैथिलीशरण गुप्त और रामनरेश त्रिपाठी की चयनित कविताओं की व्याख्या और आलोचना का अध्ययन किया तथा मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं और रामनरेश त्रिपाठी के काव्य-सौष्ठव का परिचय प्राप्त किया।

.4COविद्यार्थी जयशंकर प्रसाद और सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’ की चयनित कविताओं की व्याख्या एवं मीमांसा से अवगत हुए। जयशंकर प्रसाद और सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’ की काव्य-कला से अवगत हुए।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	आधुनिक काल की पृष्ठभूमि ,हिंदी नवजागरण , परिस्थितियाँ ,प्रवृत्तियाँ ,भारतेंदु युग की काव्यगत विशेषताएँ ,द्विवेदीयुग की काव्यगत विशेषताएँ,तथा छायावाद की काव्यगत विशेषताएँ।	30	1C
2	क- भारतेंदु हरिश्चंद :पाठ्य कविता :प्रेम माधुरी आलोचना :हिंदी साहित्य में भारतेंदु का योगदान ,प्रेम माधुरी का काव्य-सौष्ठव और भारतेंदु की काव्य-कला ख- जगन्नाथदास ‘रत्नाकर :’पाठ्य पुस्तक :उद्धव शतक पाठांश :उद्धव का मथुरा से ब्रज जाना आलोचना :भ्रमरगीत परम्परा और जगन्नाथदास ‘रत्नाकर ,’ जगन्नाथदास ‘रत्नाकर ’का काव्य-सौष्ठव तथा पठित कविता का प्रतिपाद्य	30	2C
3	)क (मैथिलीशरण गुप्त :पाठ्य पुस्तक :भारत-भारती पाठांश :वर्तमान खंड .1)दुर्भिक्ष .2कृषि और कृषक (आलोचना :राष्ट्रीय आन्दोलन की चेतना और मैथिलीशरण	30	3C

	गुप्त, मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताएँ तथा पठित कविताओं का प्रतिपाद्य)ख (रामनरेश त्रिपाठी :पाठ्य पुस्तक :स्वप्न :पाठ्य कविता : स्वदेश प्रेम आलोचना :रामनरेश त्रिपाठी की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना ,रामनरेश त्रिपाठी का काव्य-सौष्ठव तथा पठित कविता का प्रतिपाद्य		
4	(क (जयशंकर प्रसाद :पाठ्य कविता :मेरे नाविक, बीती विभावरी जाग री आलोचना :छायावादी काव्य प्रवृत्तियाँ और जयशंकर प्रसाद, पठित कविताओं की काव्यगत विशेषताएँ तथा जयशंकर प्रसाद की काव्य-कला ख (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला : 'पाठ्य कविता :जूही की कली तथा कुकुरमुत्ता आलोचना :छायावादी काव्य प्रवृत्तियाँ और निराला का काव्य, पठित कविताओं की काव्यगत विशेषताएँ तथा निराला की काव्य-कला	30	4C
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	2	1	2	3	2	2	1	2
CO2	3	1	3	2	3	3	2	2	2
CO3	3	1	3	2	3	3	2	2	2
CO4	3	1	3	2	3	3	2	2	2
Average	3	1.25	2.50	2	3	2.75	2	1.75	2

कार्य-सम्पादन-पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. पाठ्यक्रम की इकाई 3 ,2तथा 4से एक-एक व्याख्या पूछी जाएगी ,प्रत्येक के विकल्प भी होंगे। 6X 3=18

2. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक के लिए विकल्प भी होंगे। 13x4= 52

सहायक ग्रन्थ :

.1 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास -डॉ .बच्चन सिंह ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,दिल्ली

.2हिन्दी साहित्य का अतीत :भाग 1,2 -विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ,वाणी वितान , ब्रहमनाल ,वाराणसी

.3हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ .नगेन्द्र ,डॉ .हरदयाल नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली

.4हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास -डॉ .रामस्वरूप चतुर्वेदी ,लोकभारती ,इलाहाबाद

.5हिन्दी साहित्य :बीसवीं शताब्दी -नन्ददुलारे वाजपेयी ,लोकभारती प्रका .इलाहाबाद

.6हिन्दी साहित्य :बीसवी शताब्दी -नन्द दुलारे वाजपेयी

.7हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष -शिवदान सिंह चौहान

.8 आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास -डॉ .बच्चन सिंह

.9जयशंकर प्रसाद -नन्द दुलारे वाजपेयी

.10प्रसाद और उनका साहित्य -विनोद शंकर व्यास

.11जयशंकर प्रसाद :वस्तु और कला -डॉ रामेश्वर खण्डेलवाल

.12प्रसाद का काव्य -डॉ .प्रेमशंकर ,वाणी प्रकाशन ,दिल्ली

.13निराला की साहित्य साधना ,भाग 1,2,3 -डॉ .रामविलास शर्मा

.14निराला एक आत्महन्ता आस्था -दूधनाथ सिंह ,लोक भारती ,इलाहाबाद

.15छायावाद -डॉ .नामवर सिंह ,राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली

.16क्रांतिकारी कवि निराला - डॉ .बच्चन सिंह

.17मैथिलीशरण गुप्त -रेवती रमण

.18रामनरेश त्रिपाठी -साहित्य अकादमी

तृतीय सत्र

क्रेडिट 4 :
पूर्णांक 100:
अभ्यन्तर 30 :
सत्रांत परीक्षा 70 :

IDE-HIN-CC-2120

हिंदी कहानी 1-

उद्देश्य : **Learning) Objective L -(Os**

L .1Oइस पत्र के अध्ययन से छात्र हिंदी कहानी के उद्भव-विकास की पृष्ठभूमि को जान पाएंगे। हिंदी कहानी के क्रमिक विकास तथा कहानियों की विभिन्न प्रवृत्तियों से भी अवगत हो सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी राजेन्द्र बाला घोष)बंग महिला ,(चंद्रधर शर्मा गुलेरी तथा प्रेमचंद की चयनित कहानियों की समीक्षा कर सकेंगे तथा कहानीकारों की कहानी-कला से अवगत हो सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र ,'यशपाल और भीष्म साहनी की चयनित कहानियों की समीक्षा कर सकेंगे तथा कहानीकारों की कहानी-कला से अवगत हो सकेंगे।

L .4Oविद्यार्थी फणीश्वरनाथ रेणु ,हरिशंकर परसाई तथा ओमप्रकाश वाल्मीकि की चयनित कहानियों की समीक्षा कर सकेंगे तथा कहानीकारों की कहानी-कला से अवगत हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC -(Os

.1COइस पत्र के अध्ययन से छात्र हिंदी कहानी के उद्भव-विकास की पृष्ठभूमि को जान पाए तथा हिंदी कहानी के क्रमिक विकास तथा कहानियों की विभिन्न प्रवृत्तियों से भी अवगत हुए।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी राजेन्द्र बाला घोष)बंग महिला ,(चंद्रधर शर्मा गुलेरी तथा प्रेमचंद की चयनित कहानियों की समीक्षा कर सके तथा कहानीकारों की कहानी-कला से अवगत हुए।

L .3Oविद्यार्थी पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र ,'यशपाल और भीष्म साहनी की चयनित कहानियों की समीक्षा कर सके तथा कहानीकारों की कहानी-कला से अवगत हुए।

L .4Oविद्यार्थी फणीश्वरनाथ रेणु ,हरिशंकर परसाई तथा ओमप्रकाश वाल्मीकि की चयनित कहानियों की समीक्षा कर सके तथा कहानीकारों की कहानी-कला से अवगत हुए।

इकाई	**विषय**	**अध्ययन अवधि**	**उपलब्धियाँ**Course) (Outcome
1	हिंदी कहानी का उद्भव और विकास ,हिंदी की प्रारम्भिक कहानियाँ , प्रेमचंदयुगीन कहानियाँ ,प्रेमचंदोत्तर कहानियाँ , साठोत्तरी कहानियाँ।	30	1C
2	राजेन्द्र बाला घोष)बंग महिला (: चंद्रदेव से मेरी बातें चंद्रधर शर्मा गुलेरी : उसने कहा था प्रेमचंद : ईदगाह आलोचना :पठित कहानियों की समीक्षा एवं कहानीकारों की कहानी-कला।	30	2C
3	पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र ' : उसकी माँ यशपाल :शम्बूक भीष्म साहनी :चीफ की दावत आलोचना :पठित कहानियों की समीक्षा एवं कहानीकारों की कहानी-कला।	30	3C
4	फणीश्वरनाथ रेणु :तीसरी कसम उर्फ़ मारे गए गुलफाम हरिशंकर परसाई : इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर ओमप्रकाश वाल्मीकि : सलाम ोचना : पठित कहानियों की समीक्षा एवं कहानीकारों की कहानी-कला।	30	4C
कुल अध्ययन-अवधि		**120**	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	2	2	2	3	2	2	-	2
CO2	3	3	2	1	3	3	2	2	3
CO3	3	3	2	1	3	3	2	2	3
CO4	3	3	2	1	3	3	2	2	3
Average	3	2.75	2	1.25	3	2.75	2	1.50	2.75

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. पाठ्यक्रम की इकाई 3 ,2तथा 4से एक-एक व्याख्या पूछी जाएगी। प्रत्येक के लिये विकल्प भी होंगे। 6X 3= 18

2. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक के लिए विकल्प भी होंगे। 13x4= 52

सहायक ग्रन्थ

1. प्रेमचन्द और उनका युग :रामविलास शर्मा
2. कहानीः नयी कहानी :डॉ .नामवर सिंह
3. हिंदी कहानी का विकास)तीन खंड में(:गोपाल राय
4. कुछ कहानियां :कुछ विचार :विश्वनाथ त्रिपाठी
5. हिन्दी कहानी का विकास :मधुरेश
6. हिन्दी गद्य साहित्य :रामचन्द्र तिवारी
7. हिन्दी गद्यः विन्यास और विकास :रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. हिंदी की चर्चित कहानियाँ :पुनर्मूल्यांकन :डॉ .कुसुम वार्षणेय

तृतीय सत्र

क्रेडिट 4 :

पूर्णांक 100:

अभ्यन्तर 30 :

सत्रांत परीक्षा 70 :

IDE-HIN-MC-2110

हिंदी आत्मकथा और जीवनी

उद्देश्य : Learning) Objective L -(Os

L .1Oइस पत्र को पढ़कर छात्र हिंदी आत्मकथा के उद्भव-विकास को जान पाएंगे। हिंदी आत्मकथा के क्रमिक विकास से भी छात्र अवगत हो सकेंगे।

L .2Oगाँधी जी की आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग 'को पढ़कर गाँधी जी द्वारा स्थापित मूल्यों से छात्र परिचित हो सकेंगे। पठित आत्मकथा के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा आत्मकथा के तत्वों के आधार पर समीक्षा भी कर सकेंगे।

L .3Oइस पत्र को पढ़कर विद्यार्थी हिंदी जीवनी लेखन का इतिहास, जीवनी की परिभाषा , स्वरूप ,जीवनी के प्रकार तथा जीवनी के तत्वों को जान सकेंगे।

L' .4Oमेरे बाबूजी 'नामक जीवनी को पढ़कर छात्र हिंदी के महान जनकवि नागार्जुन के जीवन और रचना कर्म से भली-भांति परिचित हो सकेंगे। पठित जीवनी के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा जीवनी के तत्वों के आधार पर समीक्षा भी कर सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC -(Os

.1COइस पत्र को पढ़कर छात्र हिंदी आत्मकथा के उद्भव-विकास को जान पाए तथा हिंदी आत्मकथा के क्रमिक विकास से भी अवगत हुए।

.2COगाँधी जी की आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग 'को पढ़कर गाँधी जी द्वारा स्थापित मूल्यों से छात्र परिचित हुए। पठित आत्मकथा के प्रतिपाद्य को जान सके तथा आत्मकथा के तत्वों के आधार पर समीक्षा भी की।

.3COइस पत्र को पढ़कर विद्यार्थी हिंदी जीवनी लेखन का इतिहास, जीवनी की परिभाषा , स्वरूप ,जीवनी के प्रकार तथा जीवनी के तत्वों को जान सके।

‘ .4COमेरे बाबूजी ’नामक जीवनी को पढ़कर छात्र हिंदी के महान जनकवि नागार्जुन के जीवन और रचना कर्म से भली-भांति परिचित हुए। पठित जीवनी के प्रतिपाद्य को जान सके तथा जीवनी के तत्वों के आधार पर समीक्षा भी की।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	हिंदी आत्मकथा :उद्भव और विकास :आत्मकथा की परिभाषा ,स्वरूप ,आत्मकथा के प्रकार तथा आत्मकथा के तत्त्व।	30	1C
2	महात्मा गाँधी :सत्य के प्रयोग आलोचना :पठित आत्मकथा के आधार पर महात्मा गाँधी का व्यक्तित्व एवं विचार ,आत्मकथा के तत्वों के आधार पर समीक्षा तथा प्रतिपाद्य।	30	2C
3	हिंदी जीवनी लेखन का इतिहास, जीवनी की परिभाषा , स्वरूप ,जीवनी के प्रकार तथा जीवनी के तत्त्व।	30	3C
4	शोभाकांत :मेरे बाबूजी आलोचना :पठित जीवनी के आधार पर नागार्जुन के व्यक्तित्व एवं विचार ,जीवनी के तत्वों के आधार पर समीक्षा तथा प्रतिपाद्य।	30	4C
कुल अध्ययन-अवधि		**120**	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	1	2	1	3	3	2	1	1
CO2	3	3	2	2	3	3	2	1	3
CO3	3	1	2	1	3	3	2	1	1
CO4	3	3	2	2	3	3	2	1	3
Average	3	2	2	1.50	3	3	2	1	2

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. पाठ्यक्रम की इकाई 2तथा 4से एक-एक व्याख्या पूछी जाएगी। प्रत्येक के लिये विकल्प भी होंगे। 7X 2=14

2. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक के लिए विकल्प भी होंगे। 14x4= 56

सहायक ग्रन्थ

.1समकालीन हिन्दी साहित्य :विविध परिदृश्य - रामस्वरूप चतुर्वेदी,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
.2हिन्दी जीवनी साहित्य :सिद्धान्त और अध्ययन - डॉ .भगवानशरण भारद्वाज , परिमल प्रकाशन ,इलाहाबाद
.3हिन्दी गद्य का विकास -डॉ .रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
.4आत्मकथा की संस्कृति -पंकज चतुर्वेदी ,वाणी प्रकाशन ,दिल्ली
.5गाँधी की आत्मकथा -मेरे सत्य के प्रयोग -दिव्यांश पब्लिकेशन्स, लखनऊ
.6गाँधी और हमारा समय -श्रीभगवान सिंह ,यश पब्लिकेशन्स
.7गाँधी के आश्रम से सन्देश हैं -भगवान सिंह ,यश पब्लिकेशन्स
.8गाँधी की सुन्दरता -महात्मा में मानुष की खोज -सुशोभित

तृतीय सत्र

IDE-HIN-MD-1310

क्रेडिट 3 :
पूर्णांक 100:
अभ्यन्तर 30 :
सत्रांत परीक्षा 70

कम्प्यूटर-अनुप्रयोग :तकनीकी संसाधन एवं उपकरण

उद्देश्य : **Learning) Objective L(Os**

L .1Oइस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों को कंप्यूटर अनुप्रयोग से सम्बन्धित तकनीकी पक्षों एवं अनिवार्य उपकरणों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

L .2Oकंप्यूटर का परिचय और उसके प्रकार्य को विद्यार्थी अंतर्विषयक ज्ञान के रूप में सीख पाएंगे।

L .3Oविद्यार्थी कंप्यूटर के भाषाई अनुप्रयोग सम्बन्धी दक्षता और कुशलता से परिचित हो सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को कंप्यूटर से जुड़ी प्रविधियों तथा इंटरनेट की बदलती शब्दावली एवं स्वरूप को समझने की दृष्टि प्राप्त होगी।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1COइस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों ने कंप्यूटर अनुप्रयोग से सम्बन्धित तकनीकी पक्षों एवं अनिवार्य उपकरणों की जानकारी प्राप्त की।

.2COकंप्यूटर का परिचय और उसके प्रकार्य को विद्यार्थी अंतर्विषयक ज्ञान के रूप में सीख सके।

.3COविद्यार्थी कंप्यूटर के भाषाई अनुप्रयोग सम्बन्धी दक्षता और कुशलता से परिचित हुए।

.4COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को कंप्यूटर से जुड़ी प्रविधियों तथा इंटरनेट की बदलती शब्दावली एवं स्वरूप को समझने की दृष्टि प्राप्त हुई।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	**कम्प्यूटर :परिचय एवं प्रकार्य** कम्प्यूटर की विकास यात्रा, कम्प्यूटर की कार्यप्रणाली, कम्प्यूटर के विभिन्न घटक, कम्प्यूटर की संरचना)हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर(, कम्प्यूटर का उपयोग तथा क्षेत्र।	20	1C
2	**भाषाई कम्प्यूटर और अनुप्रयोग** भाषाई कम्प्यूटर का भविष्य, यूनीकोड की जानकारी, यूनीकोड का प्रयोग, हिंदी लेखन, प्रकाशन व वेब प्रकाशन के आवश्यक औजार)वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग, फॉण्ट प्रबंधन, विविध तकनीक(।	25	2C
3	**अनुप्रयुक्त कार्य और इंटरनेट** एम.एस .ऑफिस का अध्ययन)हिंदी के विभिन्न कुंजीपटलों के संदर्भ में ,(हिंदी में एक्सल शीट, पावर प्वॉइंट का निर्माण तथा पेज मेकर में कार्य ,ब्लॉग-प्रकाशन, अपलोडिंग, डाउनलोडिंग, इंटरनेट पर सामग्री-सृजन, यू-ट्यूब, कम्प्यूटर सुरक्षा एवं वायरस, इंटरनेट पर सूचनाएं प्राप्त करने की विधियाँ।	25	3C
4	**इंटरनेट शब्दावली और बदलता स्वरूप** ब्राउजिंग, लिंक, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, ई-मेल भेजना/प्राप्त करना, फाइल, अटेचमेंट, फाइल शेयरिंग, फाइल कन्वर्जन, साइबर अपराध, इंटरनेट संबंधी कानून तथा आचार-संहिताएँ, इंटरनेट के	20	4C

	खतरे, चुनौतियाँ एवं संभावनाएं।		
कुल अध्ययन-अवधि		90	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	1	1	1	3	1	1	1	3	1
CO2	2	1	1	3	2	1	1	3	-
CO3	1	1	2	3	1	1	1	2	1
CO4	3	2	2	3	3	1	1	2	2
Average	1.75	1.25	1.50	3	1.75	1	1	2.50	1

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा ,प्रत्येक के लिए विकल्प भी होंगे। 14x4= 56

2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी, जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा। 7x2= 14

सहायक ग्रंथः

1. कम्प्यूटर एक परिचय -सं .संतोष चौबे
2. एम.एस .ऑफिस -विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग, भारत सरकार
3. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग -विजय कुमार मल्होत्रा
4. इंटरनेट का संक्षिप्त इतिहास -ब्रूस स्टर्लिंग
5. कम्प्यूटर और हिंदी -हरिमोहन
6. समान्तर कोश -अरविन्द कुमार
7. तकनीकी सुलझनें -बालेन्दु शर्मा दधीच

तृतीय सत्र

IDE-HIN-SE-0030

क्रेडिट	3 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	70 :

राजभाषा हिंदी :अवधारणा एवं अनुप्रयोग

उद्देश्य : Learning) Objective L(sO

L : .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को राजभाषा हिंदी के स्वरूप एवं क्षेत्र की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी राजभाषा हिंदी की अवधारणा ,आंतरिक एकता और भाषिक समन्वय सहित संविधान में राजभाषा हिंदी के प्रयोग संबंधी प्रावधानों से परिचित हो सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी राजभाषा हिंदी के विविध आयामों तथा हिंदी भाषा के विविध रूपों से अवगत हो सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी राजभाषा हिंदी सम्बन्धी अनुप्रयोग तथा राजभाषा के विभिन्न क्षेत्रों और प्रकार्यों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) meOutcoC(sO

C : .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने राजभाषा हिंदी के स्वरूप एवं क्षेत्र की जानकारी प्राप्त की।

C .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी राजभाषा हिंदी की अवधारणा ,आंतरिक एकता और भाषिक समन्वय सहित संविधान में राजभाषा हिंदी के प्रयोग संबंधी प्रावधानों से परिचित हुए।

C .3Oविद्यार्थी राजभाषा हिंदी के विविध आयामों तथा हिंदी भाषा के विविध रूपों से अवगत हुए।

C .4Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने राजभाषा हिंदी सम्बन्धी अनुप्रयोग तथा राजभाषा के विभिन्न क्षेत्रों और प्रकार्यों की जानकारी प्राप्त की।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	**राजभाषा हिंदी :अर्थ एवं स्वरूप** राजभाषा हिंदी :अर्थ, परिभाषा एवं क्षेत्र ;हिंदी के प्रचार-प्रसार सम्बन्धी प्रमुख संस्थाएं ,त्रिभाषा सूत्र ,आठवीं अनुसूची।	20	1C
2	**राजभाषा हिंदी के सांविधानिक प्रावधान** राजभाषा हिंदी की अवधारणा ,आंतरिक एकता और भाषिक समन्वय का सामूहिक लक्ष्य ,संविधान में राजभाषा हिंदी के प्रयोग संबंधी प्रावधान :अनुच्छेद 120, अनुच्छेद 210, अनुच्छेद 343से अनुच्छेद ,351देवनागरी लिपि और मानकीकरण की समस्या।	25	2C
3	**राजभाषा हिंदी के विविध आयाम** हिंदी भाषा के विविध रूप :राष्ट्रभाषा ,संपर्क भाषा, राजभाषा ,मानक भाषा के रूप में हिंदी ;राजभाषा कार्यान्वयन :राष्ट्रपति के आदेश ,राजभाषा अधिनियम , राजभाषा नियम ,राजभाषा के रूप में हिंदी की भूमिका और चुनौतियाँ।	25	3C
4	**राजभाषा हिंदी सम्बन्धी अनुप्रयोग** राजभाषा विभाग, संसदीय राजभाषा समिति, राजभाषा आयोग :गठन और मुख्य सिफारिशें , राजभाषा के विभिन्न क्षेत्र और प्रकार्य ,राजभाषा हिंदी में नवाचार और ऑनलाइन टूल्स।	20	4C
कुल अध्ययन-अवधि		**90**	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	2	2	3	3	1	1	3	1

CO2	3	-	1	3	1	1	-	3	2
CO3	3	1	1	3	3	1	1	3	2
CO4	3	1	1	3	3	1	1	3	2
Average	3	1	1.25	3	2.50	1	0.75	3	1.75

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा, प्रत्येक के लिए विकल्प भी होंगे।

14x4 = 56

2. कुल पाँच टिप्पणियां पूछी जायेंगी, जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा। 7x2 = 14

कार्य-सम्पादन- पद्धति : परामर्श (काउंसलिंग), विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन (असाइनमेंट), आवधिक मूल्यांकन (पीरियाडिक असेसमेंट) आदि।

सहायक ग्रंथ-

1. राजभाषा सहुलियतकार (कार्यान्वयन मार्गदर्शिका) - डॉ. वी. वेंकटेश्वर राव

2. राजभाषा-सन्दर्भ और प्रशासनिक हिंदी - छबिल कुमार मेहेर

3. राजभाषा के आन्दोलन में हिन्दी आंदोलन काइतिहास - राजनारायण दुबे, प्रकाशन संस्थान

4. राजभाषा हिन्दीः समस्याएँ और समाधान - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोक भारती

5. राजभाषा हिन्दी - गोविन्द दास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

6. राष्ट्रभाषा की समस्या - रामविलास शर्मा, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली

7. हिन्दी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

8. हिन्दी भाषा - डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, साहित्य भवन

9. नागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी - अनंत चौधरी, बिहारी हिन्दी ग्रंथ अकादमी

10. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ - नरेश मिश्र, मंथन प्रकाशन, रोहतक

11. हिंदी भाषा और नागरी लिपि - डॉ. भोलानाथ तिवारी, लोक भारती, इलाहाबाद

12. राजभाषा हिंदी विकास के विविध आयाम - डॉ. मलिक मुहम्मद

चतुर्थ सत्र

क्रेडिट 4 :
पूर्णांक 100:
अभ्यन्तर 30 :
सत्रांत परीक्षा 70 :

IDE-HIN-CC-2210

हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान

उद्देश्य : Learning) Objective L(Os

L .1Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी भाषा की परिभाषा तथा अभिलक्षण ,भाषा विज्ञान के अध्ययन की विभिन्न
दिशाओं तथा भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध को जान सकेंगे।
L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी ध्वनि विज्ञान के विभिन्न अवयवों का अध्ययन कर सकेंगे।

L .3Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी अर्थ विज्ञान एवं रूप विज्ञान के विभिन्न पक्षों का अध्ययन कर सकेंगे।

L .4Oविद्यार्थी हिन्दी भाषा के इतिहास ,हिन्दी की बोलियों के वर्गीकरण का सामान्य परिचय तथा देवनागरी लिपि के नामकरण, विशेषताएं एवं मानकीकरण के प्रयासों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी भाषा की परिभाषा तथा अभिलक्षण ,भाषा विज्ञान के अध्ययन की विभिन्न दिशाओं तथा
भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध को जान सके।
.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी ध्वनि विज्ञान के विभिन्न अवयवों से परिचित हुए।

.3COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने अर्थ विज्ञान एवं रूप विज्ञान के विभिन्न पक्षों का अध्ययन किया।

.4COविद्यार्थियों ने हिन्दी भाषा के इतिहास ,हिन्दी की बोलियों के वर्गीकरण का सामान्य परिचय तथा देवनागरी लिपि के
नामकरण,विशेषताएं एवं मानकीकरण के प्रयासों का ज्ञान प्राप्त किया।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	भाषा की परिभाषा तथा अभिलक्षण; भाषा विज्ञानः अध्ययन की दिशाएँ -वर्णनात्मक ,ऐतिहासिक और तुलनात्मक; भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध।	30	1C
2	**ध्वनि विज्ञानः** स्वर स्वनों का वर्गीकरण ,व्यंजन स्वनों का वर्गीकरण ,मान स्वर ,स्वन परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।	30	2C
3	**अर्थ विज्ञानः** अर्थ की अवधारणा ,शब्द और अर्थ का सम्बन्ध ,अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ। **रूप विज्ञानः** रूपिम की अवधारणा ,शब्द और पद के भेद , पद परिवर्तन के कारण।	30	3C
4	हिन्दी भाषा : हिंदी भाषा का इतिहास, हिन्दी की बोलियों का वर्गीकरण एवं सामान्य परिचय ,भाषा और बोली में अंतर। देवनागरी लिपि : नामकरण, देवनागरी लिपि की विशेषताएं एवं मानकीकरण के प्रयास।	30	4C
	कुल अध्ययन-अवधि	120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	2	2	2	2	2	1	2	2
CO2	3	2	2	3	1	1	1	3	2
CO3	3	2	2	3	1	1	1	3	2
CO4	3	2	2	3	1	1	1	3	2
Average	3	2	2	2.75	1.25	1.25	1	2.75	2

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा ,प्रत्येक के लिए विकल्प भी होंगे। 14x4= 56

2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी ,जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा 7x2= 14

सहायक ग्रन्थः

1. भाषा विज्ञान की भूमिका :देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. भाषा विज्ञान :डॉ .भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र :डॉ .कपिलदेव द्विवेदी
4. हिन्दी भाषा :डॉ .भोलानाथ तिवारी
5. हिन्दी भाषाः उद्भव और विकास :डॉ .उदय नारायण तिवारी
6. शब्दार्थ तत्त्व :डॉ .शोभाकान्त मिश्र
7. आधुनिक भाषा विज्ञान :डॉ .राजमणि शर्मा
8. हिन्दी भाषा का इतिहास :डॉ.धीरेन्द्र वर्मा
9. हिन्दी भाषाः स्वरूप और विकास :कैलाशचन्द्र भाटिया
10. भाषा और समाज :रामविलास शर्मा
11. भारतीय भाषा विज्ञान :किशोरीदास वाजपेयी

चतुर्थ सत्र

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100:
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	70 :

IDE-HIN-CC-2220

हिंदी नाटक

उद्देश्य : **Learning) Objective L(Os**

L : .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी नाटक, शब्द का अर्थ ,स्वरूप एवं तत्व ,हिंदी नाटक के उद्भव और विकास तथा हिंदी रंगमंच के सामान्य परिचय से अवगत हो सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाटक' अंधेर नगरी 'तथा जयशंकर प्रसाद के नाटक 'ध्रुवस्वामिनी 'के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा समीक्षा कर सकेंगे ,साथ ही नाटककारों की नाट्य-कला से परिचित हो सकेंगे।

L .3Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी लक्ष्मीनारायण लाल के नाटक' सिंदूर की होली 'तथा उपेन्द्रनाथ अश्क के नाटक 'अंजो दीदी 'के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा समीक्षा कर सकेंगे साथ ही नाटककारों की नाट्य-कला से परिचित हो सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के नाटक' बकरी 'तथा शंकर शेष के नाटक 'एक और द्रोणाचार्य 'के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा समीक्षा कर सकेंगे,साथ ही नाटककारों की नाट्य-कला से परिचित हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) utcomeOC(Os

.1COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी नाटक शब्द के अर्थ ,स्वरूप एवं तत्व ,हिंदी नाटक के उद्भव और विकास तथा हिंदी रंगमंच के सामान्य परिचय से अवगत हुए।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाटक'अंधेर नगरी 'तथा जयशंकर प्रसाद के नाटक 'ध्रुवस्वामिनी 'के प्रतिपाद्य को जान सके तथा समीक्षा की ,साथ ही नाटककारों की नाट्य-कला से परिचित हुए।

.3COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी लक्ष्मीनारायण लाल के नाटक' सिंदूर की होली 'तथा उपेन्द्रनाथ अश्क के नाटक 'अंजो दीदी 'के प्रतिपाद्य को जान सके तथा समीक्षा कर सके ,साथ ही नाटककारों की नाट्य-कला से परिचित हुए।

.4COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के नाटक' बकरी 'तथा शंकर शेष के नाटक 'एक और द्रोणाचार्य 'के प्रतिपाद्य को जान सके तथा समीक्षा कर सके ,साथ ही नाटककारों की नाट्य-कला से परिचित हुए।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	नाटक शब्द का अर्थ ,स्वरूप एवं तत्व ,हिंदी नाटक का उद्भव और विकास ,हिंदी रंगमंच का सामान्य परिचय।	30	1C
2	भारतेंदु हरिश्चंद्र :अंधेर नगरी जयशंकर प्रसाद :ध्रुवस्वामिनी आलोचना :नाटककारों की नाट्य-कला, पठित नाटकों की समीक्षा और प्रतिपाद्य।	30	2C
3	लक्ष्मीनारायण लाल :सिन्दूर की होली उपेन्द्रनाथ अश्क :अंजो दीदी आलोचना : नाटककारों की नाट्य-कला, पठित नाटकों की समीक्षा और प्रतिपाद्य।	30	3C
4	सर्वेश्वरदयाल सक्सेना : बकरी शंकर शेष :एक और द्रोणाचार्य ाचना :नाटककारों की नाट्य-कला, पठित नाटकों की समीक्षा और प्रतिपाद्य।	30	4C
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	3	2	1	3	3	2	2	2

CO2	3	3	2	2	2	3	2	1	2
CO3	3	3	2	2	2	3	2	1	2
CO4	3	3	2	2	2	3	2	1	2
Average	3	3	2	1.75	2.25	3	2	1.25	2

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. इकाई 3 ,2तथा 4से एक-एक व्याख्या पूछी जाएगी ,प्रत्येक के लिये विकल्प भी होंगे। 6X 3=18

.2इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा ,प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 13x4= 52

सहायक ग्रन्थः

1. हिंदी नाटक उद्भव और विकास :डॉ.दशरथ ओझा ,राजपाल एण्ड सन्स ,दिल्ली
2. रंग दर्शन :नेमिचंद्र जैन
3. हिंदी नाटक :बच्चन सिंह ,लोकभारती प्रकाशन,नई दिल्ली
4. हिंदी का गद्य साहित्य :रामचंद्र तिवारी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन
5. संक्षिप्त नाट्यशास्त्रम् :राधावल्लभ त्रिपाठी
6. हिंदी का गद्यपर्व :नामवर सिंह ,राजकमल
7. रंगमंच :नया परिदृश्य :रीतारानी पालीवाल
8. मोहन राकेश का रंगमंच :चंदन कुमार
9. एकांकी और एकांकीकार :रामचरण महेन्द्र
10. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष :गिरीश रस्तोगी
11. हिंदी नाटक और रंगमंच :नयी दिशाएँ ,नए प्रश्न :गिरीश रस्तोगी
12. आधुनिक हिंदी नाटक :डॉ .नगेन्द्र

13. भारतीय नाट्य परंपरा :नेमिचन्द्र जैन

14. दो रंगपुरुष :डॉ.जमुना बीनी ,रीडिंग रूम्स ,दिल्ली

15. आधुनिक भारतीय नाटक :डॉ .जयदेव तनेजा

चतुर्थ सत्र

क्रेडिट 4 :
पूर्णांक 100:
अभ्यन्तर :3 0
सत्रांत परीक्षा :7 0

IDE-HIN-CC-2230

कथेतर गद्य साहित्य

उद्देश्य : **Learning) Objective L(Os**

L : .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी की कथेतर गद्य विधाओं यथा -जीवनी ,निबंध , आत्मकथा ,यात्रा वृतांत ,संस्मरण, डायरी, रेखाचित्र, पत्र साहित्य एवं रिपोर्ताज की परिभाषा एवं विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे ।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से शिवरानी देवी द्वारा लिखित जीवनी 'प्रेमचंद घर में 'के आधार पर प्रेमचंद के जीवन और रचना कर्म से विद्यार्थियों को अवगत कराया जाएगा तथा विद्यार्थी एक सफल जीवनी के रूप में 'प्रेमचंद घर में 'की समीक्षा कर सकेंगे। चयनित निबंधकारों के पठित निबंधों के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे और समीक्षा कर सकेंगे।

L .3Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी चयनित आत्मकथा 'आपहुदरी 'की समीक्षा कर सकेंगे तथा रमणिका गुप्ता के रचना संसार को जान सकेंगे। विद्यार्थी रेखाचित्रकारों के पठित रेखाचित्रों के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे और समीक्षा कर सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी राहुल सांकृत्यायन के यात्रा वृतांत 'मेरी तिब्बत यात्रा 'के प्रथम खंड का अध्ययन कर सकेंगे तथा राहुल जी के यात्रा साहित्य की विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे। चयनित संस्मरण और रिपोर्ताज के पठित पाठों की समीक्षा कर सकेंगे तथा लेखकों के परिचय को जान सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

: .1COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी की कथेतर गद्य विधाओं यथा -जीवनी ,निबंध , आत्मकथा ,यात्रा वृतांत ,संस्मरण, डायरी, रेखाचित्र, पत्र साहित्य एवं रिपोर्ताज की परिभाषा एवं विशेषताओं से अवगत हुए।

.2COइस पत्र के माध्यम से शिवरानी देवी द्वारा लिखित जीवनी 'प्रेमचंद घर में 'के आधार पर प्रेमचंद के जीवन और रचना कर्म से विद्यार्थी अवगत हुए तथा एक सफल जीवनी के रूप में 'प्रेमचंद घर में 'की समीक्षा की। चयनित निबंधकारों के पठित निबंधों के प्रतिपाद्य को जान सके और समीक्षा की।

.3COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी चयनित आत्मकथा 'आपहुदरी 'की समीक्षा कर सके तथा रमणिका गुप्ता के रचना संसार को जान सके। विद्यार्थी रेखाचित्रकारों के पठित रेखाचित्रों के प्रतिपाद्य को जान सके और समीक्षा की।

.4COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने राहुल सांकृत्यायन के यात्रा-वृतांत 'मेरी तिब्बत यात्रा 'के प्रथम खंड का अध्ययन किया तथा राहुल जी के यात्रा-साहित्य की विशेषताओं से अवगत हुए। चयनित संस्मरण और रिपोर्ताज के पठित पाठों की समीक्षा की तथा लेखकों के परिचय को जान सके।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	हिंदी की कथेतर गद्य विधाएं :परिभाषा एवं विशेषताएँ : जीवनी,निबंध ,आत्मकथा ,यात्रा वृतांत,संस्मरण, डायरी, रेखाचित्र, पत्र साहित्य एवं रिपोर्ताज।	30	1C
2	**क .जीवनी:** • प्रेमचंद घर में :शिवरानी देवी आलोचना :जीवनी साहित्य का स्वरूप ,प्रेमचंद का	30	2C

	जीवन और रचना कर्म ,एक सफल जीवनी के रूप में 'प्रेमचंद घर में 'की समीक्षा। **ख .निबंध** : • सरदार पूर्ण सिंह :मजदूरी और प्रेम • रामचन्द्र शुक्ल :ईर्ष्या • हजारी प्रसाद द्विवेदी :नाखून क्यों बढ़ते हैं आलोचना :पठित निबंधों की समीक्षा एवं प्रतिपाद्य।		
3	**क .आत्मकथा** : • आपहुदरी)एक जिद्दी लड़की की आत्मकथा(:रमणिका गुप्ता आलोचना :आत्मकथा का स्वरूप ,आपहुदरी की समीक्षा ,रमणिका गुप्ता का रचना संसार। **ख .रेखाचित्र** • महादेवी वर्मा :लछमा)पाठ्यपुस्तक :अतीत के चलचित्र(• रामवृक्ष बेनीपुरी :सुभान खाँ)पाठ्य पुस्तक :माटी की मूरतें(आलोचना :पठित रेखाचित्रों की समीक्षा एवं प्रतिपाद्य	30	3C
4	क. **यात्रा वृतांत** : पाठ्य पुस्तक :मेरी तिब्बत यात्रा : राहुल सांकृत्यायन **पाठ्यांश** :ल्हासा से उत्तर की ओर आलोचना :हिन्दी यात्रा साहित्य और राहुल सांकृत्यायन ,राहुल के यात्रा साहित्य की विशेषताएँ। **ख .संस्मरण तथा रिपोर्ताज**) पाठ्यपुस्तक :गद्य	30	4C

	गौरव –सं. डॉ .ई .रा .स्वामी, राजकमल प्रकाशन(• रामकुमार वर्मा :महात्मा गाँधी • फणीश्वरनाथ रेणु :कुत्ते की आवाज़)ऋणजल-धनजल(लोचना :संस्मरण तथा रिपोर्ताज का स्वरूप ,पठित पाठों की समीक्षा एवं लेखक परिचय।		
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	3	2	2	3	3	2	1	3
CO2	3	3	2	2	3	3	2	1	3
CO3	3	3	2	2	3	3	2	1	3
CO4	3	3	2	2	3	3	2	1	3
Average	3	3	2	2	3	3	2	1	3

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. इस पत्र की इकाई 3 ,2तथा 4से एक-एक व्याख्या पूछी जाएगी ,जिनके विकल्प भी होंगे। 6 X 3= 18
2. प्रत्येक इकाई से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनके विकल्प भी होंगे। 13 X4=52

सहायक ग्रंथ –

1. हिंदी का गद्य विन्यास और विकास :रामस्वरूप चतुर्वेदी
2. हिंदी गद्य साहित्य :रामचन्द्र तिवारी
3. हिंदी गद्य रूप सैद्धान्तिक विवेचन :निर्मला देवी श्रीवास्तव

4. हिंदी निबंध उद्भव और विकास :हरिचरण शर्मा
5. हिंदी का आधुनिक यात्रा साहित्य :प्रतापपाल शर्मा
6. गद्य की नई विधाओं का विकास :असद माजदा
7. गद्य की पहचान :अरुण प्रकाश
8. दूसरी परंपरा की खोज :नामवर सिंह
9. हिंदी ललित निबंध :स्वरूप विवेचन :वेदवती राठी
10. हिंदी जीवनी साहित्य :सिद्धांत और अध्ययन :डॉ. भगवानशरण भारद्वाज

चतुर्थ सत्र

क्रेडिट 4:

IDE-HIN-CC-2240

पूर्णांक 100:

हिंदी भक्ति काव्य

अभ्यन्तर 30 :

सत्रांत परीक्षा 70 :

उद्देश्य : **Learning) Objective L(Os**

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को संत रैदास की काव्यगत विशेषताओं ,भक्ति-भावना एवं समाज दर्शन से अवगत कराया जायेगा। चयनित पाठांश की व्याख्या की जाएगी।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को संत दादू दयाल की काव्यगत विशेषताओं ,भक्ति -भावना एवं समाज दर्शन से अवगत कराया जायेगा। चयनित पाठांश की व्याख्या की जाएगी।

L .3Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को मीराबाई की काव्यगत विशेषताओं ,भक्ति -भावना एवं समाज दर्शन से अवगत कराया जायेगा। चयनित पाठांश की व्याख्या की जाएगी।

L .4Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को रसखान की काव्यगत विशेषताओं ,भक्ति-भावना एवं समाज दर्शन से अवगत कराया जायेगा। चयनित पाठांश की व्याख्या की जाएगी।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को संत रैदास की काव्यगत विशेषताओं ,भक्ति-भावना एवं समाज दर्शन से अवगत कराया गया। चयनित पाठांश की व्याख्या की गयी।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को संत दादू दयाल की काव्यगत विशेषताओं ,भक्ति-भावना एवं समाज दर्शन से अवगत कराया गया। चयनित पाठांश की व्याख्या की गयी।

.3COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को मीराबाई की काव्यगत विशेषताओं ,भक्ति-भावना एवं समाज दर्शन से अवगत कराया गया। चयनित पाठांश की व्याख्या की गयी।

.4COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को रसखान की काव्यगत विशेषताओं ,भक्ति-भावना एवं समाज दर्शन से अवगत कराया गया। चयनित पाठांश की व्याख्या की गयी।

इकाई	**विषय**	**अध्ययन अवधि**	**उपलब्धियाँ**Course) (Outcome
1	रैदास :पाठ्य पुस्तक :संत काव्य –संपादक आचार्य परशुराम चतुर्वेदी ,किताब महल ,इलाहाबाद पाठांश :साखी 1 –से 14 तक	30	1C
2	दादू दयाल :पाठ्य पुस्तक :संत काव्य –संपादक आचार्य परशुराम चतुर्वेदी ,किताब महल ,इलाहाबाद पाठांश :साखी 1 –से 25 तक	30	2C
3	मीराबाई :पाठ्य पुस्तक :मीराबाई की पदावली :सं परशुराम चतुर्वेदी पाठांश :पद संख्या –1 से 10	30	3C
4	न पाठ्य पुस्तक :रसखान रचनावली :सं विद्यानिवास मिश्र ठां पाठांश : पद संख्या –1 से 10 **आलोचना बिंदु** – सन्त साहित्य की विशेषताएं, पठित संतों एवं भक्तों की काव्यगत विशेषताएं, पठित रचनाकारों की	30	4C

	भक्ति भावना तथा समाज दर्शन।		
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	3	3	2	3	3	3	1	3
CO2	3	3	3	2	3	3	3	1	3
CO3	3	3	3	2	3	3	3	1	3
CO4	3	3	3	2	3	3	3	1	3
Average	3	3	3	2	3	3	3	1	3

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. प्रत्येक इकाई से एक-एक व्याख्या पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे । 6x4=24

.2इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा। 10x4= 40

.3कुल छह अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर लिखना होगा। 2 x3= 06

सहायक ग्रंथ :

.1नाथ सम्प्रदाय -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ,नैवेद्य निकेतन , वाराणसी ।

.2 हिन्दी साहित्य में निर्गुण सम्प्रदाय –डॉ .पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल ।

.3 उत्तर भारत की संत परंपरा –परशुराम चतुर्वेदी ,किताब महल ,प्रयाग ।
.4 मध्ययुगीन निर्गुण चेतना – डॉ .धर्मपाल मैनी ,लोकभारती ,इलाहाबाद ।
.5 संतों के धार्मिक विश्वास -डॉ .धर्मपाल मैनी ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
.6 रैदास वाणी –डॉ .शुकदेव सिंह ,राधाकृष्ण प्रकाशन ,दिल्ली ।
.7 कबीर -हजारीप्रसाद द्विवेदी ,राजकमल प्रकाशन ।
.8 दादू पंथ :साहित्य और समाज दर्शन -डॉ .ओकेन लेगो ,यश पब्लिकेशन ,दिल्ली ।
.9 दादू दयाल –परशुराम चतुर्वेदी
.10 संत साहित्य की समझ -नन्द किशोर पाण्डेय ,यश पब्लिकेशन ,दिल्ली ।
.11 सन्त रज्जब - नन्द किशोर पाण्डेय ,विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी ।
.12पंचरंग चोला पहन सखी री –माधव हाड़ा ,वाणी प्रकाशन
.13जयदेव -आनन्द कुशवाहा, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.15रसखान -आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
.16रसखान :जीवन और काव्य – डॉ .देवेन्द्र प्रताप उपाध्याय
.17मीराबाई की सम्पूर्ण पदावली -सं रामकिशोर शर्मा ,लोकभारती प्रकाशन
.18संत कवि दादू दयाल -बलदेव बंशी
.19दादू दयाल -रामबक्ष ,साहित्य अकादमी
.20रसखान -साहित्य अकादमी

चतुर्थ सत्र

क्रेडिट 4 :
पूर्णांक 100:
अभ्यन्तर 30 :
सत्रांत परीक्षा 70 :

IDE-HIN-MC-3210

आधुनिक हिंदी कविता

उद्देश्य : Learning) Objective L(Os

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी माखनलाल चतुर्वेदी तथा बालकृष्ण शर्मा 'नवीन 'की चयनित कविताओं की व्याख्या और
समीक्षा का अध्ययन करेंगे।
L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की चयनित कविताओं की व्याख्या और
समीक्षा का अध्ययन करेंगे।
L .3Oविद्यार्थी रामधारी सिंह 'दिनकर 'तथा गजानन माधव 'मुक्तिबोध 'की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा कर
सकेंगे।
L .4Oविद्यार्थी शमशेर बहादुर सिंह तथा सुदामा पाण्डेय 'धूमिल 'की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा कर सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने माखनलाल चतुर्वेदी तथा बालकृष्ण शर्मा 'नवीन 'की चयनित कविताओं की व्याख्या
और समीक्षा का अध्ययन किया।
.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला 'की चयनित कविताओं की व्याख्या
और समीक्षा का अध्ययन किया।
.3COविद्यार्थी रामधारी सिंह 'दिनकर 'तथा गजानन माधव 'मुक्तिबोध 'की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा कर
सके।
.4COविद्यार्थी शमशेर बहादुर सिंह तथा सुदामा पाण्डेय 'धूमिल 'की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा कर सके।

)पाठ्य पुस्तक :आधुनिक हिंदी काव्यधारा –डॉ .विजयपाल सिंह(

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	माखनलाल चतुर्वेदी :पाठ्य कविता -पुष्प की अभिलाषा , कैदी और कोकिला बालकृष्ण शर्मा नवीन :पाठ्य कविता -पराजय गीत ,पथ निरीक्षण	30	1C
2	जयशंकर प्रसाद :पाठ्य कविता –कामायनी -लज्जा सर्ग सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला : 'पाठ्य कविता -सरोज स्मृति	30	2C
3	रामधारी सिंह 'दिनकर : 'पाठ्य कविता –हिमालय ,नारी गजानन माधव 'मुक्तिबोध :'पाठ्य कविता –चम्बल की घाटी में	30	3C
4	शमशेरबहादुर सिंह :पाठ्य कविता -बात बोलेगी, एक पीली शाम :पाठ्य कविता –मोचीराम आलोचना बिंदु :पठित कविताओं की विशेषताएँ ,कवियों की काव्य-कला ,पठित कविताओं का प्रतिपाद्य।	30	4C
	कुल अध्ययन-अवधि	120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	3	3	2	3	3	3	1	3
CO2	3	3	3	2	3	3	3	1	3
CO3	3	3	3	2	3	3	3	1	3
CO4	3	3	3	2	3	3	3	1	3

Average	3	3	3	2	3	3	3	1	3

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देश:

.1प्रत्येक इकाई से एक-एक व्याख्या पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे।

6x4 = 24

.2इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा।

10x4= 40

.3कुल छह अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर लिखना होगा।2 x3= 06

सहायक ग्रंथ :

.1 माखनलाल चतुर्वेदी का रचना संसार -डॉ .बद्रीप्रसाद विरमाल
.2बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' -पवन कुमार मिश्र साहित्य अकादमी
.3जयशंकर प्रसाद -नन्द दुलारे वाजपेयी
.4प्रसाद और उनका साहित्य -विनोद शंकर व्यास
.5जयशंकर प्रसाद :वस्तु और कला -डॉ रामेश्वर खण्डेलवाल
.6प्रसाद का काव्य -डॉ .प्रेमशंकर ,वाणी प्रकाशन ,दिल्ली
.7निराला की साहित्य साधना ,भाग 1,2,3 -डॉ .रामविलास शर्मा
.8निराला एक आत्महन्ता आस्था -दूधनाथ सिंह ,लोक भारती ,इलाहाबाद
.9छायावाद -डॉ .नामवर सिंह ,राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली
.10क्रांतिकारी कवि निराला - डॉ .बच्चन सिंह ,विश्वविद्यालय प्रकाशन
.11कामायनी अनुशीलन -रामलाल सिंह ,वाणी प्रकाशन ,दिल्ली
.12दिनकर एक पुनर्विचार -कुमार निर्मलेंदु ,लोकभारती प्रकाशन
.13छायावाद के कवि :प्रसाद, निराला और पन्त -विजय बहादुर सिंह ,सामयिक बुक्स, नयी दिल्ली

.14धूमिल की कविता में विरोध और संघर्ष -नीलम सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
.15धूमिल और उनका काव्य संघर्ष -ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन
.16रामधारी सिंह दिनकर -कुमार विमल ,साहित्य अकादेमी
.17मुक्तिबोध :कविता और जीवन विवेक -चंद्रकांत देवताले, राजकमल प्रकाशन
.18मुक्तिबोध :ज्ञान और संवेदना -नंदकिशोर नवल ,राजकमल प्रकाशन
.19माखनलाल चतुर्वेदी का रचना संसार -डॉ .बद्रीप्रसाद विरमाल
.20बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' -पवन कुमार मिश्र साहित्य अकादमी

क्रेडिट 4 :
पूर्णांक 100:
अभ्यन्तर 30 :
सत्रांत परीक्षा 70 :

पंचम सत्र

IDE-HIN-CC-3110

भारतीय काव्यशास्त्र

उद्देश्य : Learning) Objective L(Os

L : .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास, काव्य-लक्षण, काव्य–प्रयोजन, काव्य-हेतु एवं काव्य के गुण-दोषों का अध्ययन कराया जायेगा।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी रस सिद्धांत का अध्ययन करेंगे और इसके अंतर्गत रस का स्वरूप ,अवयव और उसके भेद, सभी रसों के लक्षण एवं उदाहरण से भी अवगत हो सकेंगे। ध्वनि सिद्धांत के अंतर्गत ध्वनि की परिभाषा तथा उसके भेदों से परिचित हो सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी अलंकार सिद्धांत की स्थापनाओं का अध्ययन कर सकेंगे तथा अलंकार के भेदों , विभिन्न अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण से भी अवगत हो सकेंगे। विद्यार्थी रीति सिद्धांत के अंतर्गत रीति का अर्थ एवं रीति के भेदों से परिचित हो सकेंगे।

L .4Oविद्यार्थी वक्रोक्ति सिद्धांत के अंतर्गत वक्रोक्ति की अवधारणा तथा उसके भेदों का अध्ययन कर सकेंगे, साथ ही औचित्य सिद्धांत की अवधारणा तथा उसके भेदों से भी अवगत हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

: .1OCइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र के संक्षिप्त इतिहास, काव्य-लक्षण, काव्य–प्रयोजन, काव्य-हेतु एवं काव्य के गुण-दोषों का अध्ययन किया।

.2OCइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने रस सिद्धांत का अध्ययन किया और इसके अंतर्गत रस का स्वरूप ,अवयव और उसके भेद, सभी रसों के लक्षण एवं उदाहरण से भी अवगत हुए। ध्वनि सिद्धांत के अंतर्गत ध्वनि की परिभाषा तथा उसके भेदों से परिचित हुए।

.3OCविद्यार्थियों ने अलंकार सिद्धांत की स्थापनाओं का अध्ययन किया तथा अलंकार के भेदों , विभिन्न अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण से भी अवगत हुए। विद्यार्थी रीति सिद्धांत के अंतर्गत रीति का अर्थ एवं रीति के भेदों से परिचित हुए।

.4OC विद्यार्थियों ने वक्रोक्ति सिद्धांत के अंतर्गत वक्रोक्ति की अवधारणा तथा उसके भेदों का अध्ययन किया ,साथ ही औचित्य सिद्धांत की अवधारणा तथा उसके भेदों से भी अवगत हुए।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	भारतीय काव्यशास्त्रः भारतीय काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास; काव्य-लक्षण; काव्य–प्रयोजन; काव्य-हेतु; काव्य के गुण-दोष ।	30	1C
2	)क (रस सिद्धांत :रस का स्वरूप ,अवयव और भेद, सभी रसों का लक्षण एवं उदाहरण ।)ख (ध्वनि सिद्धांत :ध्वनि की परिभाषा तथा उसके भेद ।	30	2C
3	)क (अलंकार सिद्धांत :परिभाषा, उसके भेद ,अलंकारों का लक्षण एवं उदाहरण) –अनुप्रास, उपमा, रूपक, यमक, अतिश्योक्ति, श्लेष, संदेह, विरोधाभास, पुनरुक्ति ,उत्प्रेक्षा , अनन्वय, विभावना ( )ख (रीति सिद्धांत :रीति का अर्थ, रीति के भेद ।	30	3C
4	(क (वक्रोक्ति सिद्धांत :वक्रोक्ति की अवधारणा तथा वक्रोक्ति	30	4C

	के भेद । (ख (औचित्य सिद्धांत :औचित्य की अवधारणा तथा उनके भेद ।		
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	2	3	3	2	3	2	3	3	1
CO2	2	3	3	2	3	2	3	3	1
CO3	2	3	3	2	3	2	3	3	1
CO4	2	3	3	2	3	2	3	3	1
Average	2	3	3	2	3	2	3	3	1

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा ,प्रत्येक के लिए विकल्प भी होंगे।
   14x4= 56
2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी ,जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा।
   7x2= 14

सहायक ग्रन्थ:

1. संस्कृत आलोचना :बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र :डॉ .भगीरथ मिश्र
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना :डॉ .रामचन्द्र तिवारी
4. काव्यशास्त्र विमर्श :डॉ .कृष्णनारायण प्रसाद 'मागध'

5. काव्यांग कौमुदी :विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. काव्य के तत्त्व :देवेन्द्रनाथ शर्मा
7. भारतीय काव्यशास्त्र :सत्यदेव चौधरी
8. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका :डॉ .नगेन्द्र
9. रस मीमांसा :रामचन्द्र शुक्ल
10. भारतीय काव्यशास्त्र/के नए क्षितिज :डॉ .राममूर्ति त्रिपाठी

पंचम सत्र

क्रेडिट 4 :
पूर्णांक 100:
अभ्यन्तर 30 :
सत्रांत परीक्षा 70 :

IDE-HIN-CC-3120

आधुनिक काल :इतिहास एवं रचनाएँ2 -

उद्देश्य : **Learning) Objective L(Os**

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता ,साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता ,स्त्री विमर्श ,दलित विमर्श एवं जनजातीय विमर्श के स्वरूप एवं प्रवृत्तियों की जानकारी दी जाएगी।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी नागार्जुन तथा अज्ञेय की चयनित कविताओं के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा रचनाकारों की काव्यगत विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

L .3Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी कुंवर नारायण तथा गगन गिल की चयनित कविताओं के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा रचनाकारों की काव्यगत विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी असंगघोष और निर्मला पुतुल की चयनित कविताओं के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा रचनाकारों की काव्यगत विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1CO इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता ,साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता ,स्त्री विमर्श ,दलित विमर्श एवं जनजातीय विमर्श के स्वरूप एवं प्रवृत्तियों की जानकारी दी गयी।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी नागार्जुन तथा अज्ञेय की चयनित कविताओं के प्रतिपाद्य को जान सके तथा रचनाकारों की काव्यगत विशेषताओं से अवगत हुए।

.3COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी कुंवर नारायण तथा गगन गिल की चयनित कविताओं के प्रतिपाद्य को जान सके तथा रचनाकारों की काव्यगत विशेषताओं से अवगत हुए।

.4COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी असंगघोष और निर्मला पुतुल की चयनित कविताओं के प्रतिपाद्य को जान सके तथा रचनाकारों की काव्यगत विशेषताओं से अवगत हुए।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता ,साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता ,स्त्री विमर्श ,दलित विमर्श एवं जनजातीय विमर्श :स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ।	30	1C
2	)क (नागार्जुन :कविताएँ :अकाल और उसके बाद, खुरदरे पैर।) ख (अज्ञेय :पाठ्य कविताएँ :यह द्वीप अकेला, कलगी बाजरे की। आलोचना बिंदु :नागार्जुन की जन पक्षधरता ,अज्ञेय की प्रयोगधर्मिता ,पठित कविताओं का प्रतिपाद्य, कवियों की काव्यगत विशेषताएँ।	30	2C
3	)क (कुंवर नारायण :पाठ्य कविता :नचिकेता)ख (गगन गिल :पाठ्य कविताएँ :एक दिन लौटेगी लड़की , यह लड़की जब उदास होगी। आलोचना बिंदु :कुंवर नारायण के	30	3C

	काव्य में मिथकीय प्रयोग ,गगन गिल की कविता एवं स्त्री विमर्श ,पठित कविताओं का प्रतिपाद्य, कवियों की काव्यगत विशेषताएँ।		
4	)क(असंगघोष :हम ही हटायेंगे कोहरा) ख (निर्मला पुतुल :पाठ्य कविताएँ :चुड़का सोरेन से , बिटिया मुर्मू से। आलोचना बिंदु :असंगघोषकी कविताओं में जाति का प्रश्न ,निर्मला पुतुल के काव्य में अभिव्यक्त जनजातीय चेतना ,पठित कविताओं का प्रतिपाद्य, कवियों की काव्यगत विशेषताएँ।	30	4C
	कुल अध्ययन-अवधि	120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	3	3	3	3	3	3	1	2
CO2	3	3	3	3	3	3	3	1	3
CO3	3	3	3	3	3	3	3	1	3
CO4	3	3	3	3	3	3	3	1	3
Average	3	3	3	3	3	3	3	1	2.75

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. पाठ्यक्रम की इकाई 3 ,2तथा 4से एक-एक व्याख्या पूछी जाएगी ,प्रत्येक के लिये विकल्प भी होंगे। 6X 3=18

2. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 13x4= 52

सहायक ग्रन्थ :

.1आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ -नामवर सिंह
.2विजयदेव नारायण साही रचना संचयन -गोपेश्वर सिंह
.3प्रगतिवाद -शिवदान सिंह चौहान, प्रदीप प्रकाशन
.4प्रगतिवाद एक समीक्षा -धर्मवीर भारती ,साहित्य भवन लिमिटेड, प्रयाग
.5प्रगतिवाद -शिव कुमार मिश्र ,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
.6हिंदी कविता की प्रगतिशील भूमिका -प्रभाकर श्रोत्रिय ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
.7छायावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद एवं नयी कविता –पृथ्वी सिंह ,भाषा प्रकाशन ,नयी दिल्ली
.8हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास -बच्चन सिंह
.9दलित कविता :प्रश्न और परिप्रेक्ष्य -बजरंग बिहारी तिवारी
.10आदिवासी साहित्य :परम्परा और प्रयोजन -वन्दना टेटे
.11आदिवासी साहित्य यात्रा -रमणिका गुप्ता
.12दलित आन्दोलन का इतिहास)चार खण्डों में(-मोहनदास नैमिषराय
.13साहित्य का सही वक्ता -वी .कुमारन ,मधुरा :जवाहर पुस्तकालय
.14हिंदी साहित्य का आधा इतिहास -सुमन राजे
.15स्त्री चिंतन की चुनौतियां -रेखा कस्तवार
.16पितृसत्ता के नए रूप ;स्त्री और भूमंडलीकरण -राजेंद्र यादव

पंचम सत्र

क्रेडिट 4 :

पूर्णांक 100:

अभ्यन्तर 30 :

सत्रांत परीक्ष 70 :

IDE-HIN-CC-3130

प्रयोजनमूलक हिन्दी

उद्देश्य : **Learning) Objective L(sO**

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिन्दी के स्वरूप तथा प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता एवं विशेषताओं की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

LO.2 इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी राजभाषा के महत्त्व तथा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति से अवगत हो सकेंगे।

L .3Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी हिन्दी पत्रकारिता एवं संचार माध्यम के अन्तःसम्बन्ध से परिचित हो सकेंगे तथा हिन्दी पत्रकारिता के विकास और वर्तमान स्थिति से अवगत हो सकेंगे।

L .4Oविद्यार्थी पत्र लेखन तथा विज्ञापन लेखन के विभिन्न पक्षों एवं विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) meOutcoC(sO

C .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिन्दी के स्वरूप तथा प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता एवं विशेषताओं की जानकारी प्राप्त हुई।

CO 2इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी राजभाषा के महत्त्व तथा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति से अवगत हुए।

C .3Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी हिन्दी पत्रकारिता एवं संचार माध्यम के अन्तःसम्बन्ध से परिचित हुए तथा हिन्दी पत्रकारिता के विकास और वर्तमान स्थिति से अवगत हुए।

C .4Oविद्यार्थी पत्र लेखन तथा विज्ञापन लेखन के विभिन्न पक्षों एवं विशेषताओं से अवगत हुए ।

इकाई	विषय	अध्ययन	उपलब्धि

		अवधि	याँ Course) (Outcome
1	प्रयोजनमूलक हिन्दीः परिभाषा और स्वरूप; प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता एवं विशेषताएँ। राष्ट्रभाषा, राजभाषा का स्वरूप : सम्पर्क भाषाः स्वरूप; सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी का राष्ट्रीय एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य; स्वाधीनता संग्राम में हिन्दी की भूमिका; पूर्वोत्तर भारत में सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी के प्रचार-प्रसार की उपयोगिता, प्रचार में आने वाली समस्याएँ, समाधान और सुझाव।	30	1C
2	राजभाषा राजभाषाः अर्थ एवं स्वरूप; हिन्दी की संवैधानिक स्थिति ; अनुच्छेद 343 से 351; राजभाषा संकल्प, त्रिभाषा सूत्र, राजभाषा नियम 1976 यथा संशोधित 1987; राजभाषा के रूप में हिन्दी के प्रयोग में आने वाली समस्याएँ और सुझाव।	30	2C
3	हिन्दी पत्रकारिता एवं संचार माध्यम पत्रकारिता -हिन्दी पत्रकारिता के विकास का संक्षिप्त परिचय; साहित्यिक पत्रकारिता; हिन्दी पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति। संचार माध्यम -हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास में आकाशवाणी, दूरदर्शन एवं सिनेमा का योगदान; रेडियो लेखन की कला।	30	3C
4	पत्र लेखनः सरकारी तथा अर्धसरकारी पत्र, सूचना, ज्ञापन, आदेश, टिप्पणी, अनुस्मारक ;प्रतिवेदन तथा मसौदा लेखन ;विज्ञापन लेखन। अनुवाद एवं पारिभाषिक शब्दावलीः परिभाषा; अनुवाद के प्रकार; अनुवादः समस्याएँ और समाधान। पारिभाषिक शब्दावलीः स्वरूप एवं परिभाषा; 100 पारिभाषिक शब्द।	30	4C
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	2	1	3	3	1	2	3	2
CO2	3	2	1	2	3	1	2	3	2
CO3	3	2	1	3	3	1	2	3	2
CO4	3	2	1	2	3	1	2	2	2
Average	3	2	1	2.50	3	1	2	2.75	2

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक के लिए विकल्प भी होंगे। 13X4= 52

2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जाएगी, जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा। 5X2= 10
3. इस पत्र में निर्धारित 100पारिभाषिक शब्दों में से आठ पारिभाषिक शब्द परीक्षा में पूछे जायेंगे।
   1 X8= 08

सहायक ग्रन्थः

1. राजभाषा हिन्दी प्रचलन :डॉ .रामेश्वर प्रसाद
2. हिन्दी पत्रकारिता :डॉ .वेदप्रताप वैदिक

3. व्यावहारिक राजभाषा :डॉ .नारायणदत्त पालीवाल
4. अनुवादः सिद्धान्त और प्रयोग :गोपीनाथन, जी
5. हिन्दी शब्द-अर्थ प्रयोग :डॉ .हरदेव बाहरी
6. पूर्वोत्तर में हिन्दी प्रचार-प्रसार :चित्र महन्त
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी :डॉ .महन्त
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी :डॉ .रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
9. अरुणाचल प्रदेश में हिन्दीः अध्ययन के नये आयाम :डॉ . श्यामशंकर सिंह

अंग्रेजी के सौ पारिभाषिक शब्द हिंदी अर्थ के साथ :

1. Abandonment - परित्याग
2. Ability -योग्यता
3. Abolition -उन्मूलन ,अंत
4. Abridge -संक्षेप करना ,न्यून करना
5. Absence -अनुपस्थिति
6. Absolve -विमुक्त करना
7. Absorb -अवशोषण करना ,समाहित करना
8. Abstract -सार
9. Absurdity -अर्थहीनता ,बेतुकापन
10. Academic -शैक्षणिक
11. Academy -अकादमी
12. Acceptance -स्वीकार
13. Account -लेखा ,खाता
14. Accurate -यथार्थ
15. Accuse -अभियोग लगाना

16. Adjustment -समायोजन
17. Adjuster -समायोजक
18. Administrative -प्रशासकीय
19. Admonition -भर्त्सना
20. Affidavit -शपथनामा
21. Affiliate -सम्बद्ध करना
22. Allotment - आबंटन
23. Ambassador -राजदूत
24. Bench -न्यायपीठ
25. Bribe -घूस,रिश्वत
26. Broadcast -प्रसारण
27. Cabinet -मंत्रिमंडल
28. Capital -पूँजी
29. Catalogue -ग्रंथसूची
30. Caution -सावधान
31. Cell -कोष्ठ /कक्ष
32. Censure Motion -निन्दा प्रस्ताव
33. Circle -इलाका / अंचल
34. Claim -दावा
35. Claimant -दावेदार
36. Clause -खंड
37. Collusion -दुरभिसंधि
38. Commemoration -स्मारक
39. Commencement -प्रारंभ
40. Comment -टीका ,टिप्पणी
41. Concern -प्रतिष्ठाण/सरोकार/चिंता/समुद्यम
42. Concession -रियायत

43. Confidential -गोपनीय

44. Confirmation -पुष्टि करना

45. Contribution -अंशदान

46. Corrigendum -शुद्धिपत्र

47. Controversial -विवादास्पद

48. Corroborate -संपुष्टि करना

49. Credibility -विश्वसनीयता

50. Defamation -मानहानि

51. Defence -रक्षा

52. Defendant -प्रतिवादी

53. Deficiency -कमी

54. Denial -अस्वीकार

55. Department -विभाग

56. Deposit -निक्षेप / जमा

57. Deputy -उप

58. Detective -गुप्तचर /जासूस

59. Dignitary -उच्चपदधारी / उच्चपदस्थ

60. Discrepancy -विसंगति

61. Dismiss -पदच्युत करना

62. Disobey -अवज्ञा करना / आज्ञा न मानना

63. Disposal -निपटान / निवर्तन

64. Disqualify -अनर्ह करना / अनर्ह होना

65. Disregard -अवहेलना

66. Ditto -यथोपरि / जैसे ऊपर

67. Duration -अवधि

68. Draft -प्रारूप /मसौदा

69. Earmark - चिह्न करना/उद्दिष्ट करना

70. Eligible -पात्र

71. Embassy -राजदूतावास

72. Emblem -प्रतीक / चिह्न

73. Enrolment -नामांकन

74. Ensure -आश्वस्त करना

75. Entitle -हकदार होना

76. Extensive -व्यापक / विस्तृत

77. Faculty -संकाय

78. Financial -वित्तीय

79. Forward -अग्रेषित करना

80. Judgement -निर्णय

81. Legislative -विधान मंडल

82. Leisure -अवकाश

83. Lien -पुनर्ग्रहणाधिकार

84. Literacy -साक्षरता

85. Misconduct -अनाचार / कदाचार

86. Monopoly -एकाधिकार

87. Nominee -नामिती /नामित / मनोनीत व्यक्ति

88. Non-acceptance -अस्वीकृति

89. Oath -शपथ

90. Observance -पालन

91. Prohibited -निषिद्ध

92. Project -परियोजना

93. Promotion -प्रोन्नति

94. Prospectus -विवरण-पत्रिका

95. Provisional -अस्थायी

96. Provision -उपबंध / शर्त ,व्यवस्था

97. Recommended -संस्तुत

98. Relaxation -छूट / रियायत/ढील

99. Unavoidable -अनिवार्य /अपरिहार्य

100. Valid -विधिमान्य

पंचम सत्र

IDE-HIN-CC -3140

लोक साहित्य

क्रेडिट	:4
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	70 :

उद्देश्य : **Learning) Objective L(Os**

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को लोक साहित्य की परिभाषा और उसके स्वरूप तथा लोक साहित्य के तत्वों की जानकारी दी जाएगी।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं -लोकगाथा ,लोकगीत , लोक नाट्य ,लोक कथा तथा लोक सुभाषित के स्वरूप एवं विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी लोक नाट्य के विविध रूपों यथा -रामलीला, अचिल्हामु ,अंकिया नाट तथा यक्षगान का अध्ययन कर सकेंगे तथा अरुणाचल प्रदेश की लोक कथाओं से अवगत हो सकेंगे।

L .4Oअरुणाचल प्रदेश के लोकगीतों और लोक सुभाषितों के प्रकार और विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1CO इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को लोक साहित्य की परिभाषा और उसके स्वरूप तथा लोक साहित्य के तत्वों की जानकारी दी गयी।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं -लोकगाथा ,लोकगीत , लोक नाट्य ,लोक कथा तथा लोक सुभाषित के स्वरूप एवं विशेषताओं से अवगत हुए।

.3COविद्यार्थी लोक नाट्य के विविध रूपों यथा -रामलीला, अचिल्हामु ,अंकिया नाट तथा यक्षगान का अध्ययन कर सके तथा अरुणाचल प्रदेश की लोक कथाओं से अवगत हो सके।

.4COअरुणाचल प्रदेश के लोकगीतों और लोक सुभाषितों के प्रकार और विशेषताओं से अवगत हुए।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	लोक साहित्य :परिभाषा और स्वरूप ; लोक साहित्य के तत्व; मिथक एवं लोक विश्वास।	12	1C
2	लोक साहित्य :लोकगाथा ,लोकगीत ,लोक नाट्य ,लोक कथा तथा लोक सुभाषित ;स्वरूप एवं विशेषताएँ।	12	2C
3	लोक नाट्य के विविध रूप -रामलीला, अचिल्हामु , अंकिया नाट तथा यक्षगान। लोक कथा :मूल्य परक लोककथा ,उपदेशात्मक लोक कथा और उत्पत्तिपरक लोक कथा 5-5)अरुणाचली लोक कथाएँ (पाठ्य पुस्तक :अरुणाचल प्रदेश की लोक कथाएँ :सं .नन्द किशोर पाण्डेय ,हरीश कुमार शर्मा	18	3C
4	लोकगीत :अरुणाचली लोक गीतों के प्रकार और विशेषताएँ ,अरुणाचल प्रदेश के दस लोक गीतों का अध्ययन ;अरुणाचली लोक सुभाषितों के प्रकार और विशेषताएँ ,अरुणाचल प्रदेश के बीस लोकसुभाषितों का अध्ययन ।	18	4C
कुल अध्ययन-अवधि		**60**	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5

CO1	3	3	2	3	3	3	2	1	3
CO2	3	3	2	2	3	3	2	1	3
CO3	2	3	2	3	2	3	2	1	3
CO4	3	2	2	3	3	2	2	1	3
Average	2.75	2.75	2	2.75	2.75	2.75	2	1	3

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक के लिए विकल्प भी होंगे। 14x4= 56
2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी ,जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा। 7x2= 14

सहायक ग्रंथ –

1. भारत के लोक नाट्य :शिवकुमार माथुर
2. लोकधर्मी नाट्य परंपरा :श्याम परमार
3. लोक साहित्य की भूमिका :कृष्णदेव उपाध्याय
4. लोक साहित्य की भूमिका :रामनरेश त्रिपाठी
5. लोक संस्कृति :वसन्त निरगुणे
6. लोक साहित्य का अवगमन :त्रिलोचन पाण्डेय
7. लोकगीत की सत्ता :सुरेश गौतम
8. भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा :दुर्गाभागवत
9. लोकजीवन के कलात्मक आयाम :कालूराम परिहार
10. लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग :श्रीराम शर्मा
11. हिंदी साहित्य का वृहद इतिहास :कृष्णदेव उपाध्याय
12. लोक साहित्य विज्ञान :डॉ सत्येंद्र
13. ऊई मोक :जमुना बीनी

.14न्यीशी लोक साहित्य का समाज भाषिक अध्ययन :जोराम यालाम नाबाम
.15न्यीशी लोकगीत :सांस्कृतिक अध्ययन :जोराम आनिया ताना
.16न्यीशी लोक साहित्य :केंद्रीय हिंदी संस्थान
.17यापोम :गुम्पी ङूसो
.18गालो जनजाति की लोक संस्कृति :पहचान और प्रवाह :अरुण कुमार पाण्डेय
.19मोनपा लोक साहित्य :केंद्रीय हिंदी संस्थान
.20आदी जनजाति :समाज और साहित्य :ओकेन लेगो
.21तानी कथाएँ :जोराम यालाम

पंचम सत्र

IDE-HIN-MC-4110

प्रवासी साहित्य

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	70 :

उद्देश्य : Learning) Objective L(Os

L : .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रवासी हिन्दी साहित्य के इतिहास ,प्रवासी साहित्य की अवधारणा और प्रकार तथा प्रवासी हिंदी साहित्यकारों के हिन्दी के विकास में योगदान की जानकारी दी जाएगी।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी चयनित प्रवासी रचनाकारों की पठित कविताओं के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा रचनाकारों के सामान्य परिचय एवं उनकी काव्य-कला से अवगत हो सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी अभिमन्यु अनत के उपन्यास 'लाल पसीना' के प्रतिपाद्य तथा समीक्षा से अवगत हो सकेंगे तथा रचनाकार की उपन्यास कला से परिचित हो सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी चयनित प्रवासी रचनाकारों की पठित कहानियों के प्रतिपाद्य और समीक्षा से अवगत हो सकेंगे तथा रचनाकारों की कहानी कला से भी परिचित हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

:.1CO इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रवासी हिन्दी साहित्य के इतिहास ,प्रवासी साहित्य की अवधारणा और प्रकार तथा प्रवासी हिंदी साहित्यकारों के हिन्दी के विकास में योगदान की जानकारी दी जाएगी।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी चयनित प्रवासी रचनाकारों की पठित कविताओं के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा रचनाकारों के सामान्य परिचय एवं उनकी काव्य-कला से अवगत हो सकेंगे।

.3COविद्यार्थी अभिमन्यु अनत के उपन्यास 'लाल पसीना' के प्रतिपाद्य तथा समीक्षा से अवगत हो सकेंगे तथा रचनाकार की उपन्यास कला से परिचित हो सकेंगे।

.4COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी चयनित प्रवासी रचनाकारों की पठित कहानियों के प्रतिपाद्य और समीक्षा से अवगत हो सकेंगे तथा रचनाकारों की कहानी कला से भी परिचित हो सकेंगे।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँ Course) (Outcome
1	प्रवासी हिन्दी साहित्य का इतिहास;प्रवासी साहित्य : अवधारणा और प्रकार ;प्रवासी हिंदी साहित्यकारों का हिन्दी के विकास में योगदान)उपन्यास,कहानी तथा कविता के विशेष सन्दर्भ में (।	30	1C
2	**कविता** : • माँ जब कुछ कहती मैं चुप रह सुनता :रमा तक्षक ,आईसेक्ट पब्लिकेशन • थेम्स नदी के किनारे :तेजेंद्र	30	2C

	शर्मा ,जे वी पी पब्लिकेशन • सहयात्री हैं हम :जय वर्मा ,अयन प्रकाशन • रेत का लिखा :दिव्या माथुर ,नटराज प्रकाशन आलोचना :कविताओं की काव्यगत विशेषताएँ ,पठित कविताओं का प्रतिपाद्य , रचनाकारों का सामान्य परिचय एवं उनकी काव्य-कला।		
3	**उपन्यास** : लाल पसीना :अभिमन्यु अनत ,राजकमल प्रकाशन ,नयी दिल्ली आलोचना :अभिमन्यु अनत की उपन्यास कला ,पठित उपन्यास का प्रतिपाद्य, उपन्यास की समीक्षा।	30	3C
4	**कहानियां** : • घर वापसी :अर्चना पेन्युली • एक स्विस डॉक्टर की मौत : प्रेमलता वर्मा • कौन सी जमीन अपनी : सुधा ओम ढींगरा आलोचना :पठित कहानियों का प्रतिपाद्य, पठित कहानियों की समीक्षा, कहानीकारों की कहानी कला।	30	4C
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	2	2	3	3	2	2	1	3
CO2	3	3	2	3	3	3	2	1	3
CO3	3	3	2	3	3	3	2	1	3

CO4	3	3	2	3	3	3	2	1	3
Average	3	2.75	2	3	3	2.75	2	1	3

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

.1इकाई 2, 3तथा इकाई 4से व्याख्या पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे।
6x3 =18

.2इस पत्र की प्रत्येक इकाई से दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक के विकल्प भी होंगे। 13x4= 52

सहायक ग्रंथ -

1. प्रवासी भारतीय हिंदी साहित्य :सं .विमलेश कांति वर्मा
2. प्रवासी हिंदी साहित्य :दशा और दिशा, प्रो .प्रदीप श्रीधर
3. प्रवासी हिंदी साहित्य :विविध आयाम :डॉ .रमा
4. हिंदी का प्रवासी साहित्य :डॉ .कमलकिशोर गोयनका
5. प्रवासी लेखन :नई जमीन, नया आसमान :अनिल जोशी
6. प्रवासी भारतीयों में हिंदी की कहानियाँ :डॉ .सुरेंद्र गंभीर
7. प्रवासी श्रम इतिहास :धनंजय सिंह
8. प्रवास में :डॉ .उषाराजे सक्सेना
9. प्रवासी साहित्यकार मूल्यांकन, श्रृंखला-1 :तेजेंद्र शर्मा, सं .डॉ .रमा, महेंद्र प्रजापति
10. प्रवासी साहित्य :भाव और विचार :संध्या गर्ग
11. हिंदी प्रवासी साहित्य)गद्य साहित्य(:डॉ .कमलकिशोर गोयनका
12. प्रवासी की कलम से :बादल सरकार

.13प्रतिनिधि आप्रवासी हिंदी कहानियाँ :सं .हिमांशु जोशी, साहित्य अकादमी

षष्ठ सत्र

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	70 :

IDE-HIN-C–C3210

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

उद्देश्य : Learning) eObjectiv L(Os

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा के सामान्य परिचय तथा उसके प्रमुख वादों और

सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त होगी।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी प्लेटो ,अरस्तू और लोंजाइनस के काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों से अवगत हो सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी डॉ .सैमुअल जॉनसन ,वड्र्सवर्थ तथा क्रोचे के काव्य सम्बन्धी मतों से परिचित हो सकेंगे।

L .4Oविद्यार्थी टी.एस .एलियट ,आई.ए .रिचड्र्स तथा सिगमंड फ्रायड के काव्य सिद्धांतों से परिचित हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1CO इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा के सामान्य परिचय तथा उसके प्रमुख वादों और

सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त की।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी प्लेटो ,अरस्तू और लोंजाइनस के काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों से अवगत हुए।

.3COविद्यार्थी डॉ .सैमुअल जॉनसन ,वड्र्सवर्थ तथा क्रोचे के काव्य सम्बन्धी मतों से परिचित हुए।

.4CO विद्यार्थी टी.एस .एलियट ,आई.ए .रिचड्र्स तथा सिगमंड फ्रायड के काव्य सिद्धांतों से परिचित हुए।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (eOutcom
1	पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा का सामान्य परिचय , प्रमुख वाद और सिद्धांत :स्वच्छन्दतावाद, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा आधुनिकतावाद ,प्रतीक , बिम्ब और मिथक।	30	1C
2	क. प्लेटो :काव्य सम्बन्धी अवधारणाएं । ख. अरस्तू :अनुकरण सम्बन्धी अवधारणा, विरेचन एवं त्रासदी के सिद्धांत । ग. लोंजाइनस :उदात्त सिद्धांत ।	30	2C
3	क. डॉ .सैमुअल जॉनसन :नव आभिजात्यवाद। ख. वड्सर्वर्थ :काव्य भाषा का सिद्धांत । ग. क्रोचे :अभिव्यंजना का सिद्धांत ।	30	3C
4	क. टी.एस .इलिएट :परंपरा और वैक्तिक प्रतिभा । ख. आई .ए .रिचडर्स :मूल्य सिद्धांत तथा संप्रेषण का सिद्धांत । ग. सिगमंड फ्रायड का मनोविश्लेषण का सिद्धांत ।	30	4C
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	2	3	3	2	3	2	3	3	1
CO2	2	3	3	2	3	2	3	3	1
CO3	2	3	3	2	3	2	3	3	1
CO4	2	3	3	2	3	2	3	3	1
Average	2	3	3	2	3	2	3	3	1

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1.इस पत्र की प्रत्येक इकाई से दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे । 14x4= 56

2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी ,जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा। 7x2= 14

सहायक ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत :डॉ .शांतिस्वरूप गुप्त
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र :देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र :बच्चन सिंह
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र :इतिहास, सिद्धांत और वाद :डॉ .भगीरथ मिश्र
5. पाश्चात्य साहित्य चिंतन :निर्मला जैन
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : विजय बहादुर सिंह
7.

षष्ठ सत्र

IDE-HIN-CC-3220

छायावाद

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	70 :

उद्देश्य : **Learning) Objective L(Os**

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को छायावादी काव्य प्रवृत्ति तथा जयशंकर प्रसाद की सांस्कृतिक चेतना तथा काव्यगत विशेषताओं की जानकारी प्राप्त होगी ,साथ ही पठित काव्यांश के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा समीक्षा कर सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को निराला के साहित्य में अभिव्यक्त ओज और विद्रोह तथा काव्यगत विशेषताओं की जानकारी प्राप्त होगी ,साथ ही पठित काव्यांश के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा समीक्षा कर सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी पन्त के प्रकृति चित्रण तथा काव्यगत विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे ,साथ ही पठित काव्यांश के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा समीक्षा कर सकेंगे।

L .4Oविद्यार्थी महादेवी वर्मा की कविताओं में अभिव्यक्त प्रेम और वेदना तथा काव्यगत विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे ,साथ ही पठित काव्यांश के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा समीक्षा कर सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने छायावादी काव्य प्रवृत्ति तथा जयशंकर प्रसाद की सांस्कृतिक चेतना तथा काव्यगत विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की ,साथ ही पठित काव्यांश के प्रतिपाद्य को जान सके तथा समीक्षा की।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने निराला के साहित्य में अभिव्यक्त ओज और विद्रोह तथा काव्यगत विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की ,साथ ही पठित काव्यांश के प्रतिपाद्य को जान सके तथा समीक्षा की।

.3COविद्यार्थी पन्त के प्रकृति चित्रण तथा काव्यगत विशेषताओं से अवगत हुए ,साथ ही पठित काव्यांश के प्रतिपाद्य को जान सके तथा समीक्षा की।

.4COविद्यार्थी महादेवी वर्मा की कविताओं में प्रेम और वेदना तथा काव्यगत विशेषताओं से अवगत हुए ,साथ ही पठित काव्यांश के प्रतिपाद्य को जान सके तथा समीक्षा की।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	**जयशंकर प्रसादः** पाठ्य कविता‘ -कामायनी ’का श्रद्धा सर्ग	30	1C
2	**सूर्यकान्त त्रिपाठी निरालाः**	30	2C

	पाठ्य कविताएँ -सखि, बसन्तआया;जागो फिर एक बार 2-		
3	**सुमित्रानन्दन पन्तः** पाठ्य कविताएँ -प्रथम रश्मि;पर्वत प्रदेश में पावस;पतझर	30	3C
4	**महादेवी वर्माः** पाठ्य रचनाएँ -फिर विकल है प्राण मेरे; क्या पूजा क्या अर्चन रे !; मैं नीर भरी दुःख की बदली	30	4C
आलोचना बिंदु: छायावादी काव्य-प्रवृत्ति, जयशंकर प्रसाद सांस्कृतिक चेतना, निराला के साहित्य में ओज और विद्रोह, पन्त का प्रकृति-चित्रण ,महादेवी की कविताओं में प्रेम और वेदना,पठित कविताओं का प्रतिपाद्य, कवियों की काव्यगत विशेषताएँ।			
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	3	2	3	3	2	3	2	3
CO2	3	3	2	3	3	3	3	1	3
CO3	3	3	2	3	3	3	3	1	3
CO4	3	3	2	3	3	3	3	1	3
Average	3	3	2	3	3	2.75	3	1.25	3

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः .1प्रत्येक इकाईयों से व्याख्या पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 6x4 = 24

.2इस पत्र की प्रत्येक इकाई से दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा ,प्रत्येक का विकल्प भी रहेगा। 10x4= 40

3. कुल छह अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर लिखना होगा। 06 =3x2

संदर्भ ग्रन्थः

1. हिन्दी साहित्यः बीसवीं सदी -नन्ददुलारे वाजपेयी
2. जयशंकर प्रसाद -नन्दुलारे वाजपेयी
3. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन -रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. निराला की साहित्य साधनाः भाग 1,2,3 – -डॉ .रामविलास शर्मा
5. निरालाः एक आत्महंता आस्था -दूधनाथ सिंह
6. छायावाद -डॉ .नामवर सिंह
7. महादेवी का काव्य-सौष्ठव -कुमार विमल
8. महादेवी का नया मूल्यांकन -डॉ .गणपतिचन्द्र गुप्त
9. कवि सुमित्रानन्दन पन्त -नन्ददुलारे बाजपेयी
10. पन्त की दार्शनिक चेतना -डॉ .सुरेशचन्द्र गुप्त
11. त्रयी)प्रसाद ,निराला ,पन्त(-डॉ .जानकी वल्लभ शास्त्री

षष्ठ सत्र

IDE-HIN-CC- 3230

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	70 :

प्रेमचन्द

उद्देश्य : **Learning) Objective L(Os**

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी उपन्यास और प्रेमचन्द ,प्रेमचंद के उपन्यास ‘रंगभूमि ’में चरित्र-चित्रण; स्वाधीनता आन्दोलन और किसान समस्या तथा उपन्यास की समीक्षा से अवगत कराया जायेगा।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी पाठ्य उपन्यास ‘गबन ’में चरित्र-चित्रण ,शिल्प ,नारी समस्या ,मध्यवर्गीय संस्कृति तथा उपन्यास की समीक्षा से परिचित हो सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी प्रेमचन्द और हिंदी कहानी ,प्रेमचन्द की कहानी-कला तथा पठित कहानियों की समीक्षा का अध्ययन कर सकेंगे।

L .4Oविद्यार्थी प्रेमचन्द की निबंध-कला तथा पठित निबंधों के प्रतिपाद्य और समीक्षा का अध्ययन कर सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1CO इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी हिन्दी उपन्यास और प्रेमचन्द ,प्रेमचंद के उपन्यास 'रंगभूमि 'में चरित्र-चित्रण; स्वाधीनता आन्दोलन और किसान समस्या तथा उपन्यास की समीक्षा से अवगत हुए।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी पाठ्य उपन्यास 'गबन 'में चरित्र-चित्रण ,शिल्प ,नारी समस्या ,मध्यवर्गीय संस्कृति तथा उपन्यास की समीक्षा से परिचित हुए।

.3CO विद्यार्थियों ने प्रेमचन्द और हिंदी कहानी ,प्रेमचन्द की कहानी-कला तथा पठित कहानियों की समीक्षा का अध्ययन किया।

.4COविद्यार्थियों ने प्रेमचन्द की निबंध-कला तथा पठित निबंधों के प्रतिपाद्य और समीक्षा का अध्ययन किया।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	**उपन्यासः** पाठ्य उपन्यास' -रंगभूमि' आलोचना बिंदु :हिन्दी उपन्यास और प्रेमचन्द; चरित्र-चित्रण; स्वाधीनता आन्दोलन और रंगभूमि; उपन्यास की समीक्षा ;रंगभूमि और किसान समस्या।	30	1C
2	**उपन्यासः** पाठ्य उपन्यासः गबन आलोचना बिंदु :चरित्र-चित्रण; शिल्प; नारी	30	2C

	समस्या का व्यापक चित्रण ;मध्यवर्गीय संस्कृति और गबन ,उपन्यास की समीक्षा।		
3	**कहानियाँ** : पाठ्य-पुस्तकः प्रतिनिधि कहानियाँ; प्रकाशक -राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली। पाठ्य कहानियाँ -बड़े भाई साहब ,नशा ,पूस की रात ,ठाकुर का कुआँ और पंच परमेश्वर। आलोचना बिंदु :प्रेमचन्द और हिंदी कहानी; प्रेमचन्द की कहानी-कला ;पठित कहानियों की समीक्षा।	30	3C
4	**निबन्धः** पाठ्य पुस्तकः प्रेमचन्द के विचार)खण्ड-एक(; सरस्वती प्रेस ,इलाहाबाद। पाठ्य-निबन्ध -स्वराज्य से किसका अहित होगा; डण्डा; महाजनी सभ्यता; दमन की सीमा। आलोचना बिंदु :प्रेमचन्द की निबंध-कला ;पठित निबंधों का प्रतिपाद्य ;पठित निबंधों की समीक्षा।	30	4C
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	3	2	2	3	3	3	1	3
CO2	3	3	2	2	3	3	3	1	3
CO3	3	3	2	2	3	3	3	1	3
CO4	3	3	2	2	3	3	3	1	3
Average	3	3	2	2	3	3	3	1	3

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

.1प्रत्येक इकाई से व्याख्या पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे।
6 x4 = 24

.2इस पत्र की प्रत्येक इकाई से दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक के लिए विकल्प भी रहेगा। 10x4= 40

.3कुल छह अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर लिखना होगा। 06=3x2

सहायक ग्रन्थः

1. प्रेमचन्द और उनका युग -डॉ .रामविलास शर्मा
2. प्रेमचन्दः जीवन और कृतित्व -हंसराज रहबर
3. प्रेमचन्द कोश -डॉ .कमलकिशोर गोयनका
4. कमल के सिपाही -अमृतराय
5. प्रेमचन्द -डॉ .गंगाप्रसाद विमल
6. प्रेमचन्द और यथार्थवाद -डॉ .नगेन्द्रप्रताप सिंह
7. हिन्दी की चर्चित कहानियाः पुनर्मूल्यांकन -डॉ .कुसुम वर्ष्णेय
8. प्रेमचंद संचयन -कमल किशोर गोयनका, निर्मल वर्मा
9. प्रेमचंद की कहानियों का कालक्रमिक अध्ययन -कमल किशोर गोयनका , साहित्य अकादमी
10. प्रेमचंद और किसान समस्या -वीर भारत तलवार
11. प्रेमचंद विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता -मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, रेखा अवस्थी

12. प्रेमचंद और हमारा समाज -आभा गुप्ता ठाकुर, नीरज खरे

13. प्रेमचंद की प्रासंगिकता -अमृत राय

14. भारतीय समाज ,राष्ट्रवाद और प्रेमचंद -जितेन्द्र श्रीवास्तव

षष्ठ सत्र

IDE- HIN-CC-3240

मीडिया के विविध आयाम

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	70 :

उद्देश्य : **Learning) Objective L(sO**

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी मीडिया के उद्भव और विकास के अध्ययन के साथ-साथ मीडिया के विविध रूपों से अवगत हो सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी मीडिया और हिन्दी भाषा के अन्तःसम्बन्ध से परिचित हो सकेंगे और मीडिया में प्रयुक्त हिन्दी शब्दावली और उनके प्रयोग क्षेत्र की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी जनमाध्यम लेखन का परिचय प्राप्त करते हुए मीडिया लेखन के सृजनात्मक आयाम का अध्ययन कर सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सूचना एवं संचार-प्रौद्योगिकी)आई सी टी(तथा न्यू मीडिया के आभासी संचार विधियों से परिचित हो सकेंगे।

उपलब्धियां **–Course) meOutcoC(sO**

C .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को मीडिया के उद्भव और विकास सहित मीडिया के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त हुई।

C .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी मीडिया और हिन्दी भाषा के अन्तःसम्बन्ध से परिचित होते हुए मीडिया में प्रयुक्त हिन्दी शब्दावली और उनके प्रयोग क्षेत्र की जानकारी प्राप्त हुई।

C .3Oविद्यार्थी जनमाध्यम लेखन का परिचय प्राप्त करते हुए मीडिया लेखन के सृजनात्मक आयामों से परिचित हुए।

C .4Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सूचना एवं संचार-प्रौद्योगिकी)आई सी टी(तथा न्यू मीडिया के आभासी संचार विधियों से अवगत हुए।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	मीडिया :उद्भव और विकास, स्वाधीनता पूर्व मीडिया लेखन, स्वातंत्र्योत्तर मीडिया लेखन, मीडिया की उपयोगिता, मीडिया के विविध रूप -प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया – टेलीविजन, रेडियो और सिनेमा।	30	1C
2	मीडिया और हिन्दी भाषा :मीडिया में प्रयुक्त हिन्दी शब्दावली और उनका प्रयोग क्षेत्र ,हिन्दी मीडिया का वर्तमान स्वरूप ,समाचार लेखन की भाषा ,रेडियो तथा टेलीविज़न हेतु हिन्दी कार्यक्रम निर्माण ,सोशल मीडिया की भाषा।	30	2C
3	जनमाध्यम लेखन :परिचय एवं अवधारणा ,मीडिया लेखन के सृजनात्मक आयाम ,समाचार लेखन,फीचर लेखन ,स्तंभ लेखन ,अग्रलेख लेखन ,इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन -रेडियो ,टेलीविज़न एवं फिल्म।	30	3C
4	सूचना एवं संचार-प्रौद्योगिकी)आई सी टी :(न्यू मीडिया का आभासी संचार)वर्चुअल वर्ल्ड ,(डिजिटलाइजेशन एवं हिंदी मीडिया ,न्यू मीडिया के विविध रूप:न्यूमीडिया का सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव।	30	4C
	कुल अध्ययन-अवधि	120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5

CO1	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO2	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO3	2	2	1	3	2	2	1	3	2
CO4	2	2	1	3	2	2	1	3	2
Average	2	2.50	1	3	2	2	1	3	2

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

.1इस पत्र की प्रत्येक इकाई से दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा ,प्रत्येक के लिए विकल्प भी होंगे। 14x4= 56

2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी ,जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा। 7x2= 14

सहायक ग्रंथ :

1. विज्ञापन माध्यम एवं प्रचार :डॉ .विजय कुलश्रेष्ठ
2. जनसंचार माध्यम :विविध आयाम :बृज मोहन गुप्त
3. जनमाध्यम :संप्रेषण और विकास :देवेन्द्र इस्सर
4. हिंदी पत्रकारिता :कल आज और कल :सं .सुरेश गौतम
5. मीडिया की भाषा :डॉ .वसुधा गाडगिल
6. टेलीविजन की दुनिया :प्रभु झिंगरन
7. पत्र संपादन कला :नन्द किशोर त्रिखा

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	70 :

षष्ठ सत्र

IDE-HIN-MC-4210

राष्ट्रीय चेतना का साहित्य

उद्देश्य : **Learning) Objective L(Os**

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतेंदु हरिश्चंद के नाटक 'भारत दुर्दशा 'के प्रतिपाद्य ,नाट्य तत्वों के आधार पर
इसकी समीक्षा तथा भारतेंदु की नाट्य-कला की जानकारी प्राप्त होगी।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी चयनित कहानीकारों की कहानी कला ,पठित कहानियों की समीक्षा तथा उनके प्रतिपाद्य से
अवगत हो सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी चयनित निबंधकारों के निबंधों की विशेषताएँ ,पठित निबंधों की समीक्षा तथा उनके प्रतिपाद्य से परिचित हो
सकेंगे।

L .4Oविद्यार्थी हिंदी संस्मरण के उद्भव और विकास तथा उसके तत्वों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे तथा पठित निबंधों की
समीक्षा कर सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1CO इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतेंदु हरिश्चंद के नाटक 'भारत दुर्दशा 'के प्रतिपाद्य ,नाट्य तत्वों के आधार पर
इसकी समीक्षा एवं भारतेंदु की नाट्य-कला की जानकारी प्राप्त हुई।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी चयनित कहानीकारों की कहानी कला ,पठित कहानियों की समीक्षा तथा उसके प्रतिपाद्य से
अवगत हुए।

.3COविद्यार्थी चयनित निबंधकारों के निबंधों की विशेषताओं ,पठित निबंधों की समीक्षा तथा उनके प्रतिपाद्य से परिचित हुए।

.4COविद्यार्थियों ने हिंदी संस्मरण के उद्भव और विकास तथा उसके तत्वों की जानकारी प्राप्त की तथा पठित निबंधों की

समीक्षा की।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँ (Course Outcome)
1	**नाटक** : भारतेंदु हरिश्चंद :भारत दुर्दशा आलोचना बिंदु :भारतेंदु की नाट्य-कला ;नाट्य तत्व के आधार पर नाटक की समीक्षा ;नाटक का प्रतिपाद्य।	30	1C
2	**कहानी** : पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' :ऐसी होली खेलो ,लाल प्रेमचन्द :यही मेरा वतन है आलोचना बिंदु :कहानीकारों की कहानी-कला ;पठित कहानियों की समीक्षा ;कहानियों का प्रतिपाद्य ।	30	2C
3	**निबंध** : रामधारी सिंह 'दिनकर' :भारत की सांस्कृतिक एकता महादेवी वर्मा :चीनी भाई आलोचना बिंदु :निबंधकारों की निबंध की विशेषताएँ ; पठित निबंधों की समीक्षा ;पठित निबंधों का प्रतिपाद्य ।	30	3C
4	**संस्मरण** : महादेवी वर्मा :प्रणाम रामकुमार वर्मा :महात्मा गाँधी आलोचना बिंदु :हिंदी संस्मरण :उद्भव और विकास ; संस्मरण के तत्व; पठित संस्मरण के आधार पर रवीन्द्रनाथ टैगोर तथा महात्मा गाँधी के व्यक्तित्व का विश्लेषण ।	30	4C
	कुल अध्ययन-अवधि	**120**	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO2	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO3	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO4	2	3	1	3	2	2	1	3	2
Average	2	3	1	3	2	2	1	3	2

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से व्याख्या पूछी जाएगी ,प्रत्येक के लिए विकल्प भी होंगे। 6x4= 24
2. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा ,प्रत्येक के लिए विकल्प भी होंगे। 10x4= 40
3. कुल छह अति लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर लिखना होगा। 2x3= 06

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी का गद्य विन्यास और विकास :रामस्वरूप चतुर्वेदी
2. हिंदी गद्य साहित्य :रामचन्द्र तिवारी
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास :सं .नगेन्द्र ,हरदयाल ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास :डॉ .बच्चन सिंह ,राधाकृष्ण प्रकाशन ,
5. अवध का किसान विद्रोह :सुभाष चंद्र कुशवाहा, राजकमल प्रकाशन
6. चौरी-चौरा :सुभाष चंद्र कुशवाहा, पेंगुइन बुक्स

7. कथेतर गद्य :माधव हाड़ा
8. हिंदी नाटक और रंगमंच :गिरीश रस्तोगी ,अभिव्यक्ति प्रकाशन
9. गद्य की नई विधाओं का विकास :माजदा असद
10. हिन्दी कहानी का विकास -मधुरेश ,लोकभारती ,दिल्ली
11. हिन्दी कहानी का इतिहास ,भाग-I, II,III और IV -गोपाल राय, राजकमल, दिल्ली
12. हिन्दी कहानी :पहचान और परख -इन्द्रनाथ मदान
13. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास –डॉ .दशरथ ओझा ,राजपाल एण्ड सन्स ,दिल्ली
14. रंग दर्शन -नेमिचन्द्र जैन
15. संस्कृति के चार अध्याय -रामधारी सिंह ‘दिनकर’
16. दिनकर :एक पुनर्विचार -कुमार निर्मलेंदु ,लोकभारती
17. प्रयाग पथ पत्रिका)दिनकर विशेषांक(-हितेश कुमार सिंह
18. महादेवी और संस्मरणात्मक रेखचित्र -डॉ .अनुराधा

सप्तम सत्र

IDE- HIN-CC- 4110

हिन्दी साहित्य का इतिहास

)आदिकाल से रीतिकाल तक(

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	70 :

उद्देश्य : Learning) Objective L(Os

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को साहित्य के इतिहास दर्शन ,इतिहास लेखन की पद्धतियाँ ,समस्याएँ, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा ,काल विभाजन ,सीमा-निर्धारण और नामकरण की जानकारी प्राप्त होगी।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि ,परिस्थितियों ,प्रवृत्तियों एवं विभिन्न धाराओं तथा आदिकालीन साहित्य की भाषा से अवगत हो सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी भक्ति-आन्दोलन के उद्भव और विकास ,पृष्ठभूमि ,परिस्थितियों ,प्रवृत्तियों ,भक्ति के अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्त :प्रादेशिक वैशिष्ट्य ,भक्ति साहित्य की विभिन्न धाराओं तथा भाषा दृष्टि एवं काव्य भाषा ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

L .4Oविद्यार्थी रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि ,परिस्थितियों ,प्रवृत्तियों ,रीति की अवधारणा तथा रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराओं से अवगत हो सकेंगे तथा रीतिकालीन साहित्य की काव्य भाषा तथा अभिव्यंजना शिल्प को जान सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(sO

.1COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों को साहित्य के इतिहास दर्शन ,इतिहास लेखन की पद्धतियाँ ,समस्याएँ, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा ,काल विभाजन ,सीमा-निर्धारण और नामकरण की जानकारी हुई।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि ,परिस्थितियों ,प्रवृत्तियों एवं विभिन्न धाराओं तथा आदिकालीन साहित्य की भाषा से अवगत हुए।

.3COविद्यार्थी भक्ति-आन्दोलन के उद्भव और विकास ,पृष्ठभूमि ,परिस्थितियों ,प्रवृत्तियों ,भक्ति के अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्त :प्रादेशिक वैशिष्ट्य ,भक्ति साहित्य की विभिन्न धाराओं तथा भाषा दृष्टि एवं काव्य भाषा ज्ञान प्राप्त किया।

.4COविद्यार्थी रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि ,परिस्थितियों ,प्रवृत्तियों ,रीति की अवधारणा तथा रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराओं से अवगत हुए तथा रीतिकालीन साहित्य की काव्य भाषा तथा अभिव्यंजना शिल्प को भी जान सके।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँ Course) (Outcome
1	साहित्य का इतिहास दर्शन और इतिहास लेखन की पद्धतियां; साहित्येतिहास लेखन की समस्याएँ; हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा ,हिन्दी साहित्य का इतिहास :काल विभाजन ,सीमा-निर्धारण और नामकरण।	30	1C
2	आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियां ; रासो साहित्य ,नाथ साहित्य ,जैन साहित्य, बौद्ध-सिद्ध साहित्य; अमीर खुसरो की हिन्दी कविता एवं लोक काव्य ; आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियां ;आदिकालीन साहित्य की भाषा।	30	2C
3	भक्ति-आन्दोलन :उद्भव और विकास; भक्तिकाल की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियां ;भक्ति का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्त :प्रादेशिक वैशिष्ट्य; भक्ति	30	3C

	साहित्य की विभिन्न धाराएं -संत काव्य ,सूफी काव्य ,कृष्ण काव्य ;राम काव्य ;परिचय ,प्रवृत्तियां ,प्रमुख रचनाएं और रचनाकार ,भक्तिकालीन साहित्य और लोकजागरण , भक्तिकालीन कवियों की भाषा दृष्टि एवं काव्य भाषा।		
4	रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियां ;रीति की अवधारणा और रीति काव्य ;रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं : सामान्य परिचय, रचनाएं ,रचनाकार एवं प्रमुख प्रवृत्तियां ;रीतिकालीन काव्य भाषा एवं अभिव्यंजना शिल्प।	30	4C
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	3	3	1	3	2	2	1	2
CO2	3	3	3	1	3	2	2	1	2
CO3	3	3	2	1	3	2	2	1	3
CO4	3	3	3	1	3	2	2	1	2
Average	3	3	2.75	1	3	2	2	1	2.25

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देश :

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा ,प्रत्येक के लिए विकल्प भी होंगे ।
   14x4= 56
2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी ,जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा ।
   7x2= 14

सहायक ग्रंथ :

.1हिन्दी साहित्य का इतिहास -रामचन्द्र शुक्ल ,नागरी प्रचारिणी सभा ,काशी।

.2हिन्दी साहित्य की भूमिका -हजारीप्रसाद द्विवेदी ,राजकमल प्रकाशन , दिल्ली ।

.3हिन्दी साहित्य का आदिकाल -हजारीप्रसाद द्विवेदी ,राजकमल प्रकाशन , दिल्ली।

.4हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास -हजारीप्रसाद द्विवेदी ,राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली ।

.5हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास -डॉ .बच्चन सिंह ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली।

.6हिन्दी साहित्य का अतीत :भाग 2 ,1 -विनय प्रसाद मिश्र ,वाणी वितान , ब्रहमनाल ,वाराणसी।

.7हिन्दी साहित्य का इतिहास -सं .नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली।

.8हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास -डॉ .रामस्वरूप चतुर्वेदी ,लोकभारती , इलाहाबाद।

.9हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी -आ .नन्ददुलारे वाजपेयी ,लोकभारती , इलाहाबाद।

.10हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन -नलिन विलोचन शर्मा ,बिहार राष्ट्रभाषा परिषद ,पटना।

.11हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास

प्रथम एवं द्वितीय खण्ड -डॉ .गणपति चन्द्र गुप्त ,लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद।

.12हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास -डॉ .राम कुमार वर्मा, लोकभारती

.13साहित्य और इतिहास दर्शन - डॉ .मैनेजर पाण्डेय

.14साहित्य की समाजशास्त्रीय भूमिका -डॉ .मैनेजर पाण्डेय

.15आलम)हिंदी कवि (-भवदेव पाण्डेय , साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

.16कबीर -प्रभाकर माचवे, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.17केशव दास -जगदीश गुप्त, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.18चंडी दास -सुकुमार सेन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.19गोस्वामी तुलसीदास -रामजी तिवारी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.20गोरखनाथ -नागेन्द्र नाथ उपाध्याय, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.21घनानन्द -लल्लन राय, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

सप्तम सत्र

IDE-HIN-CC- 4120

आदिकालीन साहित्य एवं निर्गुण भक्ति काव्य

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	70 :

उद्देश्य : Learning) Objective L(Os

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सरहपा और चंदबरदाई की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा का अध्ययन कर सकेंगे ,साथ ही उनके काव्यगत वैशिष्ठ्य तथा अन्य आलोचनात्मक पक्षों से भी अवगत हो सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी विद्यापति और जायसी की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा का अध्ययन करेंगे ,साथ ही उनके काव्यगत वैशिष्ठ्य तथा अन्य आलोचनात्मक पक्षों से अवगत हो सकेंगे।

L .3Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी कबीर और शंकरदेव की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा का अध्ययन करेंगे ,साथ ही उनके काव्यगत वैशिष्ठ्य तथा अन्य आलोचनात्मक पक्षों से अवगत हो सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी रैदास और दादू की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा का अध्ययन करेंगे ,साथ ही उनके काव्यगत वैशिष्ठ्य तथा अन्य आलोचनात्मक पक्षों से अवगत हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने सरहपा और चंदबरदाई की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा का अध्ययन किया ,साथ ही उनके काव्यगत वैशिष्ठ्य तथा अन्य आलोचनात्मक पक्षों से अवगत हुए।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने विद्यापति और जायसी की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा का अध्ययन किया, साथ ही उनके काव्यगत वैशिष्ठ्य तथा अन्य आलोचनात्मक पक्षों से अवगत हुए।

.3COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने कबीर और शंकरदेव की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा का अध्ययन किया ,साथ ही उनके काव्यगत वैशिष्ठ्य तथा अन्य आलोचनात्मक पक्षों से अवगत हुए।

.4COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने रैदास और दादू की चयनित कविताओं की व्याख्या और समीक्षा का अध्ययन किया ,साथ ही उनके काव्यगत वैशिष्ठ्य तथा अन्य आलोचनात्मक पक्षों से अवगत हुए।

इकाई	**विषय**	**अध्ययन अवधि**	**उपलब्धियाँ** Course) (Outcome
1	**क. सरहपा** सिद्ध साहित्य का अन्त:प्रादेशिक प्रभाव, सिद्ध साहित्य और सरहपा, सरहपाका काव्यगत वैशिष्ठ्य। पाठ्य पुस्तक आदिकालीन काव्य, सं .वासुदेव सिंह ; विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी।	30	1C

	पाठांश -दोहा कोष से दोहा संख्या – 1,2,5,6,7,9,11,12,13तथा 14 **ख . चंदबरदाई** पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता ;शशिव्रता विवाह प्रस्ताव का प्रतिपाद्य; शशिव्रता विवाह प्रस्ताव का काव्यगत वैशिष्ट्य; रासो की काव्य-भाषा। पाठ्य पुस्तक -पृथ्वीराज रासो-संपादक -हजारी प्रसाद द्विवेदी ,डॉ .नामवर सिंह पाठांश :छंद सं 1 .से 18तक		
2	**क. विद्यापति** गीतिकाव्य परम्परा और विद्यापति पदावली; पदावली में भक्ति और शृंगार; विद्यापति की सौन्दर्य दृष्टि तथा विद्यापति का काव्यगत वैशिष्ट्य। पाठ्यपुस्तक -विद्यापति पदावली ;सम्पा -. डॉ .शिव प्रसाद सिंह पाठांश–पद संख्या 1-से ,8,10,16,18,26,51,53,54,56,57 58तथा 60 **ख .जायसी** सूफी काव्य परम्परा और जायसी; नागमती वियोग वर्णन; पद्मावत का प्रेम-वर्णन ;जायसी का काव्यगत वैशिष्ट्य। पाठ्य पुस्तक –जायसी ग्रन्थावली ;सम्पा -आ .रामचन्द्र शुक्ल पाठांश :नागमती वियोग खण्ड, पद सं 4 -.से 15तक	30	2C
3	**कबीर** सन्त-काव्य और कबीर; कबीर की भक्ति-भावना; कबीर-काव्य का सामाजिक पक्ष, कबीर की दार्शनिकचेतना। पाठ्य पुस्तक –कबीर :हजारीप्रसाद द्विवेदी	30	3C

	पाठांश-पद 1,2,33,41,123,130,134,160,163,168,191,199,224,247 256, **शंकरदेव** शंकरदेव :व्यक्तित्व और कृतित्व; भक्ति का अखिल भारतीय स्वरूप और शंकरदेव; शंकरदेव की भक्ति; शंकरदेव की काव्य–भाषा और ब्रजावली। पाठ्य पुस्तक :भूपेन्द्रराय चौधरी : शंकरदेव :व्यक्तित्व एवं कृतित्व पाठांश : पुस्तक में संकलित पाँचों बरगीत		
4	**रैदास** रैदास की भक्ति-भावना; रैदास की सामाजिक चेतना, रैदास का दर्शन, रैदास की काव्यगत विशेषताएँ। पाठ्य पुस्तक –रैदास बानी ;सं .शुकदेव सिंह ; विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। पाठ्य पद संख्या 82 ,75 ,72 ,71 ,66 ,62 ,58 ,46 ,42 ,41 : **दादू दयाल** सन्त काव्य और दादू की रचनाएँ; दादू की शिष्य परम्परा; दादू का दार्शनिक वैशिष्ट्य; दादू-काव्य का भाषिक वैशिष्ट्य। पुस्तक –संत-काव्य ;सम्पा.परशुराम चतुर्वेदी ;किताब महल , इलाहाबाद। पाठांश :प्रारम्भ से पाँच पद।	30	4C
कुल अध्ययन-अवधि		**120**	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	3	3	3	2	3	3	3	1	3
CO2	3	3	3	2	3	3	3	1	3
CO3	3	3	3	2	3	3	3	1	3
CO4	3	3	3	2	3	3	3	1	3

Average	3	3	3	2	3	3	3	1	3

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देश :

.1प्रत्येक इकाई से व्याख्या पूछी जायेगी ,जिसके विकल्प भी होंगे। 24=4×6

.2प्रत्येक इकाई से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनके विकल्प भी होंगे। 40 =4×10

.3कुल छह अति लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर लिखना होगा। 06 =3×2

सहायक ग्रंथ:

.1हिन्दी साहित्य का आदिकाल -डॉ हजारीप्रसाद द्विवेदी ,बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् ,पटना।

.2पृथ्वीराज रासो :भाषा और साहित्य -डॉ .नामवर सिंह ,राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली ।

.3कबीर -हजारी प्रसाद द्विवेदी ,राजकमल प्रकाशन , दिल्ली ।

.4कबीर बीजक की भाषा -डॉ .शुकदेव सिंह ,विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी।

.5जायसी -विजयदेव नारायण साही ,हिन्दुस्तानी एकेडमी , इलाहाबाद।

.6सूफीमत :साधना और साहित्य -डॉ .रामपूजन तिवारी ,ज्ञानमंडल ,काशी।

.7मध्यकालीन धर्म साधना -डॉ .हजारी प्रसाद द्विवेदी ,साहित्य भवन , इलाहाबाद।

.8नाथ पंथ और संत साहित्य -डॉ .नगेन्द्रनाथ उपाध्याय ,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रकाशन।

.9संत साहित्य की समझ -डॉ .नन्द किशोर पाण्डेय ,यश पब्लिकेशन, दिल्ली ।

.10मध्यकालीन काव्य आन्दोलन -डॉ .सत्यप्रकाश मिश्र
.11साहित्य विमर्श का विवेक -डॉ .सुशील कुमार शर्मा ,मीनाक्षी प्रकाशन , दिल्ली।
.12मधुमालती में प्रेम-व्यंजना -डॉ .सुशील कुमार शर्मा ,उपहार प्रकाशन , दिल्ली।
.13शंकरदेव :साहित्यकार और विचारक -प्रो .कृष्णनारायण प्रसाद मागध।
.14दादूपन्थ :साहित्य और समाज दर्शन - डॉ .ओकेन लेगो ;यश पब्लिकेशन , दिल्ली।
.15विद्यापति :अनुशीलन और मूल्यांकन -डॉ .वीरेन्द्र श्रीवास्त्व ,बिहार ग्रन्थ अकादमी , पटना।
.16सामाजिक समरसता में मुसलमान हिन्दी कवियों का योगदान -डॉ .लखनलाल खरे ,रजनी प्रकाशन ,दिल्ली ।
.17हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान - डॉ .नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
.18लोहित के मानसपुत्र :शंकरदेव -सांवरमल सांगानेरिया; हेरिटेज फाउंडेशन
.19जगनिक -अयोध्या प्रसाद कुमुद, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.20दादूदयाल -रामबक्ष, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.21पुष्पदंत -योगेन्द्र नाथ शर्मा'अरुण', साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.22रहीम -विजयेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.23रैदास -धर्मपाल मैनी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.24विद्यापति -रमानाथ झा, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.25स्वयंभू -सदानन्द शाही, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.26सरहपा -विश्वम्भर नाथउपाध्याय, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.27संत कवि दादू -बलदेव बंशी
.28विद्यापति -लालसा यादव

सप्तम सत्र

IDE- HIN-CC- 4130

भारतीय काव्य शास्त्र

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	:30
सत्रांत परीक्षा	: 7 0

उद्देश्य : Learning) Objective L(Os

L .1Oइस पत्र के अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र के संक्षिप्त इतिहास ,काव्य लक्षण, हेतु, प्रयोजन, प्रकार, गुण-दोष, शब्द शक्तियों और काव्य भेद से परिचित हो सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी रस की अवधारणा ,रस निष्पत्ति संबंधी विभिन्न अवधारणाओं तथा साधारणीकरण की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे।

L .3Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी ध्वनि सिद्धांत ,रीति सिद्धांत ,वक्रोक्ति सिद्धांत तथा औचित्य सिद्धांत की परिभाषा, अवधारणा और भेदों से परिचित हो सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी अलंकार सिद्धांत की अवधारणा, प्रमुख अलंकारों की परिभाषा एवं उनके उदाहरण को समझ सकेंगे। वे विभिन्न छंदों की परिभाषा, तत्व, वर्गीकरण एवं प्रमुख छंदों के लक्षण एवं उदाहरण से भी परिचित हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1COइस पत्र के अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र के संक्षिप्त इतिहास ,काव्य लक्षण, हेतु, प्रयोजन, प्रकार, गुण दोष, शब्द शक्तियों और काव्य भेद से अवगत हुए।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को रस की अवधारणा ,रस निष्पत्ति संबंधी विभिन्न अवधारणाओं तथा साधारणीकरण की अवधारणा की जानकारी प्राप्त हुई।

.3COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी ध्वनि सिद्धांत ,रीति सिद्धांत ,वक्रोक्ति सिद्धांत तथा औचित्य सिद्धांत की परिभाषा, अवधारणा और भेदों से परिचित हुए।

.4COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी अलंकार सिद्धांत की अवधारणा, प्रमुख अलंकारों की परिभाषा एवं उनके उदाहरण को समझ सके। वे विभिन्न छंदों की परिभाषा, तत्व, वर्गीकरण एवं प्रमुख छंदों के लक्षण एवं उदाहरण से भी परिचित हुए।

इकाई	**विषय**	**अध्ययन अवधि**	**उपलब्धियाँ** Course) (Outcome
1	भारतीय काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास ;प्रमुख आचार्यों का परिचय; काव्य लक्षण; काव्य हेतु; काव्य प्रयोजन; काव्य के प्रकार; काव्य के गुण-दोष; शब्द-शक्तियाँ ;काव्य-भेद।	30	1C
2	**रस सिद्धान्त** :रस :अवधारणा; रस निष्पत्ति :भट्ट लोल्लट ; भट्ट शंकुक; भट्टनायक ;अभिनवगुप्त ;साधारणीकरण की अवधारणा :भट्टनायक ;अभिनवगुप्त ;रामचन्द्र शुक्ल ;डॉ . नगेन्द्र।	30	2C
3	**विभिन्न काव्य सिद्धान्त :** ध्वनि सिद्धान्त :ध्वनि की परिभाषा तथा उसका भेद ;ध्वनि सिद्धांत की मूल स्थापनाएं: रीति सिद्धान्त :रीति सिद्धान्त की मूल स्थापनाएं;रीति का अर्थ ;रीति के भेद : वक्रोक्ति सिद्धान्त :वक्रोक्ति की अवधारणा ;वक्रोक्ति के भेद : औचित्य सिद्धान्त :औचित्य की अवधारणा तथा उसके भेद।	30	3C
4	**अलंकार सिद्धांत:** अलंकार सिद्धान्त की अवधारणा ,अलंकारों	30	4C

		का सोदाहरण परिचय –अनुप्रास, श्लेष,प्रतीप ,निदर्शना ,अप्रस्तुत प्रशंसा , काव्यलिंग ,विभावना ,अपह्नुति , रूपकातिशयोक्ति तथा विरोधाभास। **छन्द** :छन्द की परिभाषा और तत्व, छन्दों का वर्गीकरण ;काव्य में छन्दों का महत्व। अग्रांकितछन्दों के लक्षण और उदाहरण -वंशस्थ , वसन्ततिलका, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडित, कवित्त ,दोहा ,चौपाई,हरिगीतिका ,कुण्डलिया , छप्पय तथा मुक्त छन्द।		
कुल अध्ययन-अवधि			120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	2	3	3	2	3	2	3	3	1
CO2	2	3	3	2	3	2	3	3	1
CO3	2	3	3	2	3	2	3	3	1
CO4	2	3	3	2	3	2	3	3	1
Average	2	3	3	2	3	2	3	3	1

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा ,प्रत्येक के लिए विकल्प भी होंगे ।
14x4= 56

2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जाएगी ,जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा।
7 x2= 14

सहायक ग्रंथ

.1हिस्ट्री आफ संस्कृत पोयटिक्स -पी.बी .काणे, मोतीलाल बनारसीदास , दिल्ली।
.2साहित्य शास्त्र -गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे ,पापुलर बुक डिपो ,पूना।
.3भारतीय काव्यशास्त्र -सत्यदेव चौधरी।
.4काव्यशास्त्र की भूमिका -डॉ .नगेन्द्र ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली ।
.5भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज -डॉ .राममूर्ति त्रिपाठी ,राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली।
.6रस सिद्धान्त -डॉ .नगेन्द्र
.7हिन्दी काव्य शास्त्र का इतिहास -भगीरथ मिश्र
.8काव्य शास्त्र -भगीरथ मिश्र ,विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी।
.9साहित्य शास्त्र और काव्य भाषा -डॉ .सियाराम तिवारी।
.10काव्य समीक्षा -डॉ .विक्रमादित्य राय।
.11लिटेरेरी क्रिटिसिज्म -राय एण्ड द्विवेदी ,मोतीलाल बनारसी दास ,दिल्ली।
.12नई समीक्षा के प्रतिमान -डॉ .निर्मला जैन
.13काव्य के तत्व -देवेन्द्रनाथ शर्मा ,लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद।
.14साहित्य मीमांसा के आयाम -डॉ .श्याम शंकर सिंह ,साहित्य सहकार , दिल्ली।
.15सुगम भारतीय काव्यशास्त्र -डॉ .धर्मदेव तिवारी शास्त्री, चन्द्रमुखी प्रकाशन, दिल्ली
.16काव्यशास्त्र विमर्श -डॉ .कृष्ण प्रसाद नारायण मागध, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
.17पंडितराज जगन्नाथ -पी .रामचंद्र्दु , साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.18मम्मट -जगन्नाथ पाठक, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.19राजशेखर -प्रभुनाथ द्विवेदी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.20क्षेमेन्द्र -ब्रजमोहन चतुर्वेदी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

.21संस्कृत काव्यशास्त्र और काव्य परम्परा -राधावल्लभ त्रिपाठी

सप्तम सत्र

IDE- HIN-CC- 4140

कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	:30
सत्रांत परीक्षा	70 :

उद्देश्य : **Learning) Objective L(Os**

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी राजेंद्र बाला घोष, माधवराव सप्रे, प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, जैनेंद्र कुमार तथा फणीश्वरनाथ रेणु की चयनित कहानियों के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा समीक्षा कर सकेंगे ,साथ ही रचनाकारों की कहानी कला से परिचित हो सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी निर्मल वर्मा ,अज्ञेय ,भीष्म साहनी ,कृष्णा सोबती ,शेखर जोशी तथा ज्ञानरंजन की चयनित कहानियों के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा समीक्षा कर सकेंगे ,साथ ही रचनाकारों की कहानी कला से परिचित हो सकेंगे।

L .3Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी चयनित रेखाचित्रों और संस्मरणों के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा समीक्षा कर सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी विष्णु प्रभाकर द्वारा लिखित जीवनी 'आवारा मसीहा 'के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा समीक्षा कर सकेंगे ,साथ ही जीवनी साहित्य के तत्वों से भी परिचित हो सकेंगे।

उपलब्धियां **–Course) OutcomeC(Os**

.1CO इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी राजेंद्र बाला घोष, माधवराव सप्रे, प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, जैनेंद्र कुमार तथा फणीश्वरनाथ रेणु की चयनित कहानियों के प्रतिपाद्य को जान सके तथा समीक्षा की ,साथ ही रचनाकारों की कहानी कला से परिचित हुए।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी निर्मल वर्मा ,अज्ञेय ,भीष्म साहनी ,कृष्णा सोबती ,शेखर जोशी तथा ज्ञानरंजन की चयनित कहानियों के प्रतिपाद्य को जान सके तथा समीक्षा की ,साथ ही रचनाकारों की कहानी कला से परिचित हुए।

.3COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी चयनित रेखाचित्रों और संस्मरणों के प्रतिपाद्य को जान सके तथा समीक्षा की।

.4COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी विष्णु प्रभाकर द्वारा लिखित जीवनी 'आवारा मसीहा 'के प्रतिपाद्य को जान सके तथा समीक्षा की ,साथ ही जीवनी साहित्य के तत्वों से भी परिचित हुए।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	**कहानी** राजेन्द्र बाला घोष)बंग महिला(:दुलाईवाली माधवराव सप्रे एक टोकरी भर मिट्टी प्रेमचंद : दुनिया का सबसे अनमोल रतन जयशंकर प्रसाद : आकाशदीप जैनेन्द्र अपना-अपना भाग्य फणीश्वरनाथ रेणु : लाल पान की बेगम	30	1C
2	**कहानी** निर्मल वर्मा :परिन्दे अज्ञेय :गैंग्रीन भीष्म साहनी :अमृतसर आ गया कृष्णा सोबती :सिक्का बदल गया शेखर जोशी :कोसी का घटवार ज्ञानरंजन :पिता	30	2C

3	**रेखाचित्र और संस्मरण**)क .(अतीत के चलचित्र :महादेवी वर्मा पाठ्य रचनाएँ रामा; भाभी)ख .(माटी की मूरतें :रामवृक्ष बेनीपुरी पाठ्य रचनाएँ :बलदेव सिंह; सरजू भैया)ग .(संस्मरण और रेखाचित्र : सम्पाः उर्मिला मोदी ; अनुराग प्रकाशन ,वाराणसी पाठ्य रचना :महाकवि जयशंकर प्रसाद -शिवपूजन सहाय	30	3C
4	**जीवनी** आवारा मसीहा)विद्यार्थी संस्करण(:विष्णु प्रभाकर	30	4C
	कुल अध्ययन-अवधि	120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO2	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO3	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO4	2	3	1	3	2	2	1	3	2
Average	2	3	1	3	2	2	1	3	2

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

.1प्रत्येक इकाई से व्याख्या पूछी जायेगी ,जिनके विकल्प भी होंगे। 24=4×6

.2प्रत्येक इकाई से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनके विकल्प भी होंगे। 40=4×10

.3कुल छह टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी ,जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर लिखना होगा 06 = 3x2

सहायक ग्रंथः-

.1हिन्दी कहानी का विकास -मधुरेश ,लोकभारती ,दिल्ली।

.2हिन्दी कहानी का इतिहास ,भाग-I, II,III और IV -गोपाल राय, राजकमल, दिल्ली

.3हिन्दी कहानी :पहचान और परख -इन्द्रनाथ मदान

.4कहानी :नई कहानी -डॉ .नामवर सिंह ,लोकभारती , इलाहाबाद।

.5नई कहानी :संदर्भ और प्रकृति -सं .देवीशंकर अवस्थी ,राजकमल , दिल्ली।

.6समकालीन हिन्दी साहित्य :विविध परिदृश्य - रामस्वरूप चतुर्वेदी,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

.7हिन्दी जीवनी साहित्य :सिद्धान्त और अध्ययन -डॉ .भगवानशरण भारद्वाज , परिमल प्रकाशन

.8हिन्दी गद्य का विकास -डॉ .रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।

.9निर्मल वर्मा -कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी

.10प्रेमचन्द -कमलकिशोर गोयनका, साहित्य अकादेमी

.11फणीश्वर नाथ 'रेणु' -सुरेन्द्र चौधरी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

.12भीष्म साहनी -रमेश उपाध्याय, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

.13अज्ञेय का कथा साहित्य -चंद्रकांत बान्दिवडेकर

.14शेखर जोशी :कुछ जीवन की कुछ लेखन की -नवीन जोशी ,नवारुण प्रकाशन

.15शेखर जोशी :कथा समग्र -नवीनचन्द्र जोशी

सप्तम सत्र

IDE- HIN-MC- 4150

भारतीय साहित्य

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	70 :

सत्रांत परीक्षा 70 :

उद्देश्य : Learning) Objective L(Os

LO1. इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय साहित्य की परंपरा, स्वरूप, उसके अध्ययन की समस्याएं, उसमें अभिव्यक्त मानव-मूल्य, एकतामूलक तत्व तथा सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों का अध्ययन करेंगे, साथ ही भारतीय साहित्य में आज के भारत के बिंब की समीक्षा करेंगे।

LO2. इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी चयनित उपन्यास 'कन्या का मूल्य' के लेखक का परिचय, चरित्र-चित्रण तथा प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा समीक्षा कर सकेंगे। इसके साथ ही चयनित भारतीय रचनाकारों की पठित कहानियों के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे, समीक्षा कर सकेंगे तथा लेखकों की कहानी-कला से भी अवगत हो सकेंगे।

LO3. विद्यार्थी चयनित नाटक 'हयवदन' के पात्रों का चरित्र-चित्रण और समीक्षा का अध्ययन कर सकेंगे, साथ ही गिरीश कर्नाड की नाट्य-कला से भी परिचित हो सकेंगे।

LO4. विद्यार्थी चयनित भाषाओं की पठित कविताओं की व्याख्या और प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा समीक्षा कर सकेंगे, साथ ही कवियों की काव्यगत विशेषताओं का भी अध्ययन कर सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

CO .1इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय साहित्य की परंपरा, स्वरूप, उसके अध्ययन की समस्याएं, उसमें अभिव्यक्त मानव-मूल्य, एकतामूलक तत्व तथा

सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों का अध्ययन किया, साथ ही भारतीय साहित्य में आज के भारत के बिंब की समीक्षा की।

CO .2इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी चयनित उपन्यास 'कन्या का मूल्य' के लेखक का परिचय, चरित्र-चित्रण तथा प्रतिपाद्य को जान सके तथा समीक्षा की। इसके साथ ही चयनित भारतीय रचनाकारों की पठित कहानियों के प्रतिपाद्य को जान सके, समीक्षा की तथा लेखकों की कहानी-कला से भी अवगत हुए।

CO .3विद्यार्थियों ने चयनित नाटक 'हयवदन' के पात्रों के चरित्र-चित्रण और समीक्षा का अध्ययन किया, साथ ही गिरीश कर्नाड की नाट्य-कला से भी परिचित हुए।

CO .4विद्यार्थी चयनित भाषाओं की पठित कविताओं की व्याख्या और प्रतिपाद्य को जान सके तथा समीक्षा की, साथ ही कवियों की काव्यगत विशेषताओं का भी अध्ययन किया।

इकाई	**विषय**	**अध्ययन अवधि**	**उपलब्धियाँ** Course) (Outcome
1	भारतीय साहित्य की परम्परा ;भारतीय साहित्य का स्वरूप ;भारतीय साहित्य अध्ययन की समस्याएं ;भारतीय साहित्य में मानव मूल्य ; भारतीय साहित्य में एकतामूलक तत्व ;भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्य ; भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब ।	30	1C

2	**) क (उपन्यास :** पाठ्य उपन्यास :कन्या का मूल्य : लुम्मेर दाई ,एल.डी पब्लिकेशन ,ईटानगर)मूल असमिया से अनुवाद -मुनीन्द्र मिश्र(आलोचना :उपन्यास की समीक्षा ,चरित्र-चित्रण ,प्रतिपाद्य ,लेखक का परिचय । **)ख (कहानी :** • असमिया -जल कुंवरी :लक्ष्मीकांत बेजबरुआ)बेजबरुआ की चुनी हुई रचनाएँ – नगेन सैकिया ,अनु -नवारुण वर्मा,नेशनल बुक ट्रस्ट(• मलयालम -खून का रिश्ता :तकषि शिवशंकर पिल्लै • तेलुगु –अयोनि)तेलुगु की प्रतिनिधि कहानियाँ ,साहित्य अकादेमी : (वोल्गा • बांग्ला -काबुली वाला :रवीन्द्रनाथ टैगोर • हिन्दी -चुनौती)साक्षी है पीपल , राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली(: जोराम यालम नाबाम हिंदी -अयाचित अतिथि)अयाचित अतिथि : ,डॉ .जमुना बीनी	30	2C
3	**नाटक :**	30	3C

	हयवदन : गिरीश कर्नाड आलोचना :गिरीश कर्नाड की नाट्य-कला , हयवदन की समीक्षा ,पात्रों का चरित्र-चित्रण ।		
4	**कविता :** पाठ्य पुस्तक –आधुनिक भारतीय कविता; सम्पा – . अवधेश नारायण मिश्र, नन्दकिशोर पाण्डेय। पाठ्य कविताएं : क. असमिया :कविता नीलमणि फूकन ख. उड़िया :धान कटाई सीताकांत महापात्रा ग. बांग्ला :जहाँ चित्त भय शून्य रवीन्द्र नाथ ठाकुर घ. संस्कृत :रसोई राधावल्लभ त्रिपाठी ङ. संथाली : बिटिया मुर्मू के लिए तीन कविताएँ)भाग (1 निर्मला पुतुल । : मेरी माँ जानती है)काव्य संग्रह :अक्षरों की विनती -(तारो सिन्दिक	30	4C
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5

CO1	3	2	2	1	3	2	2	1	3
CO2	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO3	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO4	2	3	1	3	2	2	1	3	2
Average	2.25	2.75	1.25	2.50	2.25	2	1.25	2.50	2.25

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. इकाई 2, 3तथा इकाई 4से एक-एक व्याख्यांश पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे।

   6x3 = 18

2. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे।

   13x4= 52

सहायक ग्रंथ -

1. आज का भारतीय साहित्य,)अनू(. :प्रभाकर माचवे
2. भारतीय साहित्य :रामछबीला त्रिपाठी
3. भारतीय साहित्य :मूलचंद गौतम
4. भारतीय साहित्य अध्ययन की नई दिशाएँ :प्रदीप श्रीधर
5. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास :डॉ .नगेंद्र
6. भारतीय साहित्य की अवधारणा :राजेंद्र मिश्र
7. भारतीय साहित्य की पहचान :सं .सियाराम तिवारी
8. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ :रामविलास शर्मा

9. भारतीय साहित्य :सं .नगेंद्र
10.भारतीय साहित्य :भोला शंकर व्यास

अष्टम सत्र

क्रेडिट 4 :
पूर्णांक 100 :
अभ्यन्तर 30 :
सत्रांत परीक्षा 70 :

IDE- HIN-CC- 4210

हिंदी साहित्य का इतिहास :आधुनिक काल

उद्देश्य : Learning) Objective L(Os

L .1Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, परिस्थितियों और 1857की क्रांति, पुनर्जागरण, आधुनिकता बोध, भारतेंदु युग के अवदान और भारतेंदु मंडल के कवियों की काव्य भाषा और मूल चेतना से परिचित हो सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों को द्विवेदी युगीन हिंदी नवजागरण और सरस्वती पत्रिका, राष्ट्रीय काव्य धारा के प्रमुख कवि, स्वच्छंदतावाद और द्विवेदी युगीन कविता की इतिवृत्तामकता की जानकारी प्राप्त होगी।

L .3Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी छायावाद की पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियों और सैद्धांतिकी से परिचित हो सकेंगे। वे प्रमुख छायावादी कवियों की रचनाओं और उनकी काव्य कला का अध्ययन कर सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों को छायावादोत्तर काव्य आंदोलनों की जानकारी प्राप्त होगी।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1CO इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, परिस्थितियों और 1857की क्रांति, पुनर्जागरण, आधुनिकता बोध, भारतेंदु युग के अवदान और भारतेंदु मंडल के कवियों की काव्य भाषा और मूल चेतना से परिचित हुए।

.2CO इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों को द्विवेदी युगीन हिंदी नवजागरण और सरस्वती पत्रिका, राष्ट्रीय काव्य धारा के प्रमुख कवि, स्वच्छंदतावाद और द्विवेदी युगीन कविता की इतिवृत्तामकता की जानकारी प्राप्त हुई।

.3COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी छायावाद की पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियों और सैद्धांतिकी से परिचित हुए। वे प्रमुख छायावादी कवियों की रचनाओं और उनकी काव्य कला का अध्ययन कर सके।

.4COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों को छायावादोत्तर काव्य आंदोलनों की जानकारी प्राप्त हुई।

इकाई	**विषय**	**अध्ययन अवधि**	**उपलब्धियाँCourse) (Outcome**
1	आधुनिक काल की पृष्ठभूमि :सामाजिक ,राजनीतिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियाँ 1857 ;की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण; आधुनिकता बोध का विकास ,हिन्दी काव्य को भारतेन्दु युग का अवदान ;भारतेन्दु मण्डल के कवि तथा अन्य कवि ;काव्य भाषा की चेतना और भारतेन्दु युग ; भारतेन्दु युगीन कविता की मूल चेतना और विशेषताएँ।	30	1C
2	द्विवेदी युग :महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि ; द्विवेदी युगीन कविता की इतिवृत्तात्मकता।	30	2C
3	छायावाद :पृष्ठभूमि ,प्रवृत्तियां और सैद्धांतिकी ;आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नंददुलारे वाजपेयी, नगेन्द्र, नामवर सिंह, रामविलास शर्मा; प्रमुख छायावादी कवि और उनका काव्य ;छायावादकालीन अन्य कवि और उनका काव्य ; नवजागरण और छायावाद ;छायावादी काव्य-भाषा का स्वरूप।	30	3C
4	छायावादोत्तर काव्यान्दोलन और काव्य : प्रगतिवाद ;प्रयोगवाद ;नई कविता ;अकविता; नवगीत ;जनवादी कविता; समकालीन कविता; दलित-चेतना ,स्त्री-चेतना और जनजातीय चेतना की कविताएं।	30	4C

कुल अध्ययन-अवधि	120

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO2	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO3	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO4	2	3	1	3	2	2	1	3	2
Average	2	3	1	3	2	2	1	3	2

कार्य-सम्पादन-पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देश :

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा ,जिसके लिए विकल्प भी होंगे।
14x4= 56

2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी ,जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर लिखना होगा।
7x2= 14

सहायक ग्रंथ :

. 1हिन्दी साहित्य का इतिहास -रामचन्द्र शुक्ल ,नागरी प्रचारिणी सभा , काशी।

.2हिन्दी साहित्य की भूमिका -हजारीप्रसाद द्विवेदी ,राजकमल प्रकाशन , दिल्ली।

.3हिन्दी साहित्य का आदिकाल -हजारीप्रसाद द्विवेदी ,राजकमल प्रकाशन , दिल्ली।

.4हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास -हजारीप्रसाद द्विविदी ,राजकमल ,

दिल्ली।
.5हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास -डॉ .बच्चन सिंह ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली।
.6हिन्दी साहित्य का अतीत :भाग 1,2 -विनय प्रसाद मिश्र ,वाणी वितान , ब्रहमनाल ,वाराणसी।
.7हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं .नगेन्द्र ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,दिल्ली।
.8हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास -डॉ .रामस्वरूप चतुर्वेदी ,लोकभारती , इलाहाबाद।
.9हिन्दी साहित्य :बीसवीं शताब्दी -नन्ददुलारे वाजपेयी ,लोकभारती प्रका . इलाहाबाद।
.10हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन -नलिन विलोचन शर्मा ,बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् ,पटना।
.11हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास
प्रथम एवं द्वितीय खंड -डॉ .गणपति चन्द्र गुप्त ,लोकभारती प्रका , इलाहाबाद।
.12हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास -रामकुमार वर्मा
13 .हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास -सुमन राजे, ज्ञानपीठ, दिल्ली
14 .हिन्दी साहित्य :बीसवी शताब्दी -नन्द दुलारे वाजपेयी
.15हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष -शिवदान सिंह चौहान
.16झारखण्ड :अन्धेरे से साक्षात्कार -डॉ .अभिषेक कुमार यादव, मीडिया स्टडीज, नई दिल्ली
.17भारतेंदु हरिश्चन्द्र -मदनगोपाल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.18महावीर प्रसाद द्विवेदी -नंद किशोर नवल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.19श्रीधर पाठक -रघुवंश, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
.20सुमित्रानंदन पंत -कृष्ण दत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

अष्टम सत्र	क्रेडिट	4 :
IDE- HIN-DE-4220	पूर्णांक	100 :
सगुण भक्ति काव्य एवं रीति काव्य	अभ्यन्तर	30 :
	सत्रांत परीक्षा	70 :

उद्देश्य : **Learning) Objective L(Os**

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सूरदास की चयनित कविताओं की व्याख्या कर सकेंगे एवं भ्रमरगीत की परंपरा और उसकी विशेषताओं की समीक्षा कर सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी तुलसीदास की चयनित कविताओं की व्याख्या कर सकेंगे तथा उनकी भक्ति-भावना, समन्वय-भावना और काव्य-कला से परिचित हो सकेंगे।

L .3Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी मीराबाई की चयनित पदावलियों की व्याख्या कर सकेंगे तथा कृष्णभक्ति काव्य-परंपरा में मीराबाई का स्थान, उनकी स्त्री-चेतना, विरह-वेदना और काव्यगत विशेषताओं का अध्ययन कर सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी घनानंद और बिहारी की चयनित कविताओं की व्याख्या कर सकेंगे। वे रीतिमुक्त काव्यधारा, घनानंद की विरह-वेदना और उनकी कविताओं की शिल्पगत विशेषता, बिहारी की सौंदर्य चेतना और काव्य कला से परिचित होंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1CO इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने सूरदास की चयनित कविताओं की व्याख्या की एवं भ्रमरगीत की परंपरा और उसकी विशेषताओं की समीक्षा की।

.2CO इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी तुलसीदास की चयनित कविताओं की व्याख्या कर सके तथा उनकी भक्ति भावना, समन्वय भावना और काव्य कला से परिचित हुए।

.3COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी मीराबाई की चयनित पदावलियों की व्याख्या कर सके तथा कृष्णभक्ति काव्य परंपरा में मीराबाई का स्थान, उनकी स्त्री-चेतना, विरह-वेदना और उनकी काव्यगत विशेषताओं का अध्ययन भी किया।

.4COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी घनानंद और बिहारी की चयनित कविताओं की व्याख्या कर सके। वे रीतिमुक्त काव्यधारा, घनानंद की विरह-वेदना और उनकी कविताओं की शिल्पगत विशेषता, बिहारी की सौंदर्य चेतना और काव्य-कला से परिचित हुए।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	**सूरदास**: पाठ्य पुस्तक :भ्रमरगीत सार ; संपादक-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, पद संख्या- 9,23,25,34,62,64, 138,172,278 ,65,82,85,87,95,97,115,120,130 आलोचना :भ्रमरगीत परम्परा और सूरदास, गोपियों का विरह वर्णन, भ्रमरगीत की विशेषताएँ ,सूरदास की काव्यगत विशेषताएँ।	30	1C
2	**तुलसीदास** पाठ्य पुस्तक :रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर पाठ्यांश :उत्तर काण्ड दोहा संख्या -3 से 18 तक आलोचना :तुलसीदास की भक्ति-भावना, तुलसीदास की समन्वय भावना, उत्तरकाण्ड का प्रतिपाद्य, तुलसीदास की काव्य-कला।	30	2C
3	**मीराबाई** पाठ्य पुस्तक :मीराबाई की पदावली :सम्पा .परशुराम चतुर्वेदी पद सं -17,18, 20, 22, 23, 35, 36, 41, 46,116,118,146,158,175,199, 200 आलोचना :कृष्ण काव्य परम्परा में मीराबाई का स्थान, मीराबाई और स्त्री चेतना, मीराबाई की विरह -वेदना, मीराबाई की काव्यगत विशेषताएँ।	30	3C
4	**घनानंद**	30	4C

	पाठ्य पुस्तक :घनानन्द कवित्त ;संपा -.आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र पद सं 6 .से 21तक आलोचना :रीतिमुक्त काव्यधारा और घनानंद, प्रेम के पीर के कवि घनानंद ,घनानंद के काव्य की शिल्पगत विशेषताएँ। **बिहारी** पाठ्य पुस्तक :बिहारी रत्नाकर ;सम्पा : .जगन्नाथदास रत्नाकर पाठ्यदोहे- 25,32,38,42,46,48,51,58, 60,61,69,73,94,121,131,141,181,300 तथा 363 आलोचना :सतसई परम्परा और बिहारी, बिहारी की सौन्दर्य चेतना ,बिहारी की काव्य-कला।		
कुल अध्ययन-अवधि		**120**	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO2	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO3	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO4	2	3	1	3	2	2	1	3	2
Average	2	3	1	3	2	2	1	3	2

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देश :

.1प्रत्येक इकाई से व्याख्या पूछी जायेगीं ,जिनके विकल्प भी होंगे। 24= 4x6

.2प्रत्येक इकाई से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनके विकल्प भी होंगे। 40=4×10

.3कुल छह अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर लिखना होगा। 06=3×2

सहायक ग्रंथः-

.1सूरदास -रामचन्द्र शुक्ल ,ना .प .सभा ,काशी।

.2सूर साहित्य -हजारीप्रसाद द्विवेदी ,राजकमल प्रकाशन , दिल्ली।

.3अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय -डॉ .दीनदयाल गुप्त ,हिन्दुस्तानी एकेडमी , प्रयाग।

.4सूर और उनका साहित्य -डॉ .हरवंश लाल शर्मा ,भारत प्रकाशन मंदिर ,अलीगढ़ ।

.5सूरदास -नंददुलारे वाजपेयी।

.6गोस्वामी तुलसीदास -रामचन्द्र शुक्ल ,नागरी प्रचारिणी सभा , काशी।

.7तुलसी और उनका युग -डॉ .राजपति दीक्षित ,ज्ञानमंडल ,काशी।

.8तुलसी-साहित्य का आधुनिक सन्दर्भ -डॉ .हरीशकुमार शर्मा ,साहित्य सहकार प्रकाशन,दिल्ली।

.9रामकथा का विकास -कामिल बुल्के ,हिन्दी परिषद् ,प्रयाग।

.10बिहारी की वाग्विभूति -विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ,वाणी वितान , वाराणसी।

.11बिहारी का नया मूल्यांकन -डॉ .बच्चन सिंह ,लोकभारती , इलाहाबाद ।

.12घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा -डॉ .मनोहर लाल गौड़ ,नागरी प्रचारिणी सभा ,काशी।

.13घनानन्द का काव्य -डॉ .रामदेव शुक्ल ,लोकभारती , इलाहाबाद।

.14परमानंद दास का काव्य-शिल्प -डॉ .शशिवाला शर्मा ,साहित्य सहकार , दिल्ली।

.15भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य -मैनेजर पाण्डेय ,वाणी प्रकाशन ,दिल्ली।

.16मीरा का काव्य -विश्वनाथ त्रिपाठी ,वाणी प्रकाशन , दिल्ली।

.17मीराबाई -डॉ .सी.एल .प्रभात

.18रामचरितमनस में नारी -डॉ .सुशील कुमार शर्मा ,साहित्य सहकार प्रकाशन

.19रीतिकाव्य की भूमिका -डॉ .नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

.20बिहारी -बच्चन सिंह, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

.21मीराबाई -ब्रजेन्द्र कुमार सिंहल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

अष्टम सत्र

IDE-HIN-DE-4230

आधुनिक काव्य

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	70 :

उद्देश्य : **Learning) Objective L(Os**

L .1Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी 'हरिऔध' और मैथिलीशरण गुप्त की चयनित कविताओं की व्याख्या कर सकेंगे। साथ ही प्रियप्रवास के महाकाव्यत्व, प्रियप्रवास की राधा ,उसकी काव्यगत विशेषताओं तथा साकेत में अभिव्यक्त आधुनिक स्त्री संवेदना, उर्मिला के विरह वर्णन और उसकी काव्यगत विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी जयशंकर प्रसाद और सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की चयनित कविताओं की व्याख्या कर सकेंगे। वे छायावादी काव्य मूल्य, प्रसाद की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना, दार्शनिक चेतना ,निराला की 'राम की शक्ति पूजा' का प्रतिपाद्य, उनके आत्म-संघर्ष और काव्य-वैशिष्ट्य का अध्ययन कर सकेंगे।

L .3Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा की चयनित कविताओं की व्याख्या कर सकेंगे। वे पंत के प्रकृति चित्रण और उनकी काव्यगत विशेषताओं तथा महादेवी वर्मा की रहस्य-भावना, पीड़ा और वेदना तथा काव्यगत विशेषताओं का अध्ययन कर सकेंगे।

L -4Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी हरिवंशराय बच्चन और रामधारी सिंह 'दिनकर' की चयनित कविताओं की व्याख्या कर सकेंगे। वे 'निशा निमंत्रण 'के प्रतिपाद्य, हालावाद और बच्चन

की काव्यगत विशेषताओं तथा दिनकर के काव्य में निहित राष्ट्रीयता, ‘रश्मिरथी’ का प्रतिपाद्य तथा उसके अंतर्वस्तु और शिल्प को जान सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

.1COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी ‘हरिऔध’ और मैथिलीशरण गुप्त की चयनित कविताओं की व्याख्या कर सके। साथ ही प्रियप्रवास के महाकाव्यत्व, प्रियप्रवास की राधा ,उसकी काव्यगत विशेषताओं तथा साकेत में अभिव्यक्त आधुनिक स्त्री संवेदना, उर्मिला के विरह वर्णन और उसकी काव्यगत विशेषताओं से परिचित हुए।

.2COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी जयशंकर प्रसाद और सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’ की चयनित कविताओं की व्याख्या कर सके। उन्होंने छायावादी काव्य मूल्य, प्रसाद की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना, दार्शनिक चेतना ,निराला की 'राम की शक्ति पूजा' का प्रतिपाद्य, उनके आत्म-संघर्ष और काव्य-वैशिष्ट्य का अध्ययन किया।

.3COइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा की चयनित कविताओं की व्याख्या कर सके। उन्होंने पंत के प्रकृति चित्रण और उनकी काव्यगत विशेषताओं तथा महादेवी वर्मा की रहस्य-भावना, पीड़ा और वेदना तथा काव्यगत विशेषताओं का अध्ययन किया।

-4COइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी हरिवंशराय बच्चन और रामधारी सिंह दिनकर की चयनित कविताओं की व्याख्या कर सके। वे ‘निशा निमंत्रण ’के प्रतिपाद्य, हालावाद और बच्चन की काव्यगत विशेषताओं तथा दिनकर के काव्य में निहित राष्ट्रीयता, रश्मिरथी का प्रतिपाद्य तथा उसके अंतर्वस्तु और शिल्प को जान पाए।

इकाई	विषय	अध्ययन अवधि	उपलब्धियाँCourse) (Outcome
1	**अयोध्यासिंह उपाध्याय ‘हरिऔध’** पाठ्य कविता :प्रियप्रवास ;षष्ठ सर्ग ;छन्द सं 26 -.से 83	30	1C

	आलोचना :प्रियप्रवास का महाकाव्यत्व ;प्रियप्रवास की राधा ,हरिऔध की काव्यगत विशेषताएँ। **मैथिलीशरण गुप्त** पाठांश –साकेत का नवम् सर्ग प्रथम खंड :पंक्ति -दो वंशों में प्रकट करके पावनी लोक-लीला ....से ....प्रिय ही नहीं यहाँ मैं भी थी, और एक संसार भी ! आलोचना:उर्मिला का विरह-वर्णन ,साकेत में अभिव्यक्त आधुनिक स्त्री संवेदना ,साकेत के नवम् सर्ग के सन्दर्भ में गुप्तजी की काव्यगत विशेषताएं।		
2	**जयशंकर प्रसाद** पाठांश' -कामायनी 'का इड़ा सर्ग आलोचना :छायावादी काव्य मूल्य और जयशंकर प्रसाद ; प्रसाद के काव्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना;कामायनी में व्यक्त दार्शनिक चेतना। **सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'** पाठ्य कविता –राम की शक्ति-पूजा । आलोचना :राम की शक्ति-पूजा का प्रतिपाद्य ;राम की शक्ति-पूजा और निराला का आत्मसंघर्ष,निराला का काव्य-वैशिष्ट्य।	30	2C
3	**सुमित्रानंदन पंत** पाठ्य कविता :परिवर्तन, नौका विहार पाठ्य पुस्तक -छायावाद के प्रतिनिधि कवि –डॉ . विजयपाल सिंह आलोचना :पन्त–काव्य और छायावाद; पंत का प्रकृति-चित्रण, पन्त की काव्यगत विशेषताएँ। **महादेवी वर्मा** पाठ्य कविताएं –बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मन्दिर का दीप । पाठ्य पुस्तक -छायावाद के प्रतिनिधि कवि –डॉ .विजयपाल सिंह	30	3C

	आलोचना :महादेवी की रहस्य भावना, पीड़ा और वेदना, महादेवी वर्मा की काव्यगत विशेषताएं।		
4	**हरिवंशराय बच्चन** पाठ्य रचना –निशा निमंत्रण के प्रथम चार गीत आलोचना :निशा निमंत्रण का प्रतिपाद्य,हालावाद और हरिवंशराय बच्चन ,हरिवंशराय बच्चन की काव्यगत विशेषताएं। **रामधारी सिंह दिनकर** पाठ्यांश –रश्मिरथी)तृतीय सर्ग (आलोचना :दिनकर के काव्य में राष्ट्रीयता,रश्मिरथी का प्रतिपाद्य,रश्मिरथी की अंतर्वस्तु और शिल्प।	30	4C
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO2	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO3	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO4	2	3	1	3	2	2	1	3	2
Average	2	3	1	3	2	2	1	3	2

कार्य-सम्पादन-पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देश :

.1प्रत्येक इकाई से व्याख्या पूछी जायेगी ,जिसके विकल्प भी होंगे।
24=4×6

.2प्रत्येक इकाई से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनके विकल्प भी होंगे।
40=4×10

.3कुल छह अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर लिखना होगा।
06=3×2

सहायक ग्रन्थ :

.1साकेत :एक अध्ययन -डॉ .नगेन्द्र ,राजकमल प्रकाशन ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस

.2साकेत के नवम सर्ग का काव्य वैभव -कन्हैयालाल सहल ,हिन्दी बुक सेन्टर ,दिल्ली ।

.3जयशंकर प्रसाद -नन्द दुलारे वाजपेयी ।

.4प्रसाद और उनका साहित्य -विनोद शंकर व्यास

.5जयशंकर प्रसाद :वस्तु और कला -डॉ रामेश्वर खण्डेलवाल ।

.6प्रसाद का काव्य -डॉ .प्रेमशंकर ,वाणी प्रकाशन ,दिल्ली ।

.7निराला की साहित्य साधना ,भाग 1,2,3 -डॉ .रामविलास शर्मा

.8निराला एक आत्महन्ता आस्था -दूधनाथ सिंह ,लोक भारती ,इलाहाबाद ।

.9छायावाद - डॉ .नामवर सिंह ,राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली ।

.10क्रांतिकारी कवि निराला -डॉ .बच्चन सिंह

.11कामायनी अनुशीलन -रामलाल सिंह ,वाणी प्रकाशन ,दिल्ली ।

.12राम की शक्तिपूजा -डॅा .नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली ।

.13महादेवी का काव्य सौष्ठव -कुमार विमल ,अनुपम प्रकाशन ,पटना।

.14महादेवी -दूधनाथ सिंह ,राजकमल ,इलाहाबाद ।

.15कवि सुमित्रानंदन पंत -नंद दुलारे वाजपेयी ,प्रकाशन संस्थान , दिल्ली।

.16सुमित्रानंदन पंत :कवि और काव्य -शारदालाल प्रकाशन ,दिल्ली ।

.17महादेवी -इन्द्रनाथ मदान ,राधाकृष्ण प्रकाशन ,दिल्ली।

.18हरिऔध के महाकाव्यों की नारी पात्र -रेणु श्रीवास्तव ,अमन प्रकाशन ,कानपुर ।

.19दिनकर का कुरुक्षेत्र और मानवतावाद -डॉ .मोहसिन खान

.20पन्त की दार्शनिक चेतना -डॉ .सुरेशचन्द्र गुप्त, प्रकाश बुक डिपो, बरेली

अष्टम सत्र	क्रेडिट	4 :
	पूर्णांक	100 :
IDE-HIN-DE-4240	अभ्यन्तर	30 :
हिन्दी नाटक एवं निबंध	सत्रांत परीक्षा	70 :

उद्देश्य : **Learning) Objective L(Os**

L .1Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी मोहन राकेश के नाटक 'आषाढ़ का एक दिन' के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा समीक्षा कर सकेंगे। आधुनिक हिंदी नाटक की परंपरा तथा पठित नाटक में चित्रित समस्याओं से परिचित हो सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी भुवनेश्वर की एकांकी ' –स्ट्राइक', उपेंद्रनाथ अश्क की एकांकी' -सूखी डाली' तथा जगदीश चंद्र माथुर की एकांकी ' –भोर का तारा' के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे तथा समीक्षा कर सकेंगे ,साथ ही चयनित एकांकीकारों की एकांकी-कला से भी परिचित हो सकेंगे।

L .3Oविद्यार्थी भारतेंदु हरिश्चंद्र, बालमुकुंद गुप्त, रामचंद्र शुक्ल और हरिशंकर परसाई की निबंध शैली से परिचित हो सकेंगे और पठित निबंधों के प्रतिपाद्य को जान सकेंगे।

L .4Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी ललित निबंध की परिभाषा एवं उसकी विशेषताओं को जान सकेंगे तथा हजारीप्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र, विवेकी राय और नामवर सिंह की निबंध शैली से परिचित हो सकेंगे तथा पठित निबंधों की व्याख्या एवं समीक्षा कर सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) OutcomeC(Os

L .1Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी मोहन राकेश के नाटक 'आषाढ़ का एक दिन' के प्रतिपाद्य को जान सके तथा समीक्षा की। आधुनिक हिंदी नाटक की परंपरा तथा पठित नाटक में चित्रित समस्याओं से परिचित हुए।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी भुवनेश्वर की एकांकी '–स्ट्राइक', उपेंद्रनाथ अश्क की एकांकी' -सूखी डाली' तथा जगदीश चंद्र माथुर की एकांकी ' –भोर का तारा' के प्रतिपाद्य को जान सके तथा समीक्षा की ,साथ ही चयनित एकांकीकारों की एकांकी-कला से भी परिचित हुए।

L .3Oविद्यार्थी भारतेंदु हरिश्चंद्र, बालमुकुंद गुप्त, रामचंद्र शुक्ल और हरिशंकर परसाई की निबंध शैली से परिचित हुए और पठित निबंधों के प्रतिपाद्य को जान सके।

L .4Oइस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी ललित निबंध की परिभाषा एवं उसकी विशेषताओं को जान सके तथा हजारीप्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र, विवेकी राय और नामवर सिंह की निबंध शैली से परिचित हुए तथा पठित निबंधों की व्याख्या एवं समीक्षा की।

इकाई	**विषय**	**अध्ययन अवधि**	**उपलब्धियाँCourse) (Outcome**
1	**नाटक** आषाढ़ का एक दिन :मोहन राकेश आलोचना :आधुनिक हिंदी नाटक और मोहन राकेश,नाटक की समीक्षा, पठित नाटक में चित्रित समस्याएँ।	30	1C
2	**एकांकी** स्ट्राइक : भुवनेश्वर सूखी डाली :उपेन्द्रनाथ 'अश्क ' भोर का तारा :जगदीश चन्द्र माथुर आलोचना :चयनित एकांकीकारों की एकांकी-कला , एकांकी के तत्वों के आधार पर समीक्षा, प्रतिपाद्य।	30	2C
3	**निबंध** भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है : भारतेन्दु एक दुराशा :बालमुकुन्द गुप्त उत्साह : रामचन्द्र शुक्ल	30	3C

	पगडण्डियों का जमाना : हरिशंकर परसाई आलोचना बिंदु :चयनित निबंधकारों की निबंध शैली, पठित निबंधों का प्रतिपाद्य।		
4	**ललित निबंध** कुटज :हजारी प्रसाद द्विवेदी मेरे राम का मुकुट भीग रहा है : विद्यानिवास मिश्र उठ जाग मुसाफिर :विवेकी राय संस्कृति और सौन्दर्य :नामवर सिंह आलोचना :ललित निबंध की परिभाषा एवं विशेषताएँ , चयनित निबंधकारों की निबंध शैली,पठित निबंधों का प्रतिपाद्य।	30	4C
कुल अध्ययन-अवधि		120	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO2	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO3	2	3	1	3	2	2	1	3	2
CO4	2	3	1	3	2	2	1	3	2
Average	2	3	1	3	2	2	1	3	2

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देश :

.1प्रत्येक इकाई से व्याख्या पूछी जायेगी ,जिसके विकल्प भी होंगे।

24=4×6

.2प्रत्येक इकाई से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनके विकल्प भी होंगे।

40=4×10

.3कुल छह अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे ,जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर लिखना होगा।

06=3×2

सहायक ग्रंथ :

.1हिन्दी नाटक उद्भव और विकास –डॉ .दशरथ ओझा ,राजपाल एण्ड सन्स , दिल्ली।

.2रंग दर्शन -नेमिचन्द्र जैन

.3रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना –हजारीप्रसाद द्विवेदी राजकमल , दिल्ली ।

.4रामचन्द्र शुक्ल –मलयज ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली।

.5हिन्दी नाटक -बच्चन सिंह ,लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद ।

.6हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन

.7हिन्दी :विन्यास और विकास –रामस्वरूप चतुर्वेदी ,लोकभारती प्रकाशन

.8 मोहन राकेश और उनके नाटक –गिरीश रस्तोगी ,लोक भारती ।

.9हिन्दी ललित निबन्ध :स्वरूप विवेचन –वेदवती राठी ,लोक भारती ।

.10आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण –विजयमोहन सिंह ,ज्ञानपीठ ।

.11हिन्दी का गद्य पर्व –नामवर सिंह ,राजकमल ।

.12हजारीप्रसाद द्विवेदी :समग्र पुनरावलोकन –चौकीराम मिश्र ,लोकभारती ।

.13दो रंगपुरुष -डॉ .जमुना बीनी तादर, रीडिंग रूम्स, दिल्ली

.14अध्यापक पूर्ण सिंह -रामचन्द्र तिवारी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

.15जगदीश चन्द्र माथुर -सत्येन्द्र कुमार तनेजा, साहित्य अकादेमी

.16भुवनेश्वर -गिरीश रस्तोगी, साहित्य अकादेमी

.17मोहन राकेश -प्रतिभा अग्रवाल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

.19हरिशंकर परसाई -विश्वनाथ त्रिपाठी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

अष्टम सत्र

IDE-HIN-MC-4250

अनुवाद विज्ञान :सिद्धांत एवं प्रविधि

क्रेडिट	4 :
पूर्णांक	100 :
अभ्यन्तर	30 :
सत्रांत परीक्षा	70 :

उद्देश्य : **Learning) Objective L(sO**

L .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी अनुवाद प्रक्रिया, स्वरूप एवं अनुवादक के गुणों से परिचित हो सकेंगे।

L .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुवाद के विभिन्न प्रकारों एवं शैलियों का परिचय प्राप्त हो सकेगा।

LO3. विद्यार्थी अनुवाद की विविध समस्याओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे तथा सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याओं सहित मीडिया के क्षेत्र में अनुवाद की समस्याओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

L .4Oविद्यार्थी अनुवाद के उपकरणों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोग से परिचित हो सकेंगे।

उपलब्धियां –Course) meOutcoC(sO

C .1Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी अनुवाद प्रक्रिया, स्वरूप और अनुवादक के गुणों से परिचित हुए।

C .2Oइस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुवाद के विभिन्न प्रकारों एवं शैलियों का परिचय प्राप्त हुआ।

CO3. विद्यार्थियों ने अनुवाद की विविध समस्याओं की जानकारी प्राप्त की तथा सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याओं सहित मीडिया के क्षेत्र में अनुवाद की समस्याओं की जानकारी प्राप्त की।

C .4Oविद्यार्थी अनुवाद के उपकरणों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोग से परिचित हुए।

इकाई	**विषय**	**अध्ययन अवधि**	**उपलब्धियाँ Course) (Outcome**
1	**अनुवाद प्रक्रिया एवं स्वरूप** अनुवादः अर्थ ,स्वरूप और क्षेत्र; अनुवादक के गुण ; अनुवाद के सिद्धान्त। अनुवाद की इकाईः शब्द , पदबंध, वाक्य एवं पाठ।	30	1C
2	**अनुवाद के प्रकार एवं शैलियाँ** अनुवाद के प्रकार ,साहित्यिक अनुवाद, साहित्येतर अनुवाद, शैलीगत एवं शाब्दिक अनुवाद , भावानुवाद ,छायानुवाद ,पूर्ण और आंशिक अनुवाद , आशु अनुवाद ,अनुवाद की सीमाएँ।	30	2C
3	**अनुवाद की विविध समस्याएँ** सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद	30	3C

	की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ।		
4	**अनुवाद के उपकरण और व्यावहारिक अनुप्रयोग** अनुवाद के उपकरण -कोश ,पारिभाषिक शब्दावली , थिसारस ,मशीनी अनुवाद ,अनुसृजन और अनुवाद। **व्यावहारिक अनुवाद** : प्रश्नपत्र में दिए गए अंग्रेजी/ हिन्दी अवतरण का अनुवाद।	30	4C
	कुल अध्ययन-अवधि	**120**	

	PO1	PO2	PO3	PO4	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
CO1	1	1	1	3	2	3	1	3	2
CO2	1	1	1	3	2	3	1	3	2
CO3	1	1	1	3	2	3	1	3	2
CO4	1	1	1	3	2	3	1	3	2
Average	1	1	1	3	2	3	1	3	2

कार्य-सम्पादन -पद्धति :परामर्श)काउंसलिंग(, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, प्रदत्त कार्य लेखन)असाइनमेंट ,(आवधिक मूल्यांकन)पीरियाडिक असेसमेंट(आदि।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा ,प्रत्येक के लिए विकल्प भी होंगे।

13x4= 52

2. कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी, जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर लिखना होगा। 6x3= 18

सहायक ग्रंथः -

1. अनुवादः सिद्धान्त एवं प्रयोग - डॉ. जी. गोपीनाथ , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

2. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा - डॉ. सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

3. अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।

4. अनुवाद कला - डॉ. एन. ई विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

5. अनुवाद कालः सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

6. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ - डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन , दिल्ली।

7.कार्यालयी अनुवाद की समस्या - डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।

8. अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएँ - डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।

9. अनुवाद चिंतन के सैद्धान्तिक आयाम - स. डॉ. गार्गी गुप्त एवं डॉ. ओम प्रकाश सिंहल, भारतीय

अनुवाद परिषद्, दिल्ली।

10.पश्चिम में अनुवाद कला के मूल स्रोत - डॉ. गार्गी गुप्त एवं डॉ. विश्वप्रकाश गुप्त, भारतीय अनुवाद

परिषद्, दिल्ली।

11. अनुवाद विज्ञान भूमिका - कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल, दिल्ली।

12. अनुवाद चिन्तन - डॉ. शफीकुन्निसा खा, डॉ. छविल कुमार मेहेर, अमन

प्रकाशन, सागर।

c. Faculty and support staff requirements:

Faculty support is provided by the Department of Hind of Rajiv Gandhi University. Staff support is provided by the Institute of Distance Education itself. The IDE also receives staff support from the University.

d. Instructional delivery mechanisms:

The programme will be imparted with the help of suitably designed syllabus. The syllabus is developed by a group of experts. Instructions to the learners will be provided by conducting counseling. The counseling to the learners will be provided by the invited experts in the concerned discipline.

e. Full credit mapping and time given:

The Syllabus is as per the guidelines of UGC Regulation on NEP 2020 . Hindi Bachelor Honurse is a graduate degree of four years consisting 08 (eight) semester. The course comprises of diverse and insight-oriented papers which include 21 (twenty one) papers of Honours, 03 (three) papers of Departmental Elective under Honours, 03 (three) papers of Skill Enhansment course and Minor 02(two) papers (Minor papers of seventh and eighth semester will be read by

Hindi Major Students) will be tought in the Hindi Department. From the frist semestar to the Six semester, students of other subjectwill read 06 (six) papers of Hind Minor. 03(three) papers of Multidisciplinary course, 02(two) papers of Ability Enhasment course, 03(three) papers of value-Added course and 06(six) papers of minor students will study in departments of other subject.

Four Years Undergraduate Programme (FYUP) HINDI)

COURSE STRUCTURE

तीन वर्षीय स्नातक/चार वर्षीय हिंदी स्नातक)प्रतिष्ठा (के लिए पाठ्यक्रम संरचना

प्रथम सत्र									
पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षा अंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयोगात्मक)	कुल अंक
			L	T	P				
IDE-HIN-CC-1110	हिन्दी साहित्य : आदिकाल से भक्तिकाल)इतिहास एवं रचनाएँ (	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-MC-1110	हिंदी सामान्य	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-XXX-MD-1110	राष्ट्रीय चेतना की कविता	3	2	1	0	90	30	70	100
IDE-XXX-AE-	लेखन	4	3	1	0	120	30	70	100

1110	कौशल								
IDE--XXX SEC-0010	हिंदी शिक्षण	3	2	1	0	90	30	70	100
IDE-EVS-VA-1110	अन्य विभागों द्वारा तैयार किया जाएगा। विद्यार्थी अपने पसंद के विषय में तैयार पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	2	1	1	0	60	30	70	100

द्वितीय सत्र

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षाअंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयोगात्मक)	कुल अंक
			L	T	P				
IDE-HIN-CC-1210	रीतिकाल : इतिहास एवं रचनाएँ	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-MC-1111	गद्य साहित्य : कहानी एवं	4	3	1	0	120	30	70	100

	उपन्यास								
IDE-XXX-MD-1210	साहित्य और सिनेमा	3	2	1	0	90	30	70	100
IDE--XXX 1210-AE	पटकथा तथा संवाद लेखन	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-SE-XXX-0020	सृजनात्मक लेखन	3	2	1	0	90	30	70	100
IDE-EVS-VA-1120	अन्य विभागों द्वारा तैयार की जायेगी। विद्यार्थी अपने पसंद के विषय में तैयार पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	2	1	1	0	60	30	70	100

प्रथम एवं द्वितीय सत्र में 40क्रेडिट अंक प्राप्त करने वाला कोई विद्यार्थी यदि पाठ्यक्रम को छोड़ना चाहे तो उसे उक्त विषय में स्नातक प्रमाण पत्र की उपाधि दी जाएगी ,बशर्ते उसे इन दो सत्रों में संचालित कौशल आधारित पाठ्यक्रम के 6क्रेडिट के अतिरिक्त व्यवसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत संचालित 4क्रेडिट वाला प्रशिक्षण /समर इंटर्नशिप पूरा करना होगा।

तृतीय सत्र

पाठ्यक्रम कोड	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**कुल क्रेडिट**	**क्रेडिट**			**अध्ययन अवधि**	**आतंरिक परीक्षा अंक**	**सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयोगात्मक)**	**कुल अंक**
			L	**T**	**P**				

IDE-HIN-CC-2110	आधुनिक काल : इतिहास एवं रचनाएँ - 1	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-2120	हिंदी कहानी 1-	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-MC-2110	हिंदी आत्मकथा और जीवनी	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-XXX-MD-1310	कम्प्यूटर-अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण	3	2	1	0	90	30	70	100
IDE--XXX SE-0030	राजभाषा हिंदी : अवधारणा एवं अनुप्रयोग	3	2	1	0	90	30	70	100
IDE-EVS-VA-1130	अन्य विभागों द्वारा तैयार की	2	1	1	0	60	30	70	100

	जायेगी। विद्यार्थी अपने पसंद के विषय में तैयार पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।								

चतुर्थ सत्र									
पाठ्यक्रम कोड	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**कुल क्रेडिट**	**क्रेडिट**			**अध्ययन अवधि**	**आतंरिक परीक्षा अंक**	**सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयोगात्मक)**	**कुल अंक**
			L	**T**	**P**				
IDE-HIN-CC-2210	**हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान**	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-2220	**हिंदी नाटक**	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-2230	**कथेतर गद्य साहित्य**	4	3	1	0	120	30	70	100
IDEHIN-CC-2240	**हिंदी भक्ति काव्य**	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-MC-3210	**आधुनिक हिंदी कविता**	4	3	1	0	120	30	70	100

चतुर्थ सत्र के समाप्त होने के पश्चात 80 क्रेडिट अंक प्राप्त करने वाला कोई विद्यार्थी यदि पाठ्यक्रम को छोड़ना चाहे तो उसे उक्त विषय में स्नातक डिप्लोमा की उपाधि दी जाएगी, बशर्ते उसे इन दो वर्षों में व्यवसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत संचालित 4 क्रेडिट वाला प्रशिक्षण/ समर इंटर्नशिप को पूरा करना होगा।
वे विद्यार्थी जो तीन वर्षीय स्नातक या चार वर्षीय स्नातक उपाधि प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें भी पंचम सत्र तक व्यवसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत संचालित 4 क्रेडिट वाला प्रशिक्षण/ समर इंटर्नशिप को पूरा करना होगा। पंचम सत्र

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षा अंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयोगात्मक)	कुल अंक
			L	T	P				
IDE-HIN-CC-3110	भारतीय काव्यशास्त्र	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-3120	आधुनिक काल : इतिहास एवं रचनाएँ2 -	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-3130	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-3140	लोक साहित्य	2	1	1	0	60	30	70	100
IDE-HIN-MC-4110	प्रवासी साहित्य	4	3	1	0	120	30	70	100

IDE-HIN-IN-5110	प्रशिक्षण / इंटर्नशिप	2	1	1	0	60	30	70	100

षष्ठ सत्र

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षाअंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयोगात्मक)	कुल अंक
			L	T	P				
IDE-HIN-CC-3210	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-3220	छायावाद	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-3230	प्रेमचन्द	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-3240	मीडिया के विविध आयाम	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-MC-4210	राष्ट्रीय चेतना का साहित्य	4	3	1	0	120	30	70	100

षष्ठ सत्र अथवा तीन वर्ष की पढ़ाई पूर्ण होने के पश्चात 120क्रेडिट अर्जित करने वाला कोई छात्र यदि पाठ्यक्रम से निकास लेना चाहे तो उसे स्नातक की उपाधि प्रदान की जायेगी।

सप्तम सत्र

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन	आतंरिक	सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
			L	T	P				

						अवधि	परीक्षा अंक	(सैद्धांतिकी/ प्रयोगात्मक)	
IDE-HIN-CC-4110	हिन्दी साहित्य का इतिहास)आदिकाल से रीतिकाल तक(	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-4120	आदिकालीन साहित्य एवं निर्गुण भक्ति काव्य	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-4130	भारतीय काव्यशास्त्र	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-CC-4140	कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-MC-4150	भारतीय साहित्य	4	3	1	0	120	30	70	100

अष्टम सत्र									
पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षा अंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/ प्रयोगात्मक)	कुल अंक
			L	T	P				
IDE-HIN-CC-4210	**हिंदी साहित्य का**	4	3	1	0	120	30	70	100

	इतिहास: आधुनिक काल								
IDE-HIN-DE-4220	सगुण भक्ति काव्य एवं रीति काव्य	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-DE-4230	आधुनिक काव्य	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-DE-4240	हिन्दी नाटक एवं निबंध	4	3	1	0	120	30	70	100
IDE-HIN-MC-4250	अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रविधि	4	3	1	0	120	30	70	100

योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम)Ability Enhancement Course(AEC

सत्र	**पाठ्यक्रम कोड**	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**कुल क्रेडिट**	**क्रेडिट**			**अध्ययन अवधि**	**आतंरक परीक्षाअंक**	**सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयोगात्मक)**	**कुल अंक**
				L	T	P				
प्रथम	**IDE-XXX-AE-1110**	लेखन कौशल	4	3	1	0	120	30	70	100
द्वितीय	**IDE–XXX 1210-AE**	पटकथा तथा संवाद लेखन	4	3	1	0	120	30	70	100

हिंदी सामान्य M (Hindi Minor)C

सत्र	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षाअंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी /प्रयोगात्मक)	कुल अंक
				L	T	P				
प्रथम	IDE-HIN-MC-1110	हिंदी सामान्य	4	3	1	0	120	30	70	100
द्वितीय	IDE-HIN-MC-1111	गद्य साहित्य : कहानी एवं उपन्यास	4	3	1	0	120	30	70	100
तृतीय	IDE-HIN-MC-2110	हिंदी आत्मकथा और जीवनी	4	3	1	0	120	30	70	100
चतुर्थ	IDE-HIN-MC-3210	आधुनिक हिंदी कविता	4	3	1	0	120	30	70	100
पंचम	IDE-HIN-MC-4110	प्रवासी साहित्य	4	3	1	0	120	30	70	100
षष्ट	IDE-HIN-MC-4210	राष्ट्रीय चेतना का साहित्य	4	3	1	0	120	30	70	100
सप्तम	IDE-HIN-RC-5110	शोध प्रविधि	4	3	1	0	120	30	70	100
अष्टम	IDE-HIN-RC- 5210	शोध एवं प्रकाशन नैतिकता	4	3	1	0	120	30	70	100

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम)Skill Enhancement CourseSEC(

सत्र	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षा अंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयोगात्मक)	कुल अंक
				L	T	P				
प्रथम	IDE-XXX-SE-0010	हिंदी शिक्षण	3	2	1	0	90	30	70	100
द्वितीय	IDE--XXX 0020-SE	सृजनात्मक लेखन	3	2	1	0	90	30	70	100
तृतीय	IDE--XXX 0030-SE	राजभाषा हिंदी : अवधारणा एवं अनुप्रयोग	3	2	1	0	90	30	70	100

अंतर अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम (rseMultidisciplinary Cou)MD

सत्र	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कुल क्रेडिट	क्रेडिट			अध्ययन अवधि	आतंरिक परीक्षा अंक	सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिकी/प्रयोगात्मक)	कुल अंक
				L	T	P				
प्रथम	IDE-XXX-MD-1110	राष्ट्रीय चेतना की कविता	3	2	1	0	90	30	70	100
द्वितीय	IDE--XXX-MD 1210	साहित्य और सिनेमा	3	2	1	0	90	30	70	100

तृतीय	IDE--XXX-MD 1310	कंप्यूटर अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण	3	2	1	0	90	30	70	100

f. **Identification of media and student support service systems:**

This will be done through counseling, discussion, Interactions with the experts. The information and other communication would be done through WhatsApp, Email, Facebook, Google meet etc.

6. **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:**

Applications for admission to the programme will be invited through advertisement in the print and social media. The applications will be scrutinized and applicants will be selected for admission on the basis of merit. Merit list will be prepared on the basis of percentage of marks in senior secondary level.

The learners will be provided with study materials. They will also be provided instructions by conducting counseling. The learners will be given home assignments which will be evaluated by the experts. The final examination will be conducted for which question papers will be set by experts and scripts will also be evaluated experts.

7. **Requirement of the laboratory support and Library Resources:**

Since the proposed discipline belongs to Social Sciences, laboratory work is not required.

Library Resources:

a. Central Library of the University
b. Dedicated Library at IDE, RGU
c. Separate Libraries at the Study Centres

8. Cost estimate of the programme and the provisions:

a) **Cost estimate of the programme:**

Common Annual Budget is sanctioned every year for the current financial year for expenses against all courses. This allocation is in the following heads:

i) Development of Course Materials
ii) Student Support Services (at HQ &Centres)
iii) Staff Training and Development
iv) Technology Support
v) Library
vi) Research & Development

b) Provisions:

FEE STRUCTURE OF MASTER OF ARTS

Details	MA 1st Semester	MA 2nd Semester	MA 3rd Semester	MA 4th Semester
Course Fee	700.00	700.00	700.00	700.00
Admission Fee	500.00	500.00	500.00	500.00
Registration Fee	450.00			
Central Examination Fee	1,600.00	1,600.00	1,600.00	1,600.00
Mark sheet Fee	250.00	250.00	250.00	250.00
Self-Learning Material	3,500.00		3,500.00	
Assignment Evaluation Fee	300.00	300.00	300.00	300.00
Counseling Fee	700.00	700.00	700.00	700.00
Identity Card Fee	100.00	100.00	100.00	100.00
Continuation Fee		500.00	500.00	500.00
Assignment Response Fee	250.00	250.00	250.00	250.00
Centre Fee	300.00	300.00	300.00	300.00
Library Fee	100.00	100.00	100.00	100.00

Total	**8,750.00**	**5,300.00**	**8,800.00**	**5,300.00**

9. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:

a. Quality assurance mechanism:

i) The Institute of Distance Education uploads all its policy decision on the website of the HEI, so that interested learners may know about the programme in detail before enrolled.

ii) Further, counseling is provided during the admission.

iii) As the learner enrolled in a programme, the Institute of Distance Education provides Self-Learning Materials.

iv) The Institute of Distance Education shares all the information to the learners through E-mail and Postal. In recent times, social media like Facebook and WhatsApp have become an integral part of the dissemination of information on quality assurance.

v) In every academic session, the Institute of Distance Education provides 10 (ten) days counseling programme to the learners.

vi) Above these, the academic staffs of the Institute of Distance Education takes thereby address all the grievances of the learners during working hours.

b. Expected programme outcomes:

The programme is designed to provide higher education to the students. It will help learners to acquire knowledge and skills and promote human resources development.